सुविचार
सच तो यह है कि समय अपने बीतने के लिए किसी की भी स्वीकृति की प्रतीक्षा नहीं करता।
-नरेश मेहता

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi • Saturday, 15 February 2025 • Year : 03 • Issue : 33 • Ranchi Edition • Page : 12 • Price : ₹3 • www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

12
Yami Gautam Reacts To Her Viral...

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु पहुंचीं रांची, गवर्नर ने किया स्वागत

राजभवन में किया विश्राम, आज बीआईटी के प्लैटिनम जुबली समारोह में करेंगी शिरकत
शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में किया गया बदलाव, जगह-जगह पर की गई बैरिकेडिंग

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार की शाम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु रांची पहुंचीं। उनका विमान रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर लैंड किया। राष्ट्रपति का स्वागत झारखंड के गवर्नर संतोष कुमार गंगवार ने किया। इस दौरान उनके साथ राज्य की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की समेत कई आला अधिकारी भी मौजूद थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु एयरपोर्ट से सीधे राजभवन के लिए रवाना हो गईं, जहां उन्होंने रात्रि विश्राम किया। 15 फरवरी को राष्ट्रपति बीआईटी मेसरा में आयोजित प्लैटिनम जुबली समारोह में शिरकत करेंगी। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर राज्य में कई प्रशासनिक तैयारियां की गई हैं। इधर, राष्ट्रपति के रांची आगमन को लेकर शुक्रवार और शनिवार को शहर के ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया गया। जगह-जगह पर बैरिकेडिंग की गई है।

एयरपोर्ट पर राज्यपाल के साथ कृषि मंत्री नेहा शिल्पी तिर्की भी रहीं मौजूद

डीसी ने कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा का लिया जायजा

बीआईटी मेसरा स्थित जीपी बिरला ऑडिटोरियम में शनिवार को होने वाले प्लैटिनम जुबली समारोह को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। वहीं अधिकारियों की एक संयुक्त बैठक हुई। डीसी मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पुलिस और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इससे पहले डीसी ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया और आयोजन से संबंधित सभी व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

शेयर मार्केट में गिरावट से 8 दिनों में निवेशकों को 25.31 लाख करोड़ का नुकसान

NEW DELHI : बाजार में लगातार आठ कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट के कारण निवेशकों को 25.31 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इस दौरान विदेशी पूंजी निकासी, उम्मीद से कम तिमाही आय और वैश्विक व्यापार युद्ध को लेकर अनिश्चितता की चिंताओं के बीच बीएसई सेंसेक्स में तीन प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। लगातार आठ सत्रों में बीएसई सेंसेक्स 2,644.6 अंक यानी 3.36 प्रतिशत गिरा, तथा एनएसई निफ्टी 810 अंक यानी 3.41 प्रतिशत नुकसान में रहा। शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स 199.76 अंक यानी 0.26 प्रतिशत गिरकर 75,939.21 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में कमजोर रुख के चलते बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण आठ दिन में 25,31,579.11 करोड़ रुपये घटकर 4,00,19,247 करोड़ रुपये (4,610 अरब डॉलर) रह गया।

झारखंड के आदिवासी बहुल गांवों में खोले जाएंगे 1220 नए आंगनबाड़ी केंद्र

- हेमंत सरकार ने केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को भेजा है प्रस्ताव
- पीएम-जनमन और डीएजेजीयूए के तहत इन नए केंद्रों को खोलने की बनी है स्कीम
- बच्चों व महिलाओं को पोषण और शिक्षा की मिलेगी बेहतर सुविधा
- योजना में केंद्र और राज्य सरकार की भागीदारी 70:30 के अनुपात में होगी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में आदिवासी बहुल क्षेत्रों के विकास के लिए 1220 नए आंगनबाड़ी केंद्र खोलने की स्कीम तैयार की गई है। यह केंद्र प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम-जनमन) और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीएजेजीयूए) के तहत खोले जाएंगे। राज्य सरकार ने इसके लिए केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा है। पीएम-जनमन योजना के तहत 275 नए आंगनबाड़ी केंद्र खोले जाएंगे। यह योजना पूरी तरह से केंद्र सरकार द्वारा वित्त पोषित है, जिससे आदिवासी इलाकों में बच्चों और महिलाओं को पोषण और शिक्षा की बेहतर सुविधा मिलेगी। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीएजेजीयूए) के तहत 945 गांवों में नए आंगनबाड़ी केंद्र खोलने की योजना है। इन गांवों की सूची स्वीकृति के लिए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को भेजी गई है। इस योजना में केंद्र और राज्य सरकार की भागीदारी 70:30 के अनुपात में होगी। डीएजेजीयूए के तहत जनजातीय बहुल गांवों के आंगनबाड़ी केंद्रों को सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों में बदला जाएगा। राज्य सरकार ने 7139 गांवों की सूची मंत्रालय को सौंपी है, जिनमें से 6524 गांवों में पहले से ही आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं। बाकी 615 गांवों में आंगनबाड़ी केंद्रों की आवश्यकता को समझने के लिए सर्वे किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अक्टूबर 2023 को हजारीबाग से धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की शुरूआत की थी।

बाबूलाल मरांडी ने फैसले का किया स्वागत

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड के आदिवासी गांवों में नए आंगनबाड़ी केंद्र खोलने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर शुक्रवार को लिखा कि केंद्र सरकार की पीएम जनमन और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत झारखंड के आदिवासी गांवों में 1220 नए आंगनबाड़ी केंद्र खोलने का फैसला स्वागतयोग्य है। इससे आदिवासी समाज के विकास और पोषण में काफी सुधार होगा। यह कदम स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनायेगा और ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार के न शए मौके प्रदान करेगा। आंगनबाड़ी कार्यकताओं और सहायिकाओं की नियुक्ति से महिलाओं का सशक्तीकरण भी होगा। केंद्र सरकार का यह निर्णय सबका साथ, सबका विकास के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

SHARE

सेंसेक्स	:	75,851.35
निफ्टी	:	22,897.30

SARAFA

सोना	:	8,165
चांदी	:	108.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

सीमा संबंधी विषयों पर अगले हफ्ते होगी बातचीत

NEW DELHI : सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के बीच वर्ष में दो बार होने वाली महानिदेशक स्तर की बैठक नई दिल्ली में 17 से 20 फरवरी के बीच बीएसएफ मुख्यालय, नई दिल्ली में होने जा रही है। इसमें सीमा पर फेंसिंग और बीएसएफ कर्मियों पर हमले जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा होगी। बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्ता पलट के बाद से यह पहली बैठक है। पिछली बैठक पिछले साल मार्च में ढाका में आयोजित की गई थी। बीएसएफ की ओर से जारी एक वक्तव्य के अनुसार 55वां महानिदेशक स्तर का सीमा समन्वय सम्मेलन नई दिल्ली में आयोजित होगा। इसमें बीएसएफ महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के मोहम्मद अशरफुजामन सिद्दीकी अपने-अपने प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।

खिलाड़ियों के लिए संजीवनी बना 'खेलो इंडिया' : शाह

NEW DELHI : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत तेजी से खेलों में आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर गुजरात में शुरू हुआ 'खेलो इंडिया' खेल और खिलाड़ियों के लिए संजीवनी बना गया है। आज पूरा देश खेलो इंडिया में शामिल होकर खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ा रहा है। केन्द्रीय मंत्री अमित शाह शुक्रवार को हल्द्वानी के अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों के समापन समारोह को संबोधित कर थे। समापन के अवसर पर केन्द्रीय गृहमंत्री ने राष्ट्रीय खेलों का ध्वज मेघालय के मुख्यमंत्री कोनरॉड के. सांगमा को सौंपा। अगले राष्ट्रीय खेल वर्ष 2026 में मेघालय होंगे। उन्होंने राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के लिए उत्तराखंड के निवासियों के साथ ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को शुभकामनाएं दी। इन राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन 28 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देहरादून के महाराणा स्पोर्टस कॉलेज में किया था।

डोनाल्ड ट्रंप ने नरेंद्र मोदी का गर्मजोशी के साथ किया स्वागत
बड़ी उपलब्धि : भारत को एफ 35 फाइटर जेट देगा अमेरिका

भारतीय प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिका के प्रेसिडेंट ट्रंप के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता

NEW DELHI @ PTI : शुक्रवार की देर रात भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी दो दिवसीय अमेरिकी यात्रा पूरी कर दिल्ली लौट आए। गुरुवार को वह अमेरिका पहुंचे थे। भारतीय समय के अनुसार पीएम मोदी इसी दिन देर रात 3 बजे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने व्हाइट हाउस पहुंचे। दोनों नेताओं के बीच करीब ढाई घंटे तक द्विपक्षीय बातचीत हुई। ट्रंप-मोदी दो बार मीडिया से मुखातिब हुए और दोनों ने पत्रकारों के सवालों के जवाब दिए। बातचीत में भारत को अमेरिका द्वारा एफ-35 फाइटर जेट देने पर सहमति बनी। भारत के रक्षा क्षेत्र के लिए यह बड़ी उपलब्धि है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने मोदी की जमकर प्रशंसा की और कई मुद्दों पर भारत के रुख को गंभीरता से समझने की कोशिश की। मोदी के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में ट्रंप ने केवल यह घोषणा की कि उनके प्रशासन ने 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है, बल्कि कट्टरपंथी इस्लामी आतंकवाद से भारत के साथ मिलकर लड़ने की भी बात कही। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका एक शैतान को भारत को सौंप रहा है, साथ ही उन्होंने और अधिक कार्रवाई का आश्वासन भी दिया।

- दोनों नेताओं के बीच ढाई घंटे तक हुई बातचीत
- दो बार दोनों मीडिया से हुए रूबरू, सभी सवालों का दिया जवाब
- मोदी बोले- मेरे और ट्रंप के मिलने का मतलब एक और एक ग्यारह
- ट्रंप बोले- एक शैतान को भारत को सौंप रहा है अमेरिका, आतंकवाद से मिलकर लड़ेंगे दोनों देश
- 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मिली मंजूरी

अवैध रूप से दूसरे देशों में रहना कानूनी अधिकार नहीं : मोदी

पीएम मोदी ने कहा- जो लोग अवैध रूप से दूसरे देशों में रहते हैं, उन्हें वहां रहने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। हमने हमेशा कहा है कि जो लोग भारत के नागरिक हैं और अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे हैं, उन्हें वापस लाने के लिए तैयार हैं। पीएम ने कहा कि हम इस बात पर सहमत हैं कि सीमा के दूसरी तरफ से पैदा होने वाले आतंकवाद को खत्म करने के लिए ठोस कार्रवाई की जानी चाहिए। भारत में नरसंहार करने वाले एक अपराधी को प्रत्यर्पित करने के फैसले की तारीफ करता हूं।

भारत में अच्छा काम कर रहे मोदी

ट्रंप ने मोदी को अपना पुराना मित्र बताया और टैरिफ पर एक सवाल के जवाब में कहा, वह सौदेबाजी में मुझसे कहीं ज्यादा माहिर हैं। इसमें कोई मुकाबला ही नहीं है। दोनों नेताओं के बीच गर्मजोशी भरे संबंध स्पष्ट दिखे और ट्रंप ने कहा कि मोदी भारत में बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा,हर कोई उनके बारे में बात करता है। वह वाकई शानदार काम कर रहे हैं। वह एक महान नेता हैं।दोनों नेताओं की ओवल ऑफिस में मुलाकात के दौरान ट्रंप ने मोदी का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उनसे काफी देर तक हाथ मिलाया और फिर गले मिले। उन्होंने कहा, हमें आपकी बहुत याद आई।

सुप्रीम कोर्ट ने जमानत आदेश में किया संशोधन
प्रेम प्रकाश को ईडी के सामने अब नहीं लगानी होगी हाजिरी

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों में ट्रायल फेस कर रहे प्रेम प्रकाश को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने उनकी जमानत की शर्तों में संशोधन करते हुए सप्ताह में दो बार ईडी के समक्ष उपस्थित होने के आदेश को समाप्त कर दिया है। इस संशोधन के बाद अब प्रेम प्रकाश को ईडी के समक्ष हाजिरी नहीं लगानी पड़ेगी। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में यह भी स्पष्ट किया है कि प्रेम प्रकाश किसी भी तरीके से ट्रायल को बाधित करने की कोशिश नहीं करेंगे और नियमित तौर पर ट्रायल कोर्ट में उपस्थित होंगे। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने यह आदेश दिया है। प्रेम प्रकाश की ओर से हाईकोर्ट के अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा और अधिवक्ता स्नेह सिंह ने बहस की।

ब्रिटेन ने टाटा समूह के चेयरमैन को दी मानद 'नाइटहुड' की उपाधि

NEW DELHI : टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन को ब्रिटेन-भारत व्यापार संबंधों में उनकी सेवाओं के लिए ब्रिटेन द्वारा मानद 'नाइटहुड' से सम्मानित किया गया है। टाटा समूह ने शुक्रवार को बताया कि चंद्रशेखरन को ब्रिटिश साम्राज्य का सबसे उत्कृष्ट आदेश (नागरिक खंड) - मानद डीबीई/केबीई (योद्धा या डेम कमांडर) से सम्मानित किया गया है। समूह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि चंद्रशेखरन को ब्रिटेन-भारत व्यापार संबंधों में योगदान के लिए राजा चार्ल्स द्वारा मानद नाइटहुड की उपाधि प्रदान की गई। इस सम्मान पर चंद्रशेखरन ने कहा,टाटा समूह को इस बात पर गर्व है कि उसने प्रौद्योगिकी, उपभोक्ता, होटल, इस्पात, रसायन और वाहन क्षेत्रों में ब्रिटेन के साथ इतना मजबूत रणनीतिक संबंध बनाए रखा है।

महाकुंभ : त्रिवेणी संगम के तट पर 26 फरवरी तक लोग करेंगे स्नान
अब तक 50 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

PRAYAGRAJ @ PTI : शुक्रवार को सरकार ने कहा कि प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ के दौरान 50 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई है। यह संख्या भारत और चीन को छोड़कर दुनिया के बाकी देशों की आबादी से ज्यादा है। प्रयागराज में महाकुंभ मेले की मेजबानी कर रही उत्तर प्रदेश सरकार ने एक बयान में दावा किया कि यह मानव इतिहास में किसी भी धार्मिक, सांस्कृतिक या सामाजिक आयोजन के लिहाज से सबसे बड़ा जनसमूह है। बता दें कि महाकुंभ 13 जनवरी को शुरू हुआ था और हिंदुओं के बीच पवित्र माने जाने वाले गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती यानि त्रिवेणी संगम के तट पर 26 फरवरी तक चलेगा।

भारत-चीन को छोड़कर बाकी किसी देश की आबादी से ज्यादा है यह संख्या

92 लाख श्रद्धालु पहुंचे

प्रदेश सरकार के अनुसार शुक्रवार को शाम छह बजे तक 92 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई, जिससे महाकुंभ में आ चुके कुल श्रद्धालुओं की संख्या 50 करोड़ को पार कर गई। अमेरिका, रूस, इंडोनेशिया, ब्राजील, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों की आबादी 50 करोड़ से कम है। सरकार ने कहा, केवल भारत और चीन की आबादी ही महाकुंभ में आ चुके श्रद्धालुओं की संख्या के मामले में ज्यादा है। इसके विपरीत अमेरिका, इंडोनेशिया, पाकिस्तान और ब्राजील जैसे देश काफी पीछे हैं।

नई पहल सभी राज्यों के लिए एक जैसा कानून लागू करेगी मोदी सरकार
अब देश में नहीं चलेगी दवाओं के दाम निर्धारण में मनमानी

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : साल 2025-26 के आम केंद्रीय बजट में आम जनता को कई प्रकार से सुविधा प्रदान करने की घोषणा के साथ मोदी सरकार ने अपने भविष्य के विजन को क्लियर कर दिया है। सालाना 12 लाख रुपये तक की आमदनी पर जीरो टैक्स की घोषणा ने उसे दिल्ली विधानसभा चुनाव में बंपर जीत दिला दी है। इसके साथ ही अगर हम याद करते हैं, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि आम लोगों के लिए जीवन रक्षक दवावों के दाम में कमी की घोषणा भी केंद्र सरकार ने की है। अपडेट जानकारी यह मिल रही है कि केंद्र सरकार ने दवाओं के दाम निर्धारण में मनमानी को सख्ती से खत्म करने का फैसला किया है। बताया जाता है कि केंद्र सरकार की लागू होने वाली नई नीति के अनुसार, जल्द ही केमिस्ट और थोक विक्रेताओं के साथ-साथ ई-फार्मेसी पर भी दवाओं की मूल्य सूची दिखाई देगी। दवा उत्पादन करने वाली कंपनियों को यह लिस्ट विक्रेताओं तक को उपलब्ध करानी होगी। ऐसा इसलिए कि वे तय कीमत से अधिक दाम पर मरीजों को दवा नहीं बेच सकें।

केमिस्ट-थोक विक्रेताओं के साथ ई-फार्मेसी पर भी दिखेगा हर मेडिसिन का मूल्य
दवा उत्पादन करने वाली कंपनियों को सभी दुकानदारों को उपलब्ध करानी होगी सूची

- हर प्रकार की सभी दवाओं की कीमत सरकार की ओर से किया जाएगा निर्धारित
- मरीज या तीमारदार कभी भी खरीदी हुई दवा के मूल्य की कर सकेंगे जांच
- राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण की ओर से जारी किया गया आदेश
- निर्धारित मूल्य से अधिक रेट लेने वालों के खिलाफ की जाएगी कड़ी कार्रवाई

डीपीसीओ 2013 नियम के तहत 3111 नई दवाओं के लिए खुदरा कीमत निर्धारित

नियम के दायरे में आएंगे सभी प्लेटफॉर्म

हम देखते हैं कि वर्तमान में इंटरनेट के जरिए कई वेबसाइट और मोबाइल एप घर बैठे दवा आपूर्ति कर रहे हैं। इन्हें ई-फार्मेसी के रूप में पहचाना जाता है। ये सभी प्लेटफॉर्म भी इस नियम के दायरे में आते हैं और इन्हें भी दवाओं की मूल्य सूची को अपने प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराना आवश्यक है।

ज्यादा कीमत लेने पर होगी वसूली

गौरतलब है कि भारत में दवाओं की कीमतें निर्धारित करने का काम राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) का है, जो दवा (मूल्य नियंत्रण) आदेश-2013 के तहत कुछ दवाओं की अधिकतम कीमत तय करने का फैसला करता है। अगर कोई दवा उत्पादक ज्यादा कीमत पर दवा बेचता है, तो उससे वसूली की जाती है। 31 दिसंबर 2024 तक डीपीसीओ 2013 नियम के तहत करीब 3111 नई दवाओं के लिए खुदरा कीमत तय की गई है। इन दवाओं में कैंसर से लेकर कार्डियोवास्कुलर, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, क्रोनिक किडनी रोग, एचआईवी, न्यूरोलॉजिकल विकार, मनोरोग विकार, एनाल्जेसिक, ज्वरनाशक, गैर-स्टेरॉयड और सूजन रोधी मेडिसिन को शामिल किया गया है।

बीजापुर मुठभेड़ में मारे गए 31 नक्सलियों में से 28 की हुई शिनाख्त

BIJAPUR : छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के नेशनल पार्क के जंगल में बीती 9 फरवरी को हुई मुठभेड़ में 31 नक्सली मारे गए थे। इन नक्सलियों में से 28 की शिनाख्त हो गई है। ये नक्सली एक करोड़ दस लाख के इनामी थे। शेष 3 मारे गये नक्सलियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक बीजापुर डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि नेशनल पार्क एरिया में हुई मुठभेड़ में 11 महिला और 17 पुरुष नक्सलियों की पहचान हुई है। मारे गए 28 नक्सलियों के शव विधिवत परिजनों को सुपुर्द किए गए हैं। इस मुठभेड़ में नेशनल पार्क एरिया में 29 वर्ष से आतंक का पर्याय रहे हुंगा कर्मा का भी अंत हो गया है। कुल एक करोड़ दस लाख के इनामी नक्सली इस मुठभेड़ में मारे गए हैं। जानकारी के अनुसार पश्चिम बस्तर डिवीजन सचिव डीवीसीएम 29 वर्षीय हूंगा कर्मा ऊर्फ सोनकू वर्ष 1996 में नक्सल संगठन में सक्रिय था।

पुलवामा हमले में शहीद जवानों को किया नमन
सीएम हेमंत व चम्पाई सहित कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 14 फरवरी 2019 को पुलवामा हमले में शहीद हुए वीर जवानों को नमन किया है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि 2019 में पुलवामा में कायराना आतंकी हमले में शहीद होने वाले अमर वीर जवानों की शहादत को शत-शत नमन। वहीं दूसरी ओर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और सरायकेला विधायक चंपाई सोरेन ने सोशल मीडिया पर लिखा कि जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए भारत माता के वीर सपूतों को शत शत नमन। आपके अदम्य साहस, वीरता और शौर्य का राष्ट्र सदैव ऋणी रहेगा। इसके अलावा लोकसभा सांसद और भाजपा नेता संजय सेठ ने कहा कि पुलवामा के आतंकी हमले में अपना बलिदान देने वाले मां भारती के सभी वीर सपूतों को मेरा कोटि-कोटि नमन। राष्ट्रहित के लिए दिया गया आपका बलिदान, हर देशवासी के लिए प्रेरणा देने वाला है। यह देश आपके बलिदान का सदैव ऋणी रहेगा।

BRIEF NEWS

55 एकड़ में लगी अफीम की फसल को पुलिस ने रौंदा

LATEHAR : पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के निदेर्शानुसार अवैध अफीम की खेती के खिलाफ अभियान चलाकर शुक्रवार को पुलिस ने 55 एकड़ में लगी अफीम की फसल को रौंद दिया। पुलिस ने बताया कि हेरहंज थाना क्षेत्र के ग्राम महुआटांड़, खीराखांड के आसपास क्षेत्र एवं अमानत नदी के किनारे सीमावर्ती गैरमजरूआ एवं वन भूमि के अलग अलग प्लॉट में लगी करीब 55 एकड़ पोस्ता-अफीम की फसल को 8 ट्रैक्टर व पोकलेन से नष्ट किया गया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बालूमाथ के नेतृत्व में हुई कार्रवाई में हेरहंज थाना की पुलिस, सैट सशस्त्र बल, सीआरपीएफ जी-11 व आईआरबी के जवान भी शामिल थे। अवैध अफीम की खेती करने वाले के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

चतरा में करीब 75 एकड़ में लगी अफीम नष्ट

CHATRA : जिला पुलिस ने शुक्रवार को करीब 75 एकड 30 डिसमिल में लगी अवैध अफीम की खेती को नष्ट किया। इसमें लावालौंग थाना अंतर्गत ग्राम खाखर मे करीब 60 एकड़, कुंदा थाना अंतर्गत ग्राम बनयाडीह में करीब 6.5 एकड़, राजपुर थाना अंतर्गत ग्राम हंदिरालूटा, रामखेता मे करीब 3 एकड़, वशिष्ठनगर थाना अंतर्गत ग्राम बंदरचूवा मे 30 डिसमिल, सदर थाना अंतर्गत ग्राम लूटा में करीब 3 एकड और हंटरगंज थाना अंतर्गत ग्राम कोलवा, लूटाफटा में करीब 2.5 एकड़ शामिल है।

रांची जिले में लगी थी 215 एकड़ में अफीम

RANCHI : रांची जिले में शुक्रवार को अभियान चलाकर जंगल क्षेत्र में 215 में अफीम की फसल लगी थी, जिसे ट्रैक्टर, ग्रास कटर मशीन एवं पुलिस बल द्वारा नष्ट किया गया। यह कार्रवाई तमाड़, बुंडू, सोनाहातु, राहे, नामकुम, अनगड़ा, खरसीदाग व दशामफाल थाना क्षेत्र में हुई। इसके अंतर्गत बुंडू थाना ने 52 एकड़, तमाड़ ने 80 एकड़, दशमफाल थाना ने 25 एकड़, सोनाहातु थाना ने 4 एकड़, राहे थाना ने 17 एकड़, नामकुम थाना ने 30 एकड़, अनगड़ा थाना ने 2 एकड़ और खरसीदाग थाना ने 5 एकड़ में कार्रवाई की।

एसपी ने स्टेडियम का किया निरीक्षण

PALAMU : शहीदों की स्मृति में मेदिनीनगर के पुलिस लाइन स्टेडियम में आयोजित होने वाले अंतरराज्यीय फुटबॉल टूर्नामेंट को लेकर पुलिस अधीक्षक सह टूर्नामेंट की अध्यक्ष रीष्मा रमशेन अपने दल के साथ शुक्रवार शाम ग्राउंड का निरीक्षण किया। आयोजन समिति के अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ पूरे स्टेडियम का निरीक्षण किया। इस दौरान एसपी ने बाकी बचे कार्यों को जल्द से जल्द निपटाने के लिए एवं टूर्नामेंट के आयोजन को और बेहतर बनाने के लिए कई निर्देश भी दिए। इस अवसर पर फुटबॉल टूर्नामेंट आयोजन समिति के सचिव मनोहर कुमार लाली ने हर विभाग के कार्यों के बारे में बताया। आयोजन समिति के कोषाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह ने भी स्टेडियम में हो रहे टेंट, मंच, लाइट इत्यादि के कार्यों के बारे में जानकारी दी। मौके पर मेजर प्रभारी सुरेश राम, पलामू पुलिस मेंस एसोसिएशन के अध्यक्ष सुशील सिन्हा, टीम प्रबंधक संदीप कुमार राम, मीडिया प्रभारी अजीत कुमार पाठक सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

युवक ने फंदे पर लटक कर दे दी जान

RAMGARH : रामगढ़ जिले के कुजू ओपी क्षेत्र में कर्ज में डूबे एक युवक ने अपने घर में पंखे की कुंडी से फंदे से लटक कर अपनी जान दे दी। जब घर वालों को इसका पता चला तो उन लोगों के होश उड़ गए। कुजू नया बाजारटांड़ निवासी कुणाल सिंह उर्फ छोटू (31) ने गुरुवार की रात इतना बड़ा कदम उठाया। जानकारी के अनुसार कुणाल सिंह पिछले कई दिनों से काफी तनाव में रह रहा था। उसका पैसा मार्केट में और संबंधियों के बीच फंसा हुआ था। लेनदेन के कारण वह इतना कर्ज में डूब गया था, जिसकी वजह से उसकी मानसिक स्थिति काफी तनावपूर्ण हो गई थी। कुणाल की मां जब खाना लेकर उसके कमरे में गई तो कमरा अंदर से बंद था। काफी आवाज लगाने के बाद भी जब कोई जवाब नहीं दिया, तो उन्होंने कुणाल के पिता रामकुमार सिंह को इसकी जानकारी दी। पिता और पड़ोसियों ने मिलकर जब दरवाजा तोड़ा तो कुणाल की लाश पंखे से लटकती हुई मिली। जब यह घटना घटी थी तो कुणाल की पत्नी अपनी तीन माह की बेटी के साथ अपने मायके रांची में थी। तत्काल परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सीमेंट लदा एलपी ट्रक पलटा चालक और खलासी की मौत

रांची-पटना मुख्य मार्ग पर चुटूपालु घाटी में हुई दुर्घटना, हजारीबाग से आ रहा था ट्रक

AGENCY RAMGARH : रांची-पटना मुख्य मार्ग पर राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर के चुटूपालु घाटी में शुक्रवार को सड़क हादसे में चालक और खलासी की मौत हो गई। रांची से हजारीबाग की ओर से आ रहे सीमेंट लदा एलपी ट्रक (सीजी 04एमएस 4977) अचानक घाटी में अनियंत्रित हो गई और घाटी के गढ़के मोड़ के पास आकर पलट गई। इस घटना में ट्रक के मलबे में चालक और खलासी बुरी तरह दब गए। घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने क्रेन के माध्यम से किसी तरह निकलवा कर दोनों को सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों में छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग जिला अंतर्गत अहिवारा, नंदनी नगर निवासी ट्रक मालिक सह चालक अजय कुमार जैन और खलासी रायपुर जिला अंतर्गत सरधू गांव निवासी प्रकाश वर्मा शामिल हैं। पुलिस ने घटना से संबंधित जानकारी दोनों मृतकों के परिवार वालों को दी।

घटनास्थल पर क्षतिग्रस्त ट्रक ● फोटोन न्यूज

चुटूपालू घाटी में हो रही सड़क दुर्घटनाओं को कब तक एनएचएआई के अधिकारी नजर अंदाज करेंगे। डीसी चंदन कुमार ने भी कई बार एनएचएआई के अधिकारियों को सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में घाटी में हो रही दुर्घटनाओं पर सकारात्मक पहल करने का निर्देश देते हैं। लेकिन यह निर्देश सिर्फ बैठक तक ही सीमित रह जाती है। अगर डीसी निर्देश देने के अलावा एनएचएआई के अधिकारियों पर कड़े एक्शन लेते है तो निश्चित ही कुछ पहल हो सकता है।

चुटूपालू घाटी में हो रही सड़क दुर्घटनाओं की रोक थाम को लेकर डीसी हर बार सड़क सुरक्षा की बैठक कर एनएचएआई के अधिकारियों को कई निर्देश देते है। इससे पूर्व 10 फरवरी को डीसी ने चुटूपालु घाटी में हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए घाटी में लगाई गई लाइट को नियमित रूप से कार्य करने को लेकर निर्देश दिए थे। साथ ही दुर्घटनाओं को रोकथाम को लेकर साइन बोर्ड जल्द से जल्द लगाने का भी निर्देश दिए थे। बावजूद इस और एनएचएआई ने सकारात्मक पहल नहीं करने पर दुर्घटनाओं का सिलसिला जारी है।

पांडे गिरोह के लिए रंगदारी मांगने वाला अपराधी गिरफ्तार

RAMGARH : झारखंड समेत कई राज्यों में संगठित आपराधिक गिरोह को संचालित करने वाला विकास तिवारी अपने इशारे पर व्यापारियों से रंगदारी वसूलवा रहा है। इसका खुलासा तब हुआ जब इस गिरोह का एक सदस्य अनिल यादव रामगढ़ और लातेहार पुलिस के ज्वाइंट ऑपरेशन में गिरफ्तार हुआ। शुक्रवार को पुलिस अनिल यादव को कड़ी सुरक्षा के बीच लातेहार ले गई। लेकिन रामगढ़ में जो कहानी सामने आई वह चौंकाने वाली थी। रामगढ़ शहर के बंगाली टोला निवासी अनिल यादव गिरोह के लिए काफी लंबे समय से काम कर रहा था। विकास तिवारी के इशारे पर वह दूसरे जिले के व्यापारियों और ठेकेदारों को ना सिर्फ धमकता था, बल्कि उन्हें रामगढ़ बुलाकर रंगदारी वसूलता था। धमकी देने के बाद जब व्यापारी उसे पैसे देने के लिए राजी होते थे, तो उन्हें राष्ट्रीय राजमार्ग 33 का एक लोकेशन उन्हें भेजता था। लातेहार के एक व्यापारी को जब पांडे गिरोह की ओर से धमकी मिली तो वह सदमे में आ गया। लेकिन बाद में उसने पुलिस का सहारा लिया। जब पुलिस गिरोह के सदस्यों को ट्रैक कर रही थी, तो इसकी भनक किसी को नहीं लगी। अनिल यादव ने रंगदारी की रकम लेने के लिए जब अपना लोकेशन भेजा, तो पुलिस इस लोकेशन को ट्रैक कर रामगढ़ कोठार ओवर ब्रिज तक पहुंची।

प्रेमी ने शादी से किया इंकार तो प्रेमिका ने दे दी जान

KODERMA : जिले के डोमचांच थाना अंतर्गत मधुबन पंचायत के ग्राम सिमरिया में प्रेमी के शादी से इंकार करने पर प्रेमिका ने कुएं में कूद कर जान दे दी। बताया जाता है कि युवती के परिजनों ने प्रेमी से ही युवती की शादी भी ठीक कर दी थी। कुछ दिनों में शादी की रस्में होने वाली थी। घटना में मृतका की पहचान रुबी कुमारी (18) के रुप में की गयी है। वह डोमचांच थाना के सिमरिया गांव निवासी प्रेमचंद यादव की पुत्री थी। जानकारी के अनुसार रूबी कुमारी डोमचांच थाना क्षेत्र के सपही निवासी सूरज कुमार यादव से प्यार करती थी। विवाह भी होने वाला था लेकिन प्रेमी सूरज यादव ने अचानक शादी करने से इंकार कर दिया। इसके बाद प्रेमिका ने शुक्रवार सुबह कुएं मे कूदकर जान दे दी। उसे कुएं में डूबते देख बच्चों ने हल्ला किया जिसके बाद ग्रामीण दौड़ कर पहुंचे। तब तक युवती कुएं में छलांग लगा चुकी थी। आनन - फानन में ग्रामीणों ने युवती को बाहर निकाला तब तक युवती की मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही डोमचांच थाना प्रभारी ओमप्रकाश अपने दल बल के साथ पहुंच कर शव को अपने कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल कोडरमा भेज दिया।

घर पर लगी भीड़ व इनसेट में मृतक

रिक्शा चालक की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

● घर के बाहर मदद के लिए चिल्लाता रहा घायल व्यक्ति कोई नहीं आया

AGENCY PALAMU : एक रिक्शा चालक की उसके घर के समीप हत्या करने का मामला शुक्रवार को प्रकाश में आया है। जख्मी हालत में वह मदद के लिए घर के बाहर चिल्लाता रहा, लेकिन शराबी समझकर किसी ने उसकी मदद नहीं की। सूचना मिलने पर शुक्रवार को पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के आबादगंज रेलवे लाइन से सटे इलाके की है। इस संबंध में शहर थाना में अज्ञात पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। रिक्शा चालक की पहचान आबादगंज रेलवे लाइन के पास रहने वाले 35 वर्षीय राकेश कुमार के रूप में की गयी है। पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी है।

घटनास्थल पर पड़ा मृतक का शव ● फोटोन न्यूज

थाना प्रभारी इंस्पेक्टर देवव्रत पोद्दार ने बताया कि मृतक के शरीर पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। उसके पैर टूटे हुए थे और जांघ में दो छेद मिले। नुकीले हथियार से हमला किया गया था। हमलावरों ने राकेश को मारने के बाद रेलवे पटरी के किनारे बने नाले में फेंक दिया था। घटना रात करीब एक से डेढ़ बजे की है।

राकेश ने मदद के लिए शोर मचाया, लेकिन मुहल्लेवालों ने उसे शराब पीकर हंगामा करने वाला समझ लिया और कोई मदद को नहीं आया। घायल राकेश किसी तरह नाले से बाहर निकला और किसी तरह अपने घर तक पहुंचा, जहां उसने दम तोड़ दिया। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों में उसके घिसटते हुए जाने का फुटेज मिला है। रास्ते में खून के निशान भी मिले हैं। अधिक खून बहने से उसकी मौत होने की बात कही जा रही है। घटना के समय राकेश की मां कुंभ स्नान के लिए बाहर गई हुई है। गुरुवार को राकेश घर में ताला लगाकर रिक्शा चलाने गया था। पूर्व वार्ड पार्षद के बयान पर पुलिस ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया है।

पेट्रोलिंग ड्यूटी से लौटे हवलदार की मौत, पुलिस लाइन में दी गई सलामी

AGENCY PALAMU : पलामू जिले के नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत सरइडीह पिकेट में कार्यरत जैप-8 के हवलदार छोटन राम (55) की मौत हो गयी। हवलदार बीती रात पेट्रोलिंग ड्यूटी करके लौटे थे। सीने में दर्द होने पर उन्हें इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल में ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मृत्यु के पश्चात उनका शव एमआरएमसीएच मेदिनीनगर भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस लाइन में सलामी दी गयी। सूचना मिलने पर परिजन भी अस्पताल पहुंचे थे और अपनी देखरेख में पोस्टमार्टम करवाया था। शुक्रवार दोपहर पुलिस केन्द्र पलामू में सलामी एवं श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इस कार्यक्रम में पुलिस निरीक्षक-सार्जेंट मेजर सुरेश राम, पुलिस मेंस एसोसिएशन के अध्यक्ष सुशील कुमार सिन्हा, कोषाध्यक्ष विक्रांत दुबे, सचिव लालू उरांव, उपाध्यक्ष जयप्रकाश पुरी, अंकेक्षक सुनील कुमार, एमटी सार्जेंट विमल कुमार चंद्रवंशी, जीपी सर्जेंट मेरी खलखो, नौडीहा थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी, सब इंस्पेक्टर नागेंद्र चौधरी, जैप-8 के कोषाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह, अंकेक्षक सिकंदर कुमार, केंद्रीय सदस्य द्वारिका प्रसाद महतो, केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य मनोज शर्मा, ओमप्रकाश, प्रदेश संयोजक जसवंत कुमार पांडे एवं अजीत कुमार शुक्ला, पुलिस एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष एसआई रूपेश कुमार सिंह, पुलिस केंद्र के पदाधिकारी एवं जवान उपस्थित थे। सलामी के बाद हवलदार का पार्थिव शव उनके पैतृक गांव उत्तर प्रदेश के डाला चोपन के लिए सरकारी वाहन से पूरे सम्मान के साथ भेजा गया।

पुलिस लाइन में श्रद्धांजलि देते जवान व इनसेट में मृतक की फाइल फोटो

छात्रा का शारीरिक शोषण, एफआईआर

PALAMU : पलामू जिले के पिपरा प्रखंड की दलपतपुर पंचायत में झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय भितिहा की अनाथ नाबालिक छात्रा से शारीरिक शोषण को लेकर शुक्रवार को 8 घंटे तक धरना प्रदर्शन किया गया। पूर्व विधायक कुशवाहा शिवपूजन मेहता और छात्रा के परिजन एवं ग्रामीणों ने प्रदर्शन के दौरान जमकर हंगामा किया। मामले में गंभीरता देखते हुए छात्रा की बीती रात ही एमआरएमसीएच में मेडिकल जांच की गयी। शुक्रवार को इस संबंध में पोक्सो सहित अन्य धाराओं में पिपरा थाना में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। पुलिस छानबीन में जुटी है। वार्डन चंदा कुमारी ने बताया कि विद्यालय की कक्षा 10 में पढ़ने वाली एक छात्रा लगभग 10 .30 बजे विद्यालय से जन वितरण प्रणाली की ई-पॉश मशीन में अंगूठा लगाने की बात कह अपने परिचित के साथ विद्यालय से बाहर निकली थी। बाद में अपराह्न करीब दो बजे वापस स्कूल लौटी। वहीं सूचना पाकर छात्रा के परिजन जब विद्यालय पहुंचे तो लौटने पर उसकी हालत ठीक नहीं थी। वह नशे की हालत में लग रही थी। कुछ भी नहीं बता पा रही थी।

टाटा स्टील ने लगाया मोतियाबिंद चिकित्सा शिविर, हो रही सर्जरी

शिविर का उद्घाटन करते बाघमारा के विधायक शत्रुघ्न महतो

JAMADOBA : टाटा स्टील फाउंडेशन ने शंकर नेत्रालय के सहयोग से मालकेरा कम्युनिटी सेंटर में मोतियाबिंद शल्य शिविर लगाया है, जो 14 से 18 फरवरी तक चलेगा। इसमें 10-13 फरवरी तक लगे शिविर में चिह्नित 250 मरीजों का ऑपरेशन किया जाएगा। इस शिविर का उद्घाटन बाघमारा के विधायक शत्रुघ्न महतो ने किया। मरीजों की सर्जरी डॉ. सुजॉय सरकार और डॉ. आहाना सेन (शंकर नेत्रालय) द्वारा की जाएगी। इस अवसर पर संजय राजोरिया (जनरल मैनेजर), नरेंद्र कुमार गुप्ता (चीफ, जामाडोबा ग्रुप), विकास कुमार (चीफ, सिजुआ ग्रुप), डॉ. आलोक कुमार (चीफ मेडिकल ऑफिसर, टाटा मेन हॉस्पिटल जामाडोबा), सुजीत कुमार झा (सीनियर एरिया मैनेजर, सिक्योरिटी), विकास कटारिया (मैनेजर, सिक्योरिटी), झरिया डिवीजन, टाटा स्टील, राजेश कुमार (यूनिट लीड, टाटा स्टील फाउंडेशन), सागरिका गुप्ता (मैनेजर, टाटा स्टील फाउंडेशन), और बिनोद रजक (मुखिया, मलकेरा) सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।

सुरक्षाकर्मियों की कमी और ग्राहकों की लापरवाही से अपराधी घटना को दे रहे अंजाम

सुरक्षा मानकों पर फेल है बैंक प्रबंधन, चोर उचक्के कर रहे मौज

AGENCY RAMGARH : रामगढ़ जिले के बैंकों में पैसे जमा करने वाले और निकालने वाले ग्राहक अक्सर बाइकर्स गैंग और चोर उचक्कों के शिकार हो रहे हैं। पहले तो अपराधी बैंक के अंदर उनकी निगरानी करते थे और बाहर निकलते ही लूट लेते थे। लेकिन अब चोरों का मनोबल इतना बढ़ गया है कि वह बैंक के अंदर ही ग्राहकों को अपना शिकार बनाने लगे हैं। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि दर्जनों छिनतई और लूट की वारदातों के बावजूद बैंक प्रबंधन अपनी सुरक्षा में कोई भी सुधार नहीं कर रहा है।

ना तो सुरक्षा कर्मियों की संख्या बढ़ाई जा रही है और ना ही वह चोरों को पकड़ने के लिए बैंक प्रबंधन के सुरक्षा अधिकारी कोई काम कर रहे हैं। लूट और छिनतई की हर वारदात के बाद

ग्राहकों को नजदीकी थाना का रास्ता दिखा दिया जाता है। रामगढ़ जिले का ऐसा कोई बैंक नहीं जहां चोर उचक्कों ने ग्राहकों को नहीं लूटा हो।

बैंक से पैसे निकाल कर बाहर निकलने वाले ग्राहक से बैग छीनकर बाइकर्स रफू चक्कर हो जाते हैं। हाल में बैंक ऑफ बड़ोदा और बैंक ऑफ इंडिया में ऐसी वारदात हुई जिसने ग्राहकों को सदमे में पहुंचा दिया है। अपराधी बैंक के अंदर मौजूद रहते हैं और वह ग्राहकों का जेब काट लेते हैं। वैसे लोगों की पहचान करने और पकड़ने के लिए बैंक ना तो कोई पहल करता है और ना ही सुरक्षा की कोई जिम्मेदारी निभाता है। बैंक में आने वाले ग्राहकों की सुरक्षा बढ़ाने और अपराधियों को पकड़ने के लिए जिला प्रशासन लगातार जागरूकता अभियान चला रहा है।

पुलिस भी अपराधियों को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है। लेकिन बैंक के अधिकारी इन सभी मुद्दों पर अपना पल्ला झड़े हुए नजर आते हैं।

हर वारदात के बाद बैंक अपनी डफली, अपना राग अलापते नजर आता हैं। एसपी ने बेहतर क्वालिटी के सीसीटीवी कैमरे लगाने और कई एंगल पर कैमरे लगाने के लिए सभी बैंक प्रबंधकों को चिट्ठी भी लिखी थी। डीएसपी और रामगढ़ थाना प्रभारी के स्तर से भी बैंकों को चिट्ठी लिखी गई। लेकिन किसी भी बैंक ने उसपर अमल नहीं किया।

वह पुराने जमाने के सामान्य सीसीटीवी कैमरे पर ही अपनी सुरक्षा का राग अलापते हैं। रामगढ़ शहर के लोग चोर और बाइकर्स गैंग का शिकार होने के बाद सीधे थाना पहुंचते हैं। लेकिन कभी भी बैंक प्रबंधन अपनी जिम्मेदारी निभाता नहीं दिखा।

इस मुद्दे पर ना तो कभी चेंबर ऑफ कॉमर्स और ना ही व्यापारियों का अन्य संगठन सक्रिय नजर आता है। ग्राहक बैंक के अंदर लूटे जाएं या सड़कों पर, नतीजा यह है कि उनकी गाढ़ी कमाई से चोर अपनी जेबें भर रहे हैं। क्या कभी बैंक प्रबंधकों की जिम्मेदारी तय होगी? ताकि ग्राहकों की गाढ़ी कमाई की सुरक्षा हो सके।

पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा चुनहट वाटर फॉल

AGENCY PALAMU : पलामू उपायुक्त शशि रंजन के साथ जिला, अनुमंडल, प्रखंड और अंचल के पदाधिकारी शुक्रवार को रामगढ प्रखंड के सुदूरवर्ती बांसडीह खुर्द पंचायत के कोकाडु (चुनहट) गांव पहुंचे। वहां जनता दरबार लगाकर आमजनों की जन समस्याओं को सुना और उसका निदान किया। वहीं तत्काल निष्पादन योग्य नहीं रहने वाले मामलों को आगामी कुछ दिनों में निराकरण का भरोसा दिया। उपायुक्त सहित अन्य पदाधिकारियों के समक्ष लोगों ने खुलकर अपनी समस्याएं रखी। जनता दरबार में स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं आमजनों ने गांव में बिजली और सड़क संबंधी समस्याओं को दूर करने की मांग की। उपायुक्त ने बिजली विभाग के अभियंता से बात कर ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि अप्रैल माह तक

जनता दरबार में महिला से बात करते उपायुक्त शशि रंजन ● फोटोन न्यूज

गांववासियों को निर्वाध बिजली आपूर्ति होने लगेगी। उन्होंने बिजली विभाग के अभियंता को प्राथमिकता के तहत गांव में बिजली आपूर्ति का निर्देश दिया। ग्रामीणों ने आंगनबाड़ी केंद्र, उलमान 2 को गांव की सीमा क्षेत्र में बनने की बात उठाई। ग्रामीणों ने कहा कि गांव की सीमा क्षेत्र में आंगनबाड़ी का भवन बन रहा है, इसका निर्माण गांव के बीच में कराया जाए, तो बच्चे ज्यादा लाभान्वित होंगे। उपायुक्त ने इसके लिए भरोसा दिया और कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र उनके गांव के बीच में बनाए जाएंगे। ग्रामीणों की मांग पर उपायुक्त सहित अन्य वरीय पदाधिकारियों ने ग्रामीणों को नशा छोड़ने की अपील की। उपायुंक्त ने कहा कि नशा से उनका और उनके परिवार को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। नशा से ग्रामीण को ही नुकसान हो रहा है। जनता दरबार में एक बच्चे के जलने की शिकायत मिली। उपायुक्त ने सिविल सर्जन को बच्चे को तत्काल स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

BRIEF NEWS

झारखंड में उत्तर पश्चिमी हवाओं से फिर लौटी ठंड

RANCHI : राज्य भर में उत्तर उत्तरी पश्चिमी हवाओं के चलने से ठंड फिर से लौट आई है। इन हवाओं के चलने से जहां रात में कनकनी बढ़ गई है। वहीं दिन में भी ठंड का एहसास हो रहा है। गुरुवार की तुलना में शक्रवार को न्यूनतम तापमान में पांच डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। ठंड कम होने से लोग गर्म कपडे.रखने की तैयारी में थे, लेकिन ठंड बढने से लोगों को गर्म कपड़ों की फिर जरूरत महसूस होने लगी। हालांकि अधिकतम तापमान में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। उल्लेनखनीय है कि मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक तापमान में उतार चढाव होने की बात कही है। शुक्रवार को रांची में अधिकतम तापमान 25 .2 और न्यूनतम 5.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि जमशेदपुर में 32 .2 और 12 डिग्री, डालटेनगंज में 29 .6 और 9 .3 डिग्री, बोकारो में 31 .1 और 10 .1 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 33 .4 और न्यूनतम तापमान 10 .6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

बाबूलाल ने पंचायतों के अधिकारों में कमी पर जताई चिंता

RANCHI : झारखंड में पंचायतों को अधिकार देने की स्थिति राष्ट्रीय औसत से काफी नीचे होने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने चिंता व्यक्त की है। मरांडी शुक्रवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर कहा कि ग्राम पंचायतों को स्वायत्त शासन की शक्ति दी जानी चाहिए, लेकिन अधिकारों की कमी के कारण वे शिक्षा, स्वास्थ्य, जल आपूर्ति और बुनियादी ढांचे से जुड़े फैसले स्वतंत्र रूप से नहीं ले पातीं। बाबूलाल ने बताया कि वित्तीय स्वतंत्रता की कमी भी विकास कार्यों में बाधा बन रही है, जिससे स्थानीय शासन प्रणाली कमजोर हो रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से अपील की है कि ग्राम पंचायतों को समुचित संसाधन और वित्तीय स्वायत्तता देकर सशक्त बनाया जाये, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास हो सके।

रांची के श्री महावीर मंदिर का वार्षिकोत्सव 21 से

RANCHI : बूटी स्थित श्री महावीर मंदिर का तीसरा वार्षिकोत्सव 21 फरवरी से धूमधाम से मनाया जाएगा। श्री महावीर मंडल के अध्यक्ष श्रवण कुमार ने शुक्रवार को बताया कि इस वर्ष वार्षिकोत्सव भव्य रूप से आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के पहले दिन 21 फरवरी को कलश यात्रा निकाली जाएगी। इसमें हजारों की संख्या में राम भक्त शामिल होंगे। सुबह आठ बजे कलश यात्रा निकलेगी। दोपहर एक बजे वेदी पूजन के बाद मंडप प्रवेश होगा। संध्या आरती के बाद खीर भोग का वितरण किया जाएगा। 22 फरवरी को मंडप परिक्रमा, मंडप पूजन और संध्या आरती के बाद खिचड़ी वितरण के साथ अखंड कीर्तन शाम छह बजे से सुबह छह बजे तक किया जाएगा। 23 फरवरी को मंडप परिक्रमा, देव पूजन, रुद्राभिषेक, हवन, महाआरती, ब्राह्मण विदाई के बाद भव्य भंडारा किया जाएगा। शाम सात बजे से जगराता आयोजित की जाएगी।

रातू अंचल कार्यालय की संपत्ति अटैच

RANCHI : अदालत के आदेश पर 25 हजार रुपये की बकाया राशि की वसूली के मामले में रातू अंचल कार्यालय की अचल संपत्ति को अटैच कर लिया गया। बता दें कि यह आदेश सिविल कोर्ट के मुंसिफ चंदन कुमार गोस्वामी की अदालत ने 12 फरवरी को दिया था। अदालत के फैसले के अनुसार, रातू अंचल कार्यालय को 2019 में बकाया राशि देने का आदेश दिया गया था। लेकिन वह समय पर भुगतान नहीं कर पाया। इस मामले में सिविल कोर्ट के नाजिर कार्यालय के अधिकारी जीशान इकबाल, धर्मेंद्र सिंह और सत्यदेव कुमार की टीम ने रातू अंचल कार्यालय की अचल संपत्ति को अटैच करने की कार्रवाई की। यह मामला 2016 से जुड़ा हुआ है, जब हीरावती देवी और अन्य ने सिविल कोर्ट मुंसिफ की अदालत में मुकदमा दायर किया था। मुकदमे में राजस्व सचिव, कमिश्नर, डिप्टी कमिश्नर, एडिशनल कलेक्टर, एलआरडीसी, सीओ और सीआइ को प्रतिवादी बनाया गया था। अदालत ने 19 नवंबर 2010 को इस मुकदमे में हीरावती देवी और उनके साथियों के पक्ष में निर्णय दिया था।

AFFIDAVIT
मैं मौसुमी पाल,उम्र 52 वर्ष, पति स्व. दीपंकर दत्ता, पता कोकर तिरिल, थाना सदर, जिला राँची शपथ पत्र सं.- 418 दिनांक 23/12/24 ,घोषणा करती हूँ कि मेरा फिक्स डिपोजिट रिसीट नं RN/162645 जो की मेरे स्व पति दीपंकर दत्ता, के नाम से निर्गत है, खो गया है ,मिलने पर कृपया संपर्क करें एच डी एफ सी ,उपल कॉम्प्लेक्स, नियर ओवर ब्रिज,राँची, झारखंड, फोन 9835533185

ग्राउंड वाटर लेवल बचाने की नगर निगम की कोशिश ने किया कमाल

पिछले साल शहर के घरों में की गई सरफेस वाटर की सप्लाई, ट्रीटमेंट के बाद होती है जलापूर्ति

1.60 करोड़ लीटर भूमिगत जल बचाने में मिली सफलता, आइडिया को धरातल पर उतारने में लगी है टीम

VIVEK SHARMA @ RANCHI : पॉजिटिव थिंकिंग से बेहतर आइडिया सामने आते हैं। जब आइडिया धरातल पर उतारे जाते हैं, तो इसके मनचाहा परिणाम भी परिलक्षित होने लगते हैं। रांची नगर निगम ने इसका उदाहरण प्रस्तुत किया है। ग्राउंड वाटर को बचाने और उसकी स्थिति बेहतर बनाए रखने को लेकर उसके एक आइडिया ने वाकई कमाल कर दिया है। इस आइडिया को धरातल पर उतारने के लिए रांची नगर निगम की टीम ने पिछलेसाल पूरे शहर में सरफेस वाटर की सप्लाई की। इसका परिणाम यह हुआ है कि रांची नगर निगम ने 1.60 करोड़ लीटर ग्राउंड वाटर को बचाया। ग्राउंड वाटर बचाने के लिए नगर निगम लगातार प्रयोग कर रहा है। इस पहल के तहत नगर निगम ने सरफेस वाटर (जमीन के ऊपर दिखने वाला पानी) का ट्रीटमेंट करके उसे शहर में सप्लाई की। इस बार भी गर्मियों में सरफेस वाटर सप्लाई करने की निगम की योजना है। इससे नगर निगम को डीप बोरिंग से टैंकरों में पानी की रीफिलिंग की जरूरत नहीं पड़ेगी।

पहले होता था टैंकरों का उपयोग

रांची नगर निगम ने सरफेस वाटर का ट्रीटमेंट करके शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जल आपूर्ति की थी। पहले नगर निगम शहर में पानी की आपूर्ति के लिए टैंकरों का उपयोग करता था, जिसके लिए विभिन्न क्षेत्रों में रीफिलिंग प्वाइंट्स बनाए गए थे। इन प्वाइंट्स पर डीप बोरिंग से पानी भरकर टैंकरों के माध्यम से जल वितरण किया जाता था। हालांकि, कभी-कभी बोरिंग फेल हो जाने, बिजली की आपूर्ति में समस्या आने या टैंकरों को लाने और ले जाने में अधिक समय लगने की वजह से पानी की सप्लाई बाधित हो जाती थी। इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए रांची नगर निगम ने सरफेस वाटर को ट्रीट कर टैंकरों में भरकर उसे वाटर क्राइसिस वाले इलाकों में आपूर्ति करना शुरू किया। इसके लिए शहर के तीन प्रमुख डैम रूक्का, कांके और हटिया डैम से पानी लिया गया। इन डैम्स के पानी को ट्रीटमेंट के बाद टैंकरों में भरकर लोगों के घरों तक पहुंचाया गया।

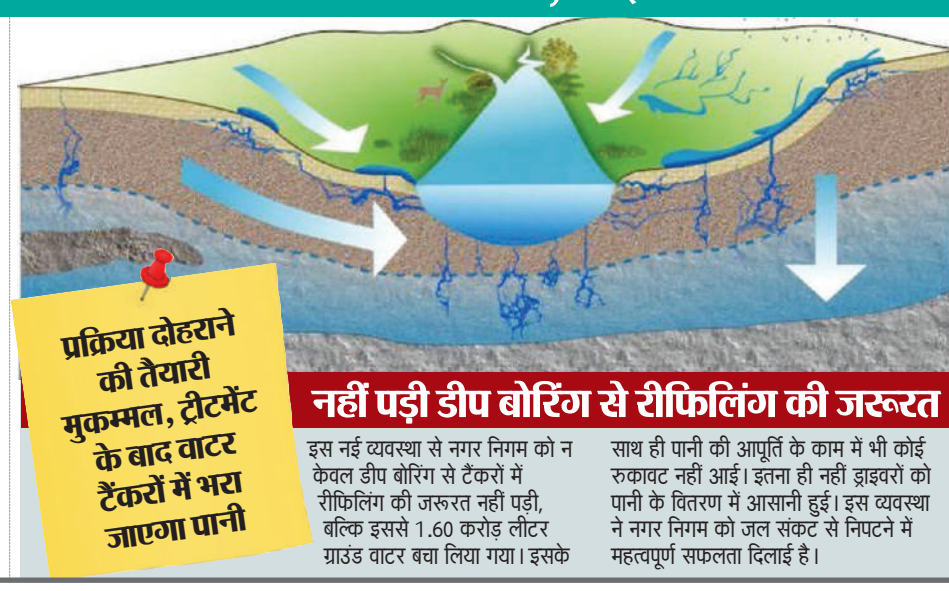

नहीं पड़ी डीप बोरिंग से रीफिलिंग की जरूरत

इस नई व्यवस्था से नगर निगम को न केवल डीप बोरिंग से टैंकरों में रीफिलिंग की जरूरत नहीं पड़ी, बल्कि इससे 1.60 करोड़ लीटर ग्राउंड वाटर बचा लिया गया। इसके साथ ही पानी की आपूर्ति के काम में भी कोई रुकावट नहीं आई। इतना ही नहीं ड्राइवरों को पानी के वितरण में आसानी हुई। इस व्यवस्था ने नगर निगम को जल संकट से निपटने में महत्वपूर्ण सफलता दिलाई है।

रेन वाटर हार्वेस्टिंग की अपील

रांची नगर निगम ने शहरवासियों से रेन वाटर हार्वेस्टिंग की अपील भी की है। निगम का मानना है कि यदि हर घर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था की जाती है, तो वर्षा का पानी सीधे धरती में चला जाएगा। इससे ग्राउंड वाटर लेवल को मेंटेन रखने में मदद मिलेगी। इसके माध्यम से जल संकट को कम किया जा सकता है और आने वाले समय में पानी की किल्लत दूर की जा सकती है। निगम की अपील के बाद कई लोग अपने घरों और भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग करा रहे है। लेकिन कुछ ऐसे लोग है जो रेन वाटर हार्वेस्टिंग नहीं होने के कारण डेढ़ गुना पेनाल्टी भर रहे है। फिर भी अपने घरों और भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग नहीं करा रहे है। विशेषज्ञों की मानें तो रांची शहर के कई इलाकों में पानी का स्तर काफी नीचे चला गया। क्षेत्रों को ड्राई जोन घोषित किया गया है। ऐसे में रेन वाटर हार्वेस्टिंग से इन इलाकों में पानी की स्थिति बेहतर हो सकती है।

सदर थाना क्षेत्र के एक ही अपार्टमेंट में चोरी की वारदात को दिया गया अंजाम

तीन फ्लैटों का ताला तोड़कर लाखों के गहने और नकद उड़ा ले गए चोर

फ्लैट नंबर 401 से 12 लाख के आभूषण और कुछ कैश की हुई चोरी

- फ्लैट नंबर 305 और 402 में रहने वाले लोग अभी भी हैं बाहर
- फ्लैट नंबर 401 के मालिक अमित कुमार ने सदर थाने में दर्ज कराई है प्राथमिकी
- पुलिस ने मामले की शुरू की जांच

CRIME REPORTER RANCHI : अपराधियों पर लगाम काम को लेकर पुलिस चाहे जितना भी दावा करे, राजधानी रांची में चोर गिरोह के हौसले बढ़ गए हैं। हर दिन किसी न किसी थाना क्षेत्र में चोरी की वारदात को अंजाम दिया जा रहा है। शुक्रवार को फिर चोरी का मामला सामने आया है। यह मामला सदर थाना क्षेत्र का है। सदर थाना क्षेत्र के पीतांबर रेजिडेंसी के तीन फ्लैट्स का ताला तोड़कर लाखों के गहने और रुपयों पर चोरों ने हाथ साफ किया है। चोरी की वारदात की सूचना के बाद सदर पुलिस मामले की तफ्तीश में जुटी हुई है। सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार ने बताया कि चोरी को लेकर पीड़ित परिवार द्वारा आवेदन दिया गया है, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पीतांबर रेजिडेंसी के फ्लैट नंबर 305, 401 और 402 में अज्ञात चोरों द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। बताया जाता है कि फ्लैट नंबर 401 में रहने वाले अमित कुमार के ससुर का देहांत हो गया था। इसकी वजह से वह अपने परिवार के साथ हजारीबाग गए हुए थे। इसी दौरान चोरों ने उनके घर में चोरी की की। अमित कुमार ने बताया कि उनके घर से 12 लाख के गहने और कुछ नकद पैसे चोर चुरा कर ले गए हैं। फ्लैट नंबर 305 और 402 में रहने वाले लोग अभी तक नहीं आ पाए हैं, इसलिए उनके यहां चोरी कितने की हुई है, इसकी जानकारी हासिल नहीं हो पाई है।

पीड़ित अमित को पड़ोसी ने दी थी सूचना

पीड़ित अमित कुमार ने बताया कि उनके पड़ोसी द्वारा उन्हें सूचना दी गई कि उनके घर का ताला टूटा पड़ा है। जब वह घर पहुंचे तो देखा अंदर का सारा सामान बिखरा पड़ा हुआ है। अलमीरा को चोरों के द्वारा तोड़ दिया गया। अलमारी में कीमती गहने रखे गए थे। सबको चोर अपने साथ लेकर चले गए। अमित कुमार ने बताया कि मामले को लेकर उन्होंने सदर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

राजधानी में लगातार हो रही चोरियां

आपको बता दें कि राजधानी रांची में चोरी की वारदातों को लगातार अंजाम दिया जा रहा है और खासकर बंद घरों को सबसे ज्यादा निशाना बनाया जा रहा है। बुधवार को भी अज्ञात चोरों द्वारा रांची के बीआईटी इलाके में चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया था। इससे पहले पुंदाग ओपी क्षेत्र के एकलव्य टावर में एक साथ चोरों ने पांच फ्लैट का ताला तोड़कर चोरी की घटना कौन अंजाम दिया था।

विशाल कलश यात्रा में पहुंचीं 2100 महिलाएं

- आज से शुरू होगी श्रीमद्भागवत कथा जुटेंगे हजारों श्रद्धालु
- 10 हजार भक्तों के बैठने का है इंतजाम

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को श्रीमद्भागवत कथा के आयोजन से पहले विशाल कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें 2100 महिलाएं शामिल हुईं। यह यात्रा टाटीसिल्वे के ईईएफ मैदान से शुरू होकर टाटीसिल्वे चौक, बैंक मोड़ और गायत्री मंदिर होते हुए कथा स्थल तक पहुंची। यात्रा के दौरान महिलाएं राधा नाम का जाप करती हुईं, कलश सिर पर लेकर यात्रा की शोभा बढ़ा रही थीं। यात्रा में 27 पवित्र तीर्थों का जल भी एकत्र किया गया। इसमें त्रिवेणी संगम, सरयू, गंगोत्री, यमुनोत्री, राधा कुंड (गोवर्धन) और नंदीग्राम अयोध्या से जल लाया गया। यह जल महिलाओं को कलश में वितरित किया गया। यात्रा के बाद सभी कलश कथा स्थल पर सजाए गए और एक घंटे तक भजन संध्या का आयोजन किया गया। शनिवार से शुरू होने वाली 8 दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा में प्रसिद्ध कथा वाचक पुज्य इंद्रेश जी कथा के प्रसंग सुनाएंगे। कथा का आयोजन प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक होगा। कथा स्थल पर 10,000 से अधिक भक्तों के बैठने की व्यवस्था की गई है। इसमें सुरक्षा के लिए 100 कार्यकर्ता, 30 पुलिस बल, 14 सिक्योरिटी गार्ड और 25 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। कथा स्थल पर अन्य सुविधाओं के तहत, गुलाब जल इत्र सेवा, धार्मिक वस्तुओं की बिक्री, निःशुल्क आरती पुस्तिका वितरण, प्रसाद वितरण, शू स्टैंड, पानी, चाय, मेडिकल सुविधा, शौचालय सुविधा और पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

रांची में रिंग रोड पर दो बसों की टक्कर, चालक को हल्की चोट

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के मेसरा ओपी क्षेत्र के रिंग रोड स्थित रूदिया आम बगान के पास शुक्रवार दोपहर एक यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में सिर्फ बस चालक को हल्की चोट आई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नागालैंड नंबर की चार बसों में यात्री तीर्थस्थल गया के लिए रवाना हुए थे। इसी दौरान दो बसों की आपस में टक्कर हो गई, जिससे एक बस के आगे का शीशा टूट गया और चालक घायल हो गया। घटना की सूचना पाकर मेसरा ओपी पुलिस मौके पर पहुंची और घायल चालक का इलाज कराया। अन्य यात्रियों को दूसरी बसों में बैठाकर यात्रा के लिए

रवाना किया गया। एएसआई अंजय चंद्रवंशी ने बताया कि चार बसों में यात्री बोधगया जा रहे थे। इस दौरान दो बसें आपस में टकरा गईं, जिससे एक बस का आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। घायल चालक का इलाज करवाकर उन्हें भी रवाना कर दिया गया। पुलिस ने बस को सड़क से हटवा दिया है, जिससे यातायात सामान्य हो गया।

सुषमा स्वराज की जयंती पर भाजपा नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

RANCHI : पूर्व केंद्रीय मंत्री सुषमा स्वराज की जयंती पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इसमें प्रदेश संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह ने पुष्पांजलि अर्पित कर कहा कि सुषमा स्वराज जी का नाम सामने आते ही एक सादगी और सौम्यता की प्रतिमूर्ति उभर आती है। सुषमा जी बड़ी आसानी से अपने वाद-चातुर्य के बल पर विरोधियों को परास्त करने के लिए जानी जाती थीं। अपनी क्षमता और मेधा के आधार पर नारी शक्ति किस प्रकार राजनीति में अपना लोहा मनवा सकती है, इसका एक सफल उदाहरण सुषमा स्वराज जी थी। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में विकास प्रीतम, हेमंत दास, अशोक बड़ाइक, पंकज सिन्हा, मनोज दूबे, सीमा सिंह, बबीता वर्मा, संजय जायसवाल, योगेंद्र लाल, सहित कई उपस्थित थे।

इंडियन हर्निया सोसाइटी की कॉन्फ्रेंस में नई तकनीक पर हुई चर्चा

एक्पर्ट ने कहा- लेप्रोस्कोपी से सर्जरी के बाद दो दिनों में काम पर लौट सकता है मरीज

PHOTON NEWS RANCHI : अगर आपके भी पेट के नीचे या जांघों के उपर किसी तरह की सूजन है और दबाने के बाद वह ठीक हो जाती है, तो अलर्ट हो जाएं। यह लक्षण हर्निया का हो सकता है। ये कहना है इंडियन हर्निया सोसाइटी की कॉन्फ्रेंस में आए सर्जंस का। उन्होंने बताया कि ये सूजन कुछ देर के लिए होती है। इसे दबाने से वह नार्मल हो जाती है, जबकि कुछ मामलों में हमेशा सूजन के साथ भारीपन महसूस होता है। इसे इग्नोर करने की बजाय तत्काल डॉक्टर से

पेट से जांघ के बीच सूजन हो सकता है हर्निया का लक्षण

कंसल्ट करें। इसकी सर्जरी भी कराने की सलाह एक्सपर्ट्स ने दी। बता दें कि रेडिशन ब्लू में इंडियन हर्निया सोसाइटी ने दो दिवसीय कांफ्रेंस का आयोजन किया था। इसमें देश के कई नामी सर्जंस शामिल हुए।

ऑपरेशन के बाद सूजन होना भी हर्निया

किसी ऑपरेशन के बाद सूजन आ जाए तो वह भी हर्निया हो सकता है। वहीं पेट और जांघ के बीच सूजन भी ग्रोइंग हर्निया का लक्षण हो सकता है। इसे इग्नोर खतरनाक हो सकता है। सूजन दिनभर में बढ़े और हाथ से दबाने पर नार्मल हो जाए। नाभि और प्राइवेट पार्ट के बीच की सूजन भी हर्निया है। इसका एकमात्र इलाज सर्जरी ही है।

कंपनी की जमीन और भवनों को लीज पर देने को केंद्र के पास भेजा जाएगा प्रस्ताव

अपने दम पर एचईसी को चलाने की बन रही योजना

PHOTON NEWS RANCHI : हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन (एचईसी) को बेहतर तरीके से चलने के लिए फिर से प्रयास शुरू कर दिया गया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि अब इसे अपने संसाधनों से चलाने की योजना फिर से बनाई जा रही है। एचईसी की यूनियनों ने प्रबंधन पर दबाव डालना शुरू कर दिया है कि खाली जमीन, भवन और क्वार्टर को लीज या बिक्री के जरिए मिलने वाली राशि से कंपनी को संचालित किया जाए। याद कीजिए, भारी उद्योग मंत्री ने हाल ही में स्पष्ट किया है कि एचईसी को अपनी सभी देनदारियों का भुगतान अपने संसाधनों से ही करना होगा। इसके बाद यूनियनों ने प्रबंधन से मांग की है कि वह जल्द से जल्द प्रस्ताव तैयार करे। श्रमिक नेताओं का कहना है कि एचईसी के पास बड़ी मात्रा में जमीन, भवन और क्वार्टर हैं, जिन्हें लीज पर देकर कंपनी की वित्तीय स्थिति को सुधारा जा सकता है।

यूनियनों की ओर से प्रबंधन पर नई स्कीम के लिए बनाया जा रहा दबाव

पहले केंद्र सरकार ने रोक दिया था प्रस्ताव

बता दें कि पहले भी एचईसी ने अपने संसाधनों का उपयोग करने के लिए केंद्र सरकार से अनुमति मांगी थी, लेकिन उस समय यह प्रस्ताव खारिज कर दिया गया था। एनटीपीसी, बैंक और तेल कंपनियों ने एचईसी की जमीन लीज पर लेने की इच्छा जताई थी, लेकिन केंद्र सरकार ने इस पर कोई निर्णय नहीं लिया।

आधुनिकीकरण के लिए तैयार की गई थी योजना

तत्कालीन नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके सारस्वत की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई गई थी, जिसने एचईसी के आधुनिकीकरण के लिए 1100 करोड़ रुपये की योजना तैयार की थी। इसमें तीन चरणों में आधुनिकीकरण की सिफारिश की गई थी- पहला चरण: 500 करोड़ रुपये दूसरा और तीसरा चरण: 300-300 करोड़ रुपये इसके अलावा, स्मार्ट सिटी योजना से मिलने वाले 742 करोड़ रुपये को भी आधुनिकीकरण में लगाने की सिफारिश की गई थी। केंद्र सरकार ने अभी तक इस रिपोर्ट पर कोई निर्णय नहीं लिया है। अब जब सरकार ने एचईसी को अपने संसाधनों का इस्तेमाल करने की मंजूरी दे दी है, तो प्रबंधन को जल्द से जल्द प्रस्ताव तैयार कर इसे अमल में लाना जरूरी है।

रांची-प्रयागराज फ्लाइट का किराया छू रहा आसमान

RANCHI : प्रयागराज महाकुंभ को लेकर विमान यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। रांची से प्रयागराज के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट के लिए यात्रियों को 34,277 रुपये अदा करने होंगे। यह विमान पहले रांची से दिल्ली ले जाएगा और उसके बाद दूसरे विमान से प्रयागराज के लिए यात्रियों को भेजेगा। विमानों के अलग-अलग समयावधि में कनेक्टिंग फ्लाई का किराया ही 23,405 रुपये से शुरू हो रहा है। इसके अलावा रांची से दिल्ली तक का विमान किराया इंडिगो में 9,263 रुपये और एयर इंडिया में 10,102 रुपये से अधिक अदा करना होगा। जबकि सामान्य दिनों में रांची से दिल्ली का किराया 3500 से 6000 रुपये तक यात्रियों को अदा करना पड़ता है। इस बढ़ते हुए किराए को देखकर कई यात्री सफर को लेकर असमंजस में हैं। दूसरी ओर रांची से दिल्ली रूट में चलने वाली गरीबरथ एक्सप्रेस, स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस, राजधानी एक्सप्रेस, वाराणसी एक्सप्रेस में आरक्षित बर्थ 16 फरवरी तक मिलना मुश्किल है।

25 हजार फाइन भरने के बाद नगर निगम ने खोली दुकान की सील

PHOTON NEWS RANCHI : रांची नगर निगम की राजस्व शाखा निगम क्षेत्रांतर्गत होल्डिंग और ट्रेड लाइसेंस की निरंतर जांच कर रही है। इस दौरान 10 फरवरी को रोशपा टावर स्थित दो प्रतिष्ठानों वन स्टॉप सर्विसेंज और पीओजी फर्नीचर को सील कर दिया गया था। 14 फरवरी पीओजे फर्नीचर के संचालक ने 25 हजार रुपये फाइन जमा कराया। साथ ही नए ट्रेड लाइसेंस के लिए आवेदन कर दिया। इसके बाद निगम की टीम ने प्रतिष्ठान के सील को खोल दिया।

शहर के व्यापारियों से प्रशासक की अपील

नगर प्रशासक ने सभी नागरिकों से अनुरोध करते हुए कहा कि वे अपने भवन का कर समय पर जमा करें। यदि रेसिडेंशियल होल्डिंग में व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, तो तत्काल री-असेसमेंट करवा कर कमर्शियल होल्डिंग लें। इसके अलावा सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठान म्युनिसिपल ट्रेड लाइसेंस प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि यदि भवन में कोई नई संरचना बनाई गई हो, तो उसका पुनर्मूल्यांकन सुनिश्चित करें। इसके बाद रांची नगर निगम जांच करेगा। वहीं गलत पाए जाने पर लोगों पर कार्रवाई भी की जाएगी।

समाचार सार

याद किए गए दयानंद सरस्वती

JAMSHEDPUR : गरमनाला, साकची स्थित भारतीय मॉडल मिडिल स्कूल में शुक्रवार को स्वामी दयानंद सरस्वती की जयंती मनाई गई। इसकी शुरूआत क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी तेजिंदर कौर ने यज्ञशाला में हवन से की। इस अवसर पर छात्रों ने दयानंद के जीवन पर आधारित भाषण, निबंध, चित्रांकन, क्विज व लघु नाटक भी किए। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंध समिति व जमशेदपुर आर्य समाज ट्रस्ट के ट्रस्टी ज्ञान तनेजा, योगेश मल्होत्रा, देवेंद्र कुमार चतरथ, राजीव तलवार, स्वर्णा मिश्रा, अर्चना रेहाल आदि भी उपस्थित थे।

सीपीआई ने पुलवामा के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

JAMSHEDPUR : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) ने शुक्रवार को 2019 के पुलवामा अटैक में शहीद हुए जवानों को साकची स्थित पार्टी ऑफिस में श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर पार्टी के जिला सचिव अंबुज कुमार ठाकुर ने कहा कि पुलवामा देश के दिल पर एक ऐसा घाव है, जो कभी नहीं भर सकता। इसे सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया गया था, इस घटना की सही जांच तक नहीं हुई। वहां मौजूद छात्र नेता विक्रम कुमार ने कहा कि 14 फरवरी 2019 को पुलवामा में हुए आतंकी हमले को आज 6 साल हो गए, लेकिन उस दर्दनाक मंजर की टीस अब भी जिंदा है। यह दिन हर भारतीय के दिल में शहीदों के बलिदान की याद दिलाता है। शहीदों के बलिदान पर राजनीति कर भाजपा ने दोबारा सरकार बना लिया, मगर कुछ सवाल के जवाब आज तक नहीं मिले। इस दौरान धनंजय शुक्ला, हीरा अरकने, प्रिंस सिंह, एस. प्रमाणिक, मनोज कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

पूर्व सैनिकों ने पुलवामा की घटना को किया याद

JAMSHEDPUR : अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद, जमशेदपुर ने पुलवामा के वीर शहीदों को गोलमुरी के पुलिस लाइन स्थित शहीद स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित की। आज ही के दिन 2019 को जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सीआरपीएफ के वाहनों के काफिले पर आत्मघाती हमला किया गया था, जिसमें 45 भारतीय सैनिक वीरगति को प्राप्त हुए थे। पूर्व सैनिकों ने श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस दौरान देश न कभी झुका है और न झुकेगा, यह संकल्प सभी उपस्थित सदस्यों ने लिया। भारत माता की जय...भारतीय सेना जिंदाबाद... वीर शहीद अमर रहे के नारे से वातावरण गुंजायमान रहा। कार्यक्रम की शुरूआत वीर शहीदों के सम्मान में दीप जला कर हुई। कार्यक्रम में परिषद के अध्यक्ष विनय यादव, संस्थापक वरुण कुमार, विनय कुमार यादव, सुखविंदर सिंह, हरि सिंह, संतोष कुमार सिंह, विश्वजीत, सावन टुडू, एमके पाठक, परमहंस यादव, धीरज सिंह, एलबी सिंह, सतीश प्रसाद आदि भी उपस्थित थे।

टाटा-बिलासपुर समेत 6 ट्रेनें 22 तक रद्द

JAMSHEDPUR : रांची रेल मंडल में विकास कार्यों के कारण टाटानगर से चलने वाली 6 ट्रेनें 22 फरवरी तक के लिए रद्द कर दी गई हैं। ट्रेन नंबर-18113/18114 टाटा-बिलासपुर-टाटा एक्सप्रेस, ट्रेन नंबर- 18601/18602 टाटा-हटिया-टाटा एक्सप्रेस और ट्रेन नंबर- 68036/68035 टाटा-हटिया-टाटा मेमू अप-डाउन दोनों ओर से रद्द कर दी गई है। ऐसे में इन ट्रेनों में पूर्व से टिकट कराए यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ी है। वहीं पार्सल कार्यालय को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सरायकेला में दो बाइक टकराई, दो घायल

ADITYAPUR : सरायकेला-खरसावां जिला अंतर्गत सरायकेला में शुक्रवार शाम को दो बाइक में जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जाता है कि सरायकेला का रहने वाला अनमोल कुमार साहू बाइक से सरायकेला लौट रहा था, वहीं जमशेदपुर का बारीडीह निवासी आशु झा अपनी बाइक से जमशेदपुर आ रहा था। इसी बीच गौरांगडीह गांव के समीप दोनों बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। स्थानीय लोगों ने घायलों को एंबुलेंस से सरायकेला के सदर अस्पताल पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया।

परसुडीह में छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

JAMSHEDPUR : परसुडीह थाना क्षेत्र के हलुदबनी में सिदो-कान्हू चौक के पास रहने वाले 15 वर्षीय छात्र दुर्गा चरण ने गुरुवार शाम को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह दसवीं कक्षा का छात्र था और अपनी प्रेमिका से ब्रेकअप के बाद मानसिक तनाव में था। परिजनों के अनुसार, दुर्गा गुरुवार को घर से निकलकर हरहरगुट्टू में रहने वाले एक रिश्तेदार के घर गया और वहां एक कमरे में खुद को बंद कर फांसी लगा ली। रिश्तेदारों को इसकी जानकारी मिलते ही उन्होंने उसे फंदे से उतारकर खासमहल सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दुर्गा के बड़े भाई घनश्याम ने बताया कि दुर्गा क्रिकेट में दिलचस्पी रखता था और केबुल टाउन में क्रिकेट की ट्रेनिंग ले रहा था। वह घर के पास ही रहने वाली एक युवती से प्रेम करता था, और दोनों का रिश्ता पिछले चार साल से था। हाल ही में प्रेमिका ने उसे छोड़ दिया था, जिससे वह मानसिक तनाव में था, इसी की वजह से उसने यह कदम उठाया।

दिनदहाड़े ग्राहक सेवा केंद्र से बाइक सवार ने लूटे 15 हजार रु.

सुबह करीब 9.30 बजे अपराधियों ने मेन रोड पर घटना को दिया अंजाम

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के नोवामुंडी में ग्राहक सेवा केंद्र से दिनदहाड़े देसी कट्टा का भय दिखाकर दो नकाबपोश अपराधियों ने लगभग 15 हजार रुपये लूट लिए। अपराधी संग्राम साई स्थित मुख्य सड़क पर खुले शेखर साव के कार्यालय से कई कागजात भी ले गए। बताया जाता है कि दोनों अपराधकर्मी बाइक से आए थे। घटना शुक्रवार सुबह करीब 9.30 बजे की है।

सीएसपी सेंटर के मालिक शेखर साव 2.5 लाख रुपये घर से लाकर लेन-देन कर रहे थे। इस बीच उसने 4 हजार रुपये एक ग्राहक को दिए थे। इसी दौरान उसने पैसों को दराज में रख दिया था। कुछ पैसे और कागजात बैग में थे। इस दौरान दो अपराधी अचानक आए और कट्टा दिखाकर बैग मांगने लगे। इस पर शेखर साव ने उन्हें बैग थमा दिया। वे बैग लेकर बाजार की ओर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही नोवामुंडी थाना की पुलिस ने पहुंचकर जानकारी ली। इसके साथ ही आसपास के सभी सड़क मार्ग पर वाहन चेकिंग अभियान तेज कर दिया गया है। पुलिस घटनास्थल के आसपास में लगे सीसीटीवी कैमरों का फुटेज भी खंगाल रही है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस को अपराधियों का कोई सुराग नहीं मिला था।

लूट की जानकारी देता भुक्तभोगी ● फोटोन न्यूज

नाबालिग से छेड़खानी करने के आरोप में 4 किए गए गिरफ्तार

MANOHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर थाना की पुलिस ने नाबालिग के साथ छेड़खानी करने के आरोप में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, मनोहरपुर थाना क्षेत्र में एक नाबालिग को उंधन गांव के चार युवक राज महतो, कमल महतो, सूरज महतो महतो और खुशवंत महतो 23 जनवरी को जबरदस्ती कमरे से उठाकर जलमीनार के पास ले गए थे। लेकिन, नाबालिग किसी तरह आरोपियों को चकमा देकर भाग गई। घटना के बाद जब परिजनों को पता चला तो नाबालिग ने गुरुवार को मनोहरपुर थाना में आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। मनोहरपुर थाना की पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ छेड़खानी, जान से मारने की धमकी और मोबाइल से जबरन पैसा छीनने का मामला दर्ज कर शुक्रवार को जेल भेज दिया।

वाराणसी में मृत छात्रा के लिए गृह मंत्री से लगाई गुहार

JAMSHEDPUR : सासाराम (बिहार) स्थित तकिया निवासी स्नेहा कुशवाहा का शव वाराणसी के भेलूपुर स्थित हॉस्टल में 1 फरवरी को संदिग्ध परिस्थिति में मिला था। उसकी गर्दन खिड़की के रॉड से लटकी थी, जबकि उसका एक पैर जमीन और दूसरा बेड पर था। इसे लेकर कुशवाहा संघ ने गृह मंत्री अमित शाह व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है। संघ ने पूरे मामले की जांच कराने और दोषी को कड़ी सजा देने की मांग की है।

टाटा-हटिया एक्सप्रेस बदले मार्ग से चली

JAMSHEDPUR : आद्रा रेल मंडल में विकासात्मक कार्यों के कारण शुक्रवार को टाटानगर से चलने वाली ट्रेन प्रभावित रही। ट्रेन नंबर-18601 टाटा-हटिया एक्सप्रेस बदले मार्ग से चली। टाटा-हटिया एक्सप्रेस अपने निर्धारित मार्ग के बदले चांडिल-गुंडा बिहार-मुरी होकर चलेगी। वहीं टाटा-आसनसोल मेमू आद्रा में शॉर्ट टर्मिनेट रही, यह ट्रेन आगे आसनसोल नहीं गई। ट्रेनों के प्रभावित होने से यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

जेम्को में हुई सड़क दुर्घटना के पीड़ित परिवारों से मिले विधायक सरयू राय

जमशेदपुर विश्वकर्मा समाज उठाएगा श्राद्धकर्म व घायल के इलाज का खर्च

PHOTON NEWS JSR: जेम्को के पास 11 फरवरी को हुई सड़क दुर्घटना में मृत कृष्ण शर्मा व उनकी पुत्री अंजलि शर्मा की मृत्यु हो गई थी, जबकि पुत्र विक्की घायल है।

जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय शुक्रवार को पीड़ित परिवार से मिले। बारीगोड़ा स्थित उनके आवास पर विधायक ने परिजनों को ढाढस बंधाया। उन्होंने टेल्को थाना प्रभारी को फोन किया और कहा कि परिवार बहुत गरीब है, इनकी हरसंभव सहायता करें और गाड़ी को जल्द से जल्द पकड़ें। इस मौके पर नवीन कुमार, विनोद यादव, करनदीप सिंह, अनिल प्रकाश, विनोद राय आदि ने भी परिवार को मदद का भरोसा दिया।

दूसरी ओर, जमशेदपुर विश्वकर्मा समाज के अध्यक्ष रामविलास शर्मा भी हताहतों के परिवार से मिले। वे एमजीएम अस्पताल में इलाजरत विक्की शर्मा से भी मिले। उन्होंने कहा कि विक्की के इलाज का खर्च विश्वकर्मा समाज उठाएगा। विश्वकर्मा समाज पीड़ित परिवार के श्राद्धकर्म में भी मदद करेगा। परिजनों से मुलाकात के दौरान महामंत्री सुजित शर्मा, युवा पदाधिकारी प्रदीप शर्मा, कृष्णकांत शर्मा और राहरगोडा के क्षेत्रीय पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

पीड़ित परिवार से मिलते विधायक सरयू राय ● फोटोन न्यूज

धरना पर बैठे अमरेश का विधायक ने तुड़वाया अनशन

JAMSHEDPUR : जेम्को में हुई सड़क दुर्घटना में न्याय के लिए धरना पर बैठे अमरेश कुमार का विधायक सरयू राय ने जूस पिलाकर अनशन तुड़वाया। उन्होंने आश्वस्त किया कि जिस कारण को लेकर वह अनशन कर रहे हैं, उस कारण के आलोक में उनकी उपायुक्त से बात हुई है। उपायुक्त ने इस संबंध में एसडीओ को जिम्मेदारी दी है। एसडीओ से कल सरयू राय मिलेंगे। इसी मुद्दे को लेकर ट्रैफिक व्यवस्था व जनसमस्याओं को ठीक करने के लिए अमरेश कुमार गुरुवार से अनशन पर बैठे थे। विधायक ने अमरेश कुमार को आश्वस्त किया कि ट्रैफिक सिस्टम को दुरुस्त करने के लिए वह प्रशासन से बात करेंगे। सरयू राय ने कहा कि सड़कों से भारी वाहन हटाना ही समाधान है।

तेज रफ्तार बाइक ने घर के दरवाजे में मारा धक्का, घायल

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर-टोकलो मुख्य मार्ग के बनमालीपुर स्थित सरना चौक के पास बाइक सवार ने घर के दरवाजे में जोरदार टक्कर मार दिया। इससे बाइक चालक नंदू बोदरा गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे चक्रधरपुर के अनुमंडल अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे चाईबासा रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, हथिया पंचायत के ओटार गांव निवासी नंदू बोदरा अपनी बहन और दो भगिना को बाइक पर बैठाकर चक्रधरपुर-सोनुवा बस स्टैंड आ रहा था। इसी दौरान सरना चौक के पास उसकी बाइक अनियंत्रित हो गई और उसने एक घर के दरवाजे में जोर से टक्कर मार दी। इससे नंदू बोदरा को गंभीर चोट आई। उसके सिर तथा शरीर के अन्य हिस्सों में चोट आई, जबकि उसकी बहन को हल्की चोट आई। इसके बाद स्थानीय लोगों ने मामले की सूचना चक्रधरपुर थाना की पुलिस को दी। इसके साथ ही 108 एंबुलेंस बुलाकर उसे अनुमंडल अस्पताल लाया गया। उसकी बहन को प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया। घायल की बहन ने बताया कि वह सोनुवा बस स्टैंड से बस पकड़ने के लिए आ रही थी। इधर झामुमो नेता दिनेश जेना ने घायल युवक की इलाज में मदद की।

अस्पताल में इलाजरत बाइक सवार

मागे पर्व पर महिलाओं ने भी उठाया खेलों का आनंद

खेल का आनंद उठातीं महिलाएं व बच्चियां ● फोटोन न्यूज

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर प्रखंड के सुरबुडा पंचायत स्थित धोबासाई गांव में मागे पर्व के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता शुक्रवार को संपन्न हुई। आदिवासी मुंडा विकास समिति द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में बच्चों व बच्चियों की दौड़, मेढक रेस, जवानों की लंगड़ी दौड़, जवानों का जूता रेस, बड़ी लड़कियों की दौड़, म्यूजिकल चेयर, चम्मच रेस, बुजुर्गों की दौड़, सुई-धागा रेस, विवाहित स्त्रियों की दौड़, बोरा रेस, बैलून फोड़, छोटे बच्चों और बड़ों की हांडी फोड़ आदि स्पर्धा हुई। इन सभी खेलों में प्रथम और द्वितीय स्थान पर रहे खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। बच्चों की दौड़ में आशा मुंडा व अनाकी लागुरी, चम्मच रेस में आरोसी मुंडा व ऐसनेया मुंडा, बच्चों की दौड़ में शिबू सिजुई व अकलेश बोदरा, 10 वर्ष के बच्चों की दौड़ में अकलेश बोदरा व हरीश सिजुई, बड़ी लड़कियों की दौड़ में मालती सिजुई व चांदमुनी हेंब्रम, चप्पल रेस में रेशमी लागुरी व चांदमुनी केराई को क्रमशः प्रथम और द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

वीमेंस कॉलेज की छात्रा का लटका मिला शव

JAMSHEDPUR : पोटका थाना क्षेत्र के दाबांकी गांव में वीमेंस कॉलेज की छात्रा धानी मार्डी का शव फंदे पर लटका हुआ मिला है। परिजनों ने संदेह जताया है कि धानी मार्डी की हत्या की गई है। हत्या करने के बाद अपराध को छिपाने के लिए उसका शव फंदे पर टांग दिया गया है। धानी मार्डी के ममेरे भाई सुंदर महाली ने पोटका थाने में मामले की शिकायत की है और धानी मार्डी के चाचा बुद्धू महाली, चाचा पानो महाली और उनके बेटे किशन मार्डी और अनिल मार्डी पर धानी मार्डी की हत्या करने का आरोप लगाया है। सुंदर महाली ने बताया कि उनकी ममेरी बहन बिष्टुपुर के वीमेंस कॉलेज की मेधावी छात्रा थी। 5 साल पहले उसके पिता का देहांत हो गया था। वह अपनी मां के साथ रहती थी। लेकिन, कुछ महीने पहले उसकी मां का भी देहांत हो गया। इसके बाद धानी मार्डी अपने चाचा व चाचा के पास रहने लगी। बताते हैं कि धानी मार्डी कॉलेज पढ़ने जाती थी। इससे चाचा व चाची नाराज थे और उसे प्रताड़ित करते थे।

ऐतिहासिक होगा कोल्हान कांग्रेस समागम : केशव महतो कमलेश

PHOTON NEWS CHAIBASA : ईचागढ़ के चौका-चावलीबासा में एक मार्च को होने वाले कोल्हान प्रमंडल स्तरीय कांग्रेस समागम की तैयारी शुरू हो गई है। इसे लेकर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश शुक्रवार को चांडिल पहुंचे, जहां गोल्डेन व्यू रिजॉर्ट में प. सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां तथा पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों तथा प्रमुख कार्यकताओं संग बैठक की। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस कार्यसमिति की विस्तारित बैठक में लिए गए निर्णय के आलोक में कोल्हान प्रमंडल स्तरीय कांग्रेस समागम का आयोजन किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य संगठन का सृजन, जिससे संगठन को और अधिक मजबूत और सशक्त बनाना है। समागम में प्रदेश प्रभारी, सह प्रभारी तथा मंत्री, सांसद, विधायक सहित वरिष्ठ नेता भी उपस्थित रहेंगे। उन्होंने सभी कांग्रेसियों से अपील करते हुए समागम को ऐतिहासिक बनाने तथा तैयारी में जुट जाने को कहा। अधिक से अधिक संख्या में कांग्रेसियों की भागीदारी कैसे सुनिश्चित हो, इस पर भी उन्होंने बल दिया। बैठक को पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने भी संबोधित किया। बैठक में प. सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चंद्रशेखर दास, जिला उपाध्यक्ष जयप्रकाश महतो, जिला बीस सूत्री सदस्य त्रिशानु राय, कामगार कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष सूरज मुखी, दानिश हुसैन, सुरेश प्रजापति, यशवीर चांपिया, शाहरुख अली, आनंद करुवा, बादल बेहरा, सपन गुच्छाईत, जितु बारीक आदि मौजूद थे।

चांडिल स्थित रिजॉर्ट में केशव महतो कमलेश, सुबोधकांत सहाय व अन्य

पर्यावरणविदों ने कहा- जैव विविधता के लिए सुखद संकेत, बाघ को रास आ रहा यहां का जंगल

दलमा में फिर दिखा बाघ, वन विभाग के ट्रैप कैमरे में कैद हुई तस्वीर

● वन विभाग ने जंगल में जगह-जगह लगा रखे हैं ट्रैप कैमरे

PHOTON NEWS JSR : दलमा वन्यजीव आश्रयणी में एक बार फिर बाघ की मौजूदगी दर्ज की गई है। वन विभाग द्वारा लगाए गए ट्रैप कैमरे में उसकी तस्वीरें कैद हुई हैं। पर्यावरणविदों के अनुसार, यह पर्यावरण और जैव विविधता के लिए एक सुखद संकेत है, क्योंकि बाघ को अब दलमा जंगल रास आने लगा है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यह बाघ पिछले एक महीने से घाटशिला, चाकुलिया और दलमा के जंगलों में घूम रहा है। वह अब जंगल के अंदरूनी हिस्सों में ही बना हुआ है और इंसानों से दूरी बनाए रख रहा है। डीएफओ सबा आलम अंसारी ने बताया कि बाघ की गतिविधियों को वन विभाग की टीम लगातार मॉनिटर कर रही है, जिससे किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। विशेषज्ञों का मानना है कि बाघ की लगातार उपस्थिति यह संकेत देती है कि दलमा का जंगल अब उसके रहने योग्य बन रहा है। यदि यह सिलसिला जारी रहता है, तो दलमा वन क्षेत्र में स्थायी रूप से बाघों का बसेरा हो सकता है। वन विभाग इस संभावना पर गहराई से विचार कर रहा है और आवश्यक कदम उठाने की योजना बना रहा है।

ट्रैप कैमरे में कैद बाघ व जंगल में कैमरा लगाते वनकर्मी ● फोटोन न्यूज

वन विभाग की टीम कर रही निगरानी

वन विभाग ने बाघ की सुरक्षा और उसकी गतिविधियों की निगरानी के लिए एक विशेष टीम तैनात की है। इस टीम के सदस्य बाघ के मूवमेंट पर नजर रख रहे हैं और ट्रैप कैमरों के जरिए उसकी लोकेशन को ट्रैक कर रहे हैं। यदि बाघ की स्थायी मौजूदगी दलमा जंगल में बनी रहती है, तो सरकार और वन विभाग यहां बाघों के संरक्षण के लिए विशेष योजना पर काम कर सकते हैं।

दलमा बन सकता बाघ का स्थायी निवास

बाघ की लगातार मौजूदगी से यह संकेत मिलता है कि दलमा वन क्षेत्र धीरे-धीरे एक सुरक्षित और अनुकूल स्थान बनता जा रहा है। वन विभाग की सतर्कता और संरक्षण उपायों के चलते यह क्षेत्र भविष्य में बाघों का स्थायी निवास बन सकता है। हालांकि, अब तक यह पता नहीं चल सका है कि यह बाघ कहां से आया है।

बाघ फिलहाल जंगल के अंदर ही रह रहा है और उसकी गतिविधियां ट्रैप कैमरों में कैद हो रही हैं। वन विभाग पूरी तरह सतर्क है और लोगों को डरने की जरूरत नहीं है। हम हर गतिविधि पर निगरानी रख रहे हैं।

– सबा आलम अंसारी, डीएफओ

शब-ए-बरात पर कब्रिस्तानों में रोशनी से सजी रही रात

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले में गुरुवार को रात भर शब-ए-बरात की चहल-पहल रही। चाईबासा सहित आसपास के कब्रिस्तानों में अकीदत के साथ शब-ए-बारात का त्योहार मनाया गया। पूरी रात लोग इबादतगाहों में अकीदत के साथ जुटते रहे। इस मौके पर पश्चिमी सिंहभूम के चाईबासा, चक्रधरपुर, मझगांव, जगन्नाथपुर, नोवामुंडी के कब्रिस्तानों में रंगबिरंगी झालर लाइटों से सजाई गई थी। वहीं चाईबासा के कब्रिस्तानों की ओर जाने वाले रास्तों पर विशेष रुप से रोशनी की व्यवस्था की गई थी, ताकि इबादत के लिए आने-जाने वालों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो। रात भर कब्रिस्तानों में मुस्लिम समुदाय के लोग अपने पूर्वजों को याद करते हुए कब्र पर फातिहा पढ़ने के लिए पहुंचते रहे। नमाज, कुरान की तिलावत सहित अन्य प्रकार की इबादत के बाद लोग अपने रब से अपने गुनाहों की माफी मांगते रहे।

इस दौरान पूरे जिले में पुलिस व प्रशासन के पदाधिकारी देर रात तक विधि-व्यवस्था का जायजा लेते रहे।

कब्रिस्तान में उमड़ी भीड़

हल्दी एवं अदरक प्रसंस्करण विधियां

खुदाई करने से 2 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई कर दी जाती है और फिर जुताई करके अथवा दांतेदार यंत्र की मदद से खुदाई की जाती है। हल्दी के पूर्ण विकसित पंजे (क्लम्प) को बाहर निकाल लिया जाता है। फिर इस पंजे में लगी मिट्टी एवं रेशे वाली जड़ों को हंसिया या चाकू की मदद से काटकर हटा दिया जाता है।

हल्दी की फसल की खुदाई पौधों में लगी हुई पत्तियों के सूखकर गिर जाने पर की जाती है। खुदाई करने से 2 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई कर दी जाती है और फिर जुताई करके अथवा दांतेदार यंत्र (डिगिंग फोर्क) की मदद से खुदाई की जाती है। हल्दी के पूर्ण विकसित पंजे (क्लम्प) को बाहर निकाल लिया जाता है। फिर इस पंजे में लगी मिट्टी एवं रेशे वाली जड़ों को हंसिया या चाकू की मदद से काटकर हटा दिया जाता है। हल्दी के पंजे में दो प्रकार की गांठे मिलती हैं-

- पंजे के मध्य में एक ज्यादा मोटी एवं सख्त गांठ जिसका आकार ढ़ोलक जैसा होता है इसे मातृ प्रकंद कहते हैं और
- पतली उंगलियों जैसी 8 से 15 तक प्रकंद, जिनको पुत्री प्रकंद कहते हैं। खुदाई के तुरंत बाद इन दोनों प्रकार की गांठों को अलग-अलग कर लिया जाता है। मातृ प्रकंद का उपयोग सामान्यतः अगली फसल की बुवाई के लिए किया जाता है। बुवाई से अधिक मात्रा होने पर इसका अलग से प्रसंस्करण करते हैं। पुत्री प्रकंद को भी बोने के लिए भंडारित किया जाता है और अतिरिक्त मात्रा को प्रसंस्कृत किया जाता है।

हल्दी का प्रसंस्करण

हल्दी के मातृ एवं पुत्री प्रकंदों का प्रसंस्करण चार अवस्थाओं में पूर्ण किया जाता है।

उबालना

हल्दी के प्रकंदों को उबालने के लिये मिट्टी के बर्तन अथवा लोहे के बड़े व कम गहरे बर्तनों का प्रयोग किया जाता है। यदि गुड़ बनाने वाली उथली कड़ाही हो तो उसका भी प्रयोग किया जा सकता है। इस बर्तन में हल्दी रखने के बाद इसमें पानी भरा जाता है जिससे कि सभी प्रकंद अच्छी तरह से डूब जायें। इसके बाद हल्दी की पत्तियों की एक मोटी परत से प्रकंद को ढंक दिया जाता है।

इसमें चूने का पानी या सोडियम बाई-कार्बोनेट या सोडियम कार्बोनेट का घोल मिलाने से तैयार हल्दी का रंग आकर्षक पीला बनता है। अब हल्दी को उबालने की क्रिया प्रारंभ की जाती है। हल्दी को धीमी आंच में तब तक उबाला जाता है जब तक कि उसमें झाग और हल्दी की खुशबू न आने लगे। बीच-बीच में दो-चार प्रकंदों को बाहर निकालकर उनको उंगलियों से दबाकर उनके मुलायम हो जाने की परीक्षा की जाती रहती है। जब प्रकंद मुलायम होकर उंगलियों से दबने लगे, तब उबालने की क्रिया बंद कर दें।

सुखाना

हल्दी के उबले हुए प्रकंदों को पानी से बाहर निकालकर पतली परतों से पक्के फर्श में फैलाकर सूर्य ताप में सुखाएं। सामान्यतः उबली हुयी गांठों के सूखने में 7 से 10 दिन लग जाते हैं। सूखने पर प्रकंद सख्त और कड़क हो जाते हैं जिनको तोड़ने पर एक धात्विक आवाज आती है।

छिलके उतारना

अब इन सूखे हुये प्रकंदों के ऊपरी सतह में लगे छिलकों को कठोर फर्श में रगड़ कर या बांस से बनी चटाई या टोकनी में रगड़कर हटाया जाता है। ऐसा करने से प्रकंद चिकने, साफ और जड़ रहित हो जाते हैं। हल्दी की मात्रा अधिक होने पर छिलके उतारने का कार्य मशीन द्वारा किया जाता है।

प्रकंदों को रंगना

छिलका उतारी गयी सूखी हल्दी को रंगने का कार्य उपभोक्ताओं को आकृष्ट करने के लिए किया जाता है। रंगने का कार्य बांस की टोकनी में सूखी हल्दी को रखकर धीरे-धीरे उसमें रंगने का मिश्रण मिलाते एवं हिलाते हुए किया जाता है। ऐसा करने से हल्दी अच्छी दिखने लगती है। 1000 किग्रा हल्दी को रंगने के लिए फिटकरी (एलम) 40 मिग्रा, हल्दी चूर्ण 2 किग्रा, अरंडी का तेल 140 मिली, सोडियम बाई सल्फाइड 30 ग्राम एवं सान्द्र हाईड्रोक्लोरिक अथवा सान्द्र सल्फ्यूरिक अम्ल 30 मिली का प्रयोग किया जाता है।

मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तलाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन मे संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है तथा परिपूरक आहार भी दिया जाता है।

मत्स्य पालन से बढ़ेगा मुनाफा

मत्स्य उत्पादन के संसाधन

प्रदेश में मछली पालन के लिये कुल 1.589 लाख है। जलक्षेत्र उपलब्ध है। जिसमें अब तक कुल 1.432 लाख है। जलक्षेत्र विकसित किया जा चुका है। इसमें ग्रामीण तालाबों के कुल जलक्षेत्र 0.735 लाख है। जलक्षेत्र में से 0.636 लाख है। जलक्षेत्र का विकास कर मत्स्य पालन के अंतर्गत लाया जा चुका है।

मिश्रित मछली पालन

मिश्रित मछली पालन व्यवसाय,बेरोजगार युवकों के लिये आर्थिक स्थिति में सुधार करने हेतु एक महत्वपूर्ण साधन है। मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तलाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन मे संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है तथा परिपूरक आहार भी दिया जाता है। सामान्यतः मिश्रित मछली पालन में पाली जाने वाली प्रजातियां कतला, राहू, मृगल, कामनकार्प, ग्रास कार्प, सिल्वर कार्प है। वर्तमान में मिश्रित मछली पालन ग्राम पंचायतों के तालाबों में किया जा रहा है। परंतु खाद एवं परिपूरक आहार न देने के कारण उत्पादन में समुचित वृद्धि नहीं हो रही है। अतः स्वयं की भूमि में तालाब निर्माण कराकर व उनमें, मिश्रित मछली पालन कर, लगभग 6000-8000 किग्रा/हेक्टर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। प्रदेश में वर्ष 2007-2008 तक स्वयं की भूमि में नवीन तालाब कुल 1834 तालाब जलक्षेत्र 1240.51 हेक्टर का निर्माण कर मिश्रित मछली पालन आधुनिक तरीके से किया जा रहा है।

एकीकृत मछली पालन

एकीकृत मछली पालन का पालन का आशय मछली पालन के साथ-साथ दूसरे उत्पादन जैसे बतख पालन, मुर्गीपालन, सूकर पालन एवं कृषि बागवानी के साथ समन्वयन से है। मिश्रित मछली पालन में जैविक एवं रसायनिक खाद तथा परिपूरक आहार के प्रयोग से अधिक उत्पादन के साथ-साथ उत्पादन मृल्य भी बढ़ जाता है। इस आर्थिक समस्या के समाधान के मछली पालन को विभिन्न इकाईयों जैसे- मुर्गी, बतख, कृषि बागवानी, मवेशी पालन के साथ जोड़ने की व्यवस्था की जाती है। जिससे कृषकों को मछली पालन से आय के साथ-साथ अन्य उत्पादों के समन्वयन से अतिरिक्त आय मिलती है। इस अंतरबद्धता के कारण मवेशी पालन, बागवानी या कृषि से परित्यक्त पदार्थो का उपयोग मछलियों के लिए परिपूरक आहार या खाद के रूप में उपयोग होता है तथा दूसरी ओर तालाब के जल तथा उसके बंध और मछली पालन से उत्पन्न व्यर्थ पदार्थो का उपयोग कृषि एवं मछली पालन में किया जाता है। ऐसी व्यवस्था से लागत खर्च में काफी कमी आ जाती है।

वर्तमान में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ प्रदेश में वर्ष 2008-09 तक कुल 3552 एकीकृत मत्स्य पालन की इकाईयां स्थापित की जा चुकी हैं। जिसमें बतख सह मछली पालन की 1101 सह मछली पालन की 881 इकाईयां, सूकर सह मछली पालन की 222, फलोद्यान सह मछली पालन की 424, डेयरी सह मछली पालन की 272, धान सह मछली पालन की 446, एवं बकरी सह मछली पालन की 206 इकाईयां स्थापित की जा चुकी है। मत्स्य कृषकों के रूझान को देखते हुए बतख सह मछली पालन एवं मुर्गी सह मछली पालन एवं फलोद्यान सह मछली पालन छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक उपयोगी पाया गया है। एकीकृत मत्स्य पालन के अंतर्गत बतख सह मछली पालन से प्रोटीन उत्पादन के साथ-साथ बतखों के मलमूत्र का उचित उपयोग होता है। बतख सह मछली पालन में प्रति हेक्टर 1 वर्ष में 400 किग्रा मछली, बतख से 15000 अण्डे तथा 500 किग्रा बतख के मांस का उत्पादन किया जा सकता है। इस प्रकार से मछली पालन में न तो जलक्षेत्र मे कोई खाद, उर्वरक डालने की आवश्यकता है और न ही मछलियों को पूरक आहार देने की आवश्यकता है। मछली पालन पर लगने वाली लागत में 50-60 प्रतिशत की कमी हो जाती है।

पाली जाने वाली मछलियां एवं बतख एक दूसरे के अनुपूरक होती है। बतखें पोखर के कीड़े, मकोड़े, टेडपोल, घोंघे, जलीय वनस्पति पर नियंत्रण रखती है। बतखों को अपने भोजन का 50 प्रतिशत भाग जलक्षेत्र से ही प्राप्त हो जाता है। तालाब में बतख के तैरते रहने से वायुमंडल की आक्सीजन पानी भी मिलती रहती है। इसी प्रकार बतख सह मछली पालन से तालाब में अतिरिक्त खाद डालने की आवश्यकता नहीं पड़ती है एवं बतखों को साफ सुरक्षित परिवेश एवं उत्तम प्राकृतिक भोजन भी उपलब्ध हो जाता है। प्रति हेक्टर 200-300 नग बतख रखना पर्याप्त होता है।

मुर्गी पालन में भी पोल्ट्री लीटर को पोखर में खाद के रूप में डाला जाता है। मुर्गी सह मछली पालन से प्रति हेक्टर वर्ष 60,000 अंडे, 500-600 किग्रा, मुर्गी का मांस तथा 3500 किग्रा मछलियों का उत्पादन किया जाता है। 1 हेक्टेयर के लिए 500 मुर्गियां रखना पर्याप्त होता है। एकीकृत मछली सह मुर्गी पालन में मछली, मुर्गी के अण्डे तथा मांस की प्राप्ति से अधिक आय होती है तथा तालाबों में मछलियों के लिये अतिरिक्त फीड देने की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि मुर्गियों द्वारा विसर्जित व्यर्थ पदार्थो में पाये जाने वाले नाइट्रोजिनस पदार्थो से इसकी पूर्ति हो जाती है। फलोद्यान सह मछली पालन में तालाब के मेढ पर अरहर, टमाटर, कुंदरू, तेल युक्त सब्जियां, पपीता, भांटा, मिर्च, लौकी, फूलों के पौधे आदि लगाये जा सकते हैं जिससे किसान सम्पूर्ण क्षेत्र का समुचित उपयोग कर अतिरिक्त आय कमा सकते हैं।

... तो खास होगी पुदीना की फसल

काला कीट : पुदीना की बेहतर फसल लेने के लिए कीटों को पहचानना और उन्हें नियंत्रित करना बेहद जरूरी है. प्रमुख कीट और उनका नियंत्रण उपाय निम्नानुसार है :-

सेमीलूपर

सूंडी पत्तियों को काटकर खाती है और गोल या टेढा छेद बनाती है।

नियंत्रण

मैलाथियान 200 से 500 मिलीलीटर या क्विनालफास 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।

लेस बग

यह कीट भूरे-काले रंग के होते है जिनके पंखों पर स्पष्ट रोंयें और जाल की तरह निशान बना होता है। जिसके कारण इसे लेस बग के नाम से जाना जाता है कीट का प्रौढ़ और शिशु पोदीने की कोमल पत्तियों के रस को चूसते हैं जिससे पत्तियों का रंग पीला पड़ने लगता है। ये कीट काले रंग का पदार्थ अपने शरीर से निकालते है। जिससे पत्तियाँ दूर से जली हुयी दिखाई देती है। इसके प्रकोप से बढ़वार रूक जाती है और उत्पादन बहुत कम हो जाता है।

नियंत्रण

डायमिथियेट 300-500 मिलीलीटर का घोल बनाकर छिड़काव करने से फसल को बचाया जा सकता है।

माहू

कीट कोमल तनों और ऊपरी निकलने वाली पत्तियों के पास लगकर रस चूसते है। इससे पोदीने का पौधा धीरे-धीरे कमजोर हो जाता है। कभी पोदीने में झुलसा रोग भी इस कीट के कारण फैलता है।

यह काले रंग का बीटल होता है। विकसित कीट 5-7 मिलीमीटर लम्बा होता है। पोदीने के जब केवल 5-7 पत्तियाँ निकली होती है तो यह कीट उनकी सभी पत्तियों को काटकर खा जाता है। मैलाथियान 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।

सफेद मक्खी

यह पौधों की निचली पत्तियों पर नीचे की सतह पर रहती है। वह पौधों से रच चूसती है तथा कीट विभिन्न प्रकार के विषाणु भी एक पौधे से दूसरे पौधे में पहुंचाते हैं।

नियंत्रण

फास्फोमिडान 200 से 400 मिली या मैलाथियान 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिये।

भारत एआई क्रांति में अग्रणी बन दुनिया का नेतृत्व करें

ललित गर्ग

भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होते हुए तकनीकी विकास की दृष्टि से भी सफलता के नये झंडे गाड रहा है। एआई को लेकर भारत की सोच सकारात्मक एवं विकासमूलक है इसीलिये प्रधानमंत्री मोदी ने यह सही कहा कि इस तकनीक में दुनिया को बदलने की ताकत है, लेकिन अमेरिका की कुछ बड़ी तकनीकी कंपनियों ने सूचना संसार में अपना एकाधिकार स्थापित कर लिया है।

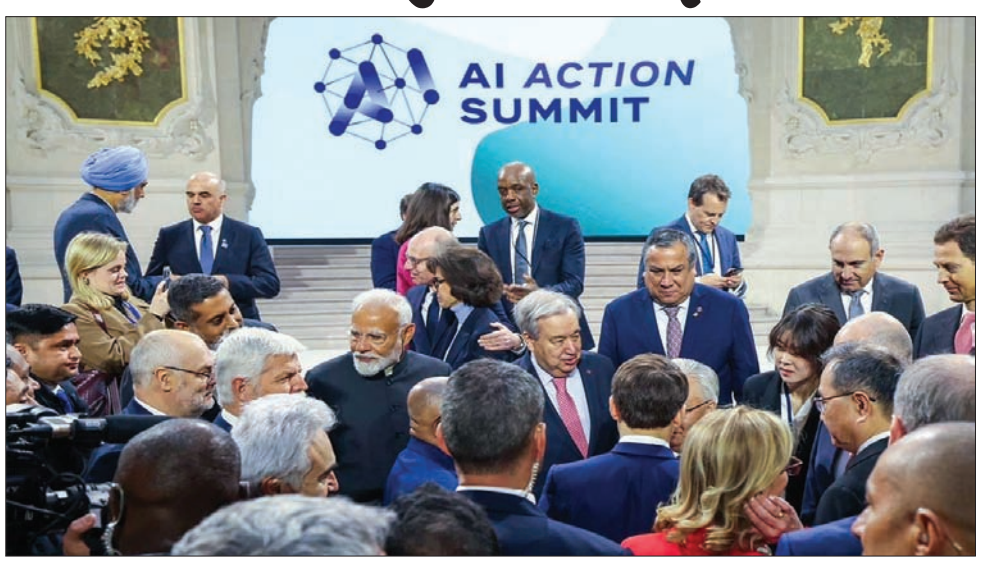

पेरिस में हुए दो दिवसीय एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) एक्शन समिट ने जहां दुनिया के लिए आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के महत्व को उजागर किया, वहीं यह भी साफ कर दिया कि इस मामले में होड़ के बावजूद सभी देशों का आपसी तालमेल बनाए रखते हुए सावधानी से आगे बढ़ना जरूरी है। एआई से बदलती दुनिया के चमत्कार वरदान से कम नहीं है, लेकिन इससे जुड़ी चुनौतियां एवं खतरे इसे अभिशाप में भी बदल सकते हैं। बहुत आवश्यक है कि इसके उपयोग के संदर्भ में कोई वैश्विक ढांचा एवं नियंत्रण का केन्द्र एवं नीति बने। क्योंकि एआई के दुरुपयोग के खतरे किसी से छिपे नहीं। अभी एआई का उपयोग अपने प्रारंभिक चरण में ही है, लेकिन उससे पैदा होने वाली कई चुनौतियों एवं खतरों ने सिर उठा लिया है। लेकिन इस नई तकनीक से जीवनशैली, शिक्षा, चिकित्सा, युद्ध, सेना, शासन-प्रशासन, चुनाव, व्यापार, विचार आदि में क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिल रहे हैं। भारत एआई को लेकर बहुत उत्साहित है और दुनिया में एआई का सबसे बड़ा केन्द्र बनने को भी तैयार है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के साथ इस शिखर बैठक की सह-अध्यक्षता की बल्कि अगली शिखर बैठक की मेजबानी करने की पेशकश भी करते हुए बता दिया कि भारत इस पहल को कितनी गंभीरता से लेता है।

भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होते हुए तकनीकी विकास की दृष्टि से भी सफलता के नये झंडे गाड रहा है। एआई को लेकर भारत की सोच सकारात्मक एवं विकासमूलक है इसीलिये प्रधानमंत्री मोदी ने यह सही कहा कि इस तकनीक में दुनिया को बदलने की ताकत है, लेकिन अमेरिका की कुछ बड़ी तकनीकी कंपनियों ने सूचना संसार में अपना एकाधिकार स्थापित कर लिया है। उनके एकाधिकार और उनकी मनमानी से निपटना विश्व के तमाम देशों के लिए मुश्किल हो रहा है। यदि इसी तरह का एकाधिकार एआई कंपनियों ने भी स्थापित कर लिया तो फिर समस्या गंभीर हो जाएगी। सबसे अधिक समस्या विकासशील और निर्धन देशों को होगी, जो पहले से ही चुनिंदा तकनीकी कंपनियों के वर्चस्व तले दबी हुई है। मोदी ने एआई तकनीक के संतुलित एवं विवेकसम्मत उपयोग एवं विकास की आवश्यकता को भी व्यक्त किया। क्योंकि यह उन्नत तकनीक बनाने वाली कुछ कंपनियां उसे अपने हिसाब से संचालित करती हुई भी दिख रही हैं। इस तकनीक का मनमाना इस्तेमाल न होने पाए, इसके लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को प्रभावी कदम उठाने होंगे। यह एआई एक्शन समिट ऐसे समय हो रही है, जब चीनी कंपनी डीपसीक दुनिया को एक जबर्दस्त झटका दे चुकी है।

भारत एआई की चुनौतियों एवं खतरों को लेकर सतर्क है। क्योंकि एआई द्वारा प्रस्तुत चुनौतियाँ बहुआयामी हैं और लगातार विकसित हो रही हैं। उदाहरण के लिए डीपफेक, जो डिजिटल मीडिया हैं-वीडियो, ऑडियो और चित्र-जिन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके संपादित और हेरफेर किया जाता है, हाइपर-रियलिस्टिक डिजिटल मिथ्याकरण को शामिल करते हैं। इसका संभावित रूप से प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने, सबूत गढ़ने और लोकतांत्रिक संस्थानों में विश्वास को कम करने के लिए उपयोग किया जा सकता है। जबकि डीपफेक का इस्तेमाल चुनावों जैसे कुछ मामलों में किया गया है, उनका उपयोग विभिन्न अन्य क्षेत्रों में भी तेजी से देखा जा रहा है। डीपफेक के अलावा, एआई से जुड़े अन्य जोखिम भी हैं। इनमें गोपनीयता, पूर्वाग्रह, पारदर्शिता, जवाबदेही और दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए एआई के संभावित दुरुपयोग से संबंधित मुद्दे शामिल हैं। भारत सरकार इन मुद्दों को सलाह और विनियमों के माध्यम से नियोजित एवं नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है जो पारदर्शिता, सामग्री मॉडरेशन, सहमति तंत्र और डीपफेक पहचान पर जोर देते हैं ताकि जिम्मेदार एआई तैनाती सुनिश्चित हो और चुनावी अखंडता की रक्षा हो सके। यह एक सतत प्रयास है और जैसे-जैसे आगे बढ़ेंगे, इन चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक मजबूत तंत्र के विकास के साथ सक्षम होने की अपेक्षा रहेगी। एआई विकसित होता रहेगा, नये-नये करिश्माई एवं चमत्कारी आयाम उससे जुड़ते रहेंगे और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह ऐसे तरीके से हो जो सभी के लिए सुरक्षित, नैतिक और लाभकारी हो। आवश्यक बुनियादी ढांचे, हार्डवेयर और क्लाउड कंप्यूटिंग क्षमताओं के विकास में सहायता के लिए निवेश महत्वपूर्ण है। सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग से आवश्यक पूंजी जुटाई जा सकती है। यह संयुक्त प्रयास एआई नवाचार, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा दे सकेगा और जिससे भारत एआई क्रांति में अग्रणी बन दुनिया का नेतृत्व कर सकेगा।

इसी पहलू को रेखांकित करती है यह पेरिस की तीसरी एआई एक्शन समिट, जिसमें दुनिया भर के 90 देशों और तमाम बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस हमारे भविष्य का अनिवार्य हिस्सा है, लेकिन किसी भी वजह से इसकी ग्रोथ को बेकाबू होने दिया गया तो उसके परिणाम खतरनाक साबित हो सकते हैं। भारत की भूमिका को खास बनाता है इसका असाधारण टैलंट पूल, इसके वे इंजिनियर और वैज्ञानिक जो नाम मात्र की लागत पर बड़े-बड़े अंतरिक्ष अभियान को अंजाम देते रहे हैं। हालांकि अभी तक इस मामले में भारत की पहल बहुत अच्छी नहीं कही जा सकती। बेहतर होगा कि केंद्र सरकार एक स्वतंत्र मंत्रालय बनाकर इस तकनीक को लेकर अपनी प्राथमिकता तय करे। इनोवेशन में भारत को हर जोखिम को उठाने के लिये स्वयं को सक्षम करना होगा। एआई का समुचित लाभ उठाने के लिए बहुत कुछ करने की जरूरत है। एआई के जरिये वे अनेक काम किए जा सकते हैं, जो अब तक मनुष्य करते रहे हैं, लेकिन यह ध्यान रहे कि उसमें मानवीय संवेदनाएं नहीं होतीं और वह उपलब्ध डाटा के आधार पर ही किसी नतीजे पर पहुंचती है। अब यदि डाटा ही सटीक न हो तो नतीजे भी नुकसान पैदा करने वाले हो सकते हैं। इस पर हैरानी नहीं कि अति उन्नत एआई को मानव सभ्यता के लिए संकट के रूप में भी देखा जा रहा है। इस आशंका को निर्मूल साबित करने वाले उपाय करना समय की मांग हैं और उन पर ज्यादा फोकस करना होगा।

इस तरह की तकनीक तभी लाभकारी सिद्ध होती है, जब उसका उपयोग समझदारी, नैतिकता एवं विवेकपूर्ण होता है। ज्यादा जरूरी है उसके दुरुपयोग की आशंकाओं पर प्रभावी ढंग से लगाम लगाने की स्थितियों एवं तंत्र को विकसित करने की। एआई के मामले में ऐसा इसलिए अनिवार्य रूप से करना होगा, क्योंकि यह मानव जीवन को कहीं गहराई से प्रभावित करने की क्षमता रखती है। एआई एक नई तकनीक है और बहुत से लोग उसके प्रयोग के तौर-तरीकों से अपरिचित हैं। इसीलिए यह आशंका उभरी है कि उसके कारण रोजगार का संकट पैदा हो सकता है। भारत में विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न नौकरियों पर एआई के प्रभाव को समझने के लिए एक व्यापक, डेटा-समर्थित अध्ययन आवश्यक है। आईएमएफ की एक रिपोर्ट ने अनुमान लगाया है कि एआई दुनिया भर में लगभग 40 प्रतिशत नौकरियों को प्रभावित करेगा, कुछ को प्रतिस्थापित करेगा और दूसरों को पूरक करेगा। यह भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एआई अपने उपयोग के विकास के साथ नए प्रकार की नौकरियां भी पैदा करेगा। एआई पहले से ही विनिर्माण से लेकर बैंकिंग, स्वास्थ्य सेवा, कृषि और शिक्षा तक सभी क्षेत्रों में बदलाव ला रहा है। उदाहरण के लिए, शिक्षा क्षेत्र में, एआई व्यक्तिगत पाठ्यक्रम, परीक्षण, सीखने के तरीके और वितरण को सक्षम करके भारत के सीखने के परिदृश्य को बदल रहा है। निःसंदेह यह नई तकनीक अवसर बन रही है, तकनीकी विकास का सूरज बनकर नयी समाज संरचना को बल दे रही है। यह संभावनाभरा है कि पेरिस शिखर सम्मेलन में एआई के क्षेत्र में भारत और प्रमुख देशों के बीच सामंजस्य बढ़ने के संकेत मिले, लेकिन बात तब बनेगी, जब यह मंच एआई के नियमन एवं नियोजित विकास के लिए सहमति कायम करने की बुनियाद बने। एआई की तीव्र प्रगति और व्यापक अनुप्रयोग को देखते हुए, भारत के लिए अपना स्वयं का एआई सुरक्षा संस्थान स्थापित करना अपेक्षित है। ऐसा संस्थान सुरक्षित और नैतिक एआई प्रथाओं को विकसित करने, अनुसंधान करने और एआई के उपयोग में सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर सकता है प्रेषकः

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

जटिल समस्या

शहरी क्षेत्रों में आश्रयविहीन लोगों के लिए आश्रय स्थल बनाए जाने को लेकर दाखिल की गई जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने याचिका से यह निहितार्थ निकलते हुए कहा कि मुफ्त की रेवड़ियों यानी बिजली, पानी, हवा अनाज और पैसा आदि बिना कोई श्रम किए दिए जाने से लोग परजीवी बना रहे हैं। अगर उन्हें बिना काम की यही सब कुछ मुफ्त मिल जाएगा तो वह काम क्यों करेंगे। इस पर प्रति टिप्पणी करते हुए याचिकाकर्ता के वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि ऐसा नहीं है कि लोग काम नहीं करना चाहते, लेकिन उनके पास काम नहीं है। न्यायपीठ ने प्रशांत भूषण के इस कथन से सहमति व्यक्त नहीं की। इस पूरे प्रकरण में तीन बातें उभर कर आती हैं। गरीबों को बिना किसी श्रम के साथ धन और सुविधाएं उपलब्ध कराना उचित है या अनुचित। क्या इस तरह की योजनाओं से लोग परजीवी बना रहे हैं और सारे काम उपलब्ध होते हुए लोग काम से विमुख हो रहे हैं। और तीसरी बात यह कि क्या उन्हें सचमुच काम उपलब्ध है। जिस देश में विषम आर्थिक प्रगति हो तथा गरीबी और अमीरी की खाई निरंतर चौड़ी हो रही हो और जहां गरीबों के लिए रोजगार का सृजन न हो रहा हो वहां सरकारों के पास एकमात्र यही विकल्प बचता है कि लोग जीवन यापन कर सकें। इसके लिए उन्हें आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध करानी चाहिए। नैतिक तौर पर यह गलत नहीं है, अब जहां तक परजीवी बनने का सवाल है यानी मुफ्त का खाने की आदत पड़ने का प्रश्न है तो यहां सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह जिन्हें भी यह सुविधा उपलब्ध करा रही है उनके लिए वह किसी ने किसी काम की शर्त रख सकती है। चाहे वह शर्त कितनी भी छोटी क्यों ना हो। लोगों का यह एहसास अवश्य होना चाहिए कि जो कुछ वह प्राप्त कर रहे हैं उसमें वह अपना योगदान भी कर रहे हैं। भले ही उनको दिया जाने वाला कार्य समाजसेवा जैसा ही क्यों ना हो। ऐसे कामों की सूची में सफाई से लेकर नगर व्यवहार तक को शामिल किया जा सकता है। जहां तक रोजगार उपलब्धता का सवाल है तो यह सर्वविदित तथ्य है कि देश में रोजगार बहुत बड़ी समस्या है जिसका कोई भी समाधान राज्य तंत्र नहीं निकाल पाया है। कुल मिलाकर, ये ऐसी ऐसी जटिल समस्याएं हैं जो बहुस्तरीय हैं और इनका समाधान भी बहुस्तरीय होना चाहिए। अन्यथा इसका हल निकलना संभव नहीं है।

चिंतन-मनन

भक्तों की सहायता करते हैं ईश्वर

ईश्वर को हम भले ही न देख पाएं लेकिन ईश्वर हर क्षण हमें देख रहा होता है। उसकी दृष्टि हमेशा अपने भक्तों एवं सद्व्यक्तियों पर रहती है। अगर आप गौर करेंगे तो पाएंगे कि जीवन में कभी न कभी कठिन समय में ईश्वर स्वयं आकर आपकी सहायता कर चुके हैं। उस कठिन समय में आपके अंदर भक्ति की भावना उमड़ रही होगी और आप ईश्वर को याद कर रहे होंगे। शास्त्र कहता है कि ईश्वर के लिए संसार का हर जीव उसकी संतान के समान है। जो व्यक्ति उसके बनाये नियमों का पालन करते हुए जीवन यापन करता है ईश्वर उसकी सहायता अवश्य करते हैं। गजराज की कहानी आपने जरूर सुनी या पढ़ी होगी। नदी में गजराज को मगरमच्छ ने पकड़ लिया। इस कठिन समय में गजराज ने भगवान को पुकारा और भगवान विष्णु प्रकट हो गये। भगवान ने अपने चक्र से मगरमच्छ का सिर काट दिया और गजराज के प्राण की रक्षा की। सूरदास जी के जीवन की भी एक ऐसी ही कथा है। सूरदास जी देख नहीं सकते थे। एक बार गलती से एक गड्ढे में गिर गये। गड्ढे से निकलने का काफी प्रयास करने पर भी वह बाहर निकलने में असफल रहे। इस स्थिति में सूरदास जी ने गोपाल को पुकारा। भगवान श्री कृष्ण बालक रूप में पहुंच गये और सूरदास जी को गड्ढे से बाहर निकाला। मीरा के प्राण की रक्षा के लिए भगवान ने मीरा को मारने के लिए भेजे गये विष को प्रभावहीन कर दिया। बघेलखण्ड के बान्धवगढ़ में रहने वाले सेन नामक नाई की भी भगवान ने सहायता की और बघेलखंड का राजा सेन नाई का भक्त बन गया। यह घटना पांच छः सौ साल पुरानी है। सेन नाई राजा की सेवा करता था। इसका काम प्रतिदिन राजा की हजामत बनाना और तेल मालिश करके स्नान कराना था। एक दिन सेन नाई जब राजमहल की ओर चला तब रास्ते में संतों की टोली मिल गयी। नाई उन्हें लेकर घर आ गया और उनकी खूब सेवा की। संतों के साथ बैठकर संत्संग में भाग लिया। राजा के स्नान करने का समय बीता जा रहा था। नाई के नहीं आने से राजा क्रोधित हो रहे थे। इसी समय भगवान स्वयं सेन नाई का वेष धारणकर राजा की सेवा में पहुंच गये।...

हमारा लोकतंत्र- सदन के सामने से कतराते हमारे जनप्रतिनिधि...!

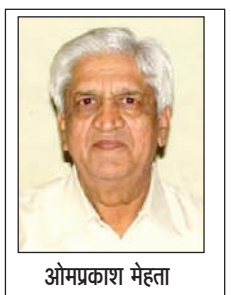

ओमप्रकाश मेहता

आजादी की हीरक जयंति के दौरान देश के इस मसले पर गंभीर चिंतन करना चाहिए कि क्या आजादी के लिए अपनी जान न्यौछावर करने वाले या जानलेवा संघर्ष करने वाले हमारे राष्ट्रभक्त पूर्वजों की मोहक कल्पनाओं पर हम खरे उतर रहे है? या उनके सपनों में रंग भरने का तनिक भी प्रयास कर रहे है? यह एक ऐसा मुद्दा है जो हमें निराश ही करने वाला है, क्योंकि देश व देशवासियों को उनकी पारिवारिक उलझनों में उलझा कर स्वार्थ सिद्ध करने वालों का आज बाहुल्य हो गया है, आज की राजनीति का जनसेवा से दूर का भी सम्बंध नहीं रहा। आज राजनीति ने एक व्यवसाय का रूप धारण कर लिया है, जो कम समय में अधिक लाभदायक सिद्ध हो रही है, इसीलिए आज राजनीति एक महत्वपूर्ण आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है, आज युवा वर्ग का रूझान इसी 'हींग लगे न फिटकरी, रंग चौखा होय' की ओर आधिक है। ....और राजनीति से लोकसेवा की भावना खत्म हो जाने से यह व्यवसाय सभ्य समाज में 'गाली' बनता जा रहा है। इधर उधर की जुगाड़ लगाकर साधारण सरकारी नौकरी पाने वाला एक युवक खून पसीना बहाने के बाद भी पूरे महीनें में इतना नहीं कमा पाता, जितना राजनीति में लिप्त एक युवा एक दिन में अपनी काली कमाई एकत्र कर लेता है।

....और यदि यही राजनीतिक युवा जोड़-तोड़ करके चुनाव जीत कर सांसद या विधायक बन जाता है तो फिर उसकी सात पीढ़ियों को किस भी प्रकार की कोई चिंता करने की जरूरत नहीं, क्योंकि फिर उसका बहुमूल्य समय संसद या विधानसभा के सदनों में कम बाहर की आर्थिक जोड़-तोड़ में ज्यादा खर्च होता है। आज की यह भी एक महान समस्या सामने आ रही है, जिसके तहत हमारे प्रजातंत्र की संसदीय पद्धति बदनामी के शिखर को छूने की तैयारी कर रही है, आज हमारे जन प्रतिनिधि संसद या विधानसभाओं की सदस्यता या उसके माध्यम से जनसेवा के लिए ग्रहण नहीं करते, बल्कि सदन के बाहर की राजनीतिक 'दादागिरी' के लिए चुनते है, आज इसीलिए हमारी संसदीय प्रणाली अपने मूल उद्देश्यों को हासिल करने में अयोग्य साबित हो रही है, और इसी कारण आज हमारी संसद व विधानसभाओं की निर्धारित दिवसों की संख्या पूरी नही हो पाती, सत्र जितनी अवधि के लिए आहूत किए जाते है, उससे आधी अवधि तक भी चल नही पाते और लोक महत्व के विधेयकों या विषयों पर सदनों में चर्चा ही नहीं हो पाती और मतदाताओं की उम्मीदें अपेक्षाएं धवस्त हो जाती है।

आज की सबसे अहम् समस्या यही है, राज्यों व देश के बजट के आकार में बेतहाशा वृद्धि होती जा रही है और प्रजातंत्र के मंदिरों (संसद विधानसभा) में पूजा की अवधि लगाकर कम होती जा रही है, अर्थात् अब लोकतंत्र के मंदिर सिर्फ दिखावे के लिए ही रह गए है, इनमें विराजित 'देवता' के प्रति न कोई आस्था शेष रही और न ही विश्वास।

आज तो यह आम चलन ही हो गया है कि सत्र बुलाए जाते है लम्बी अवधि के लिए और फिर खत्म हो जाते है अल्पावधि में ही, न सत्र चलाने वालों की अब इनमें कोई दिलचस्पी बची है और न ही सत्र में शामिल होने वालों की।

यद्यपि आज इस महत्वपूर्ण मसले पर गंभीर चिंतन करने का वक्त प्रजातंत्र के किसी भी अंग के पास नही है, किंतु सबसे अहम् चिंताजनक सवाल यह है कि ऐसा कब तक चलेगा? और यदि यही चलता रहा तो हमारे प्रजातंत्र का भविष्य क्या होगा? आज हमारे भारतीयों के खून-पसीनें से कमाई और विभिन्न करों के रूप में सरकार द्वारा वसूली जा रही राशि राजनेताओं की रंग-रैलियों व फालतू कामों पर खर्च की जा रही है और इस पर निगरानी रखने वाला दर्शक दीर्घा में जाकर बैठ गया है, ऐसे में इस देश का क्या होगा? आज यही सबसे बड़ी चिंता का सवाल है, जिसका जवाब किसी के पास भी नही है, चिंतित है तो केवल चिंताग्रस्त परेशान नागरिकों या बुद्धिजीवी?

मुद्दा : ई-कॉमर्स कंपनियों का नया खेल

रजनीश कपूर

आज के युग में हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं जहां सुविधा ही मुख्य मंत्र है। जहां गति ही सर्वोच्च है। इस नये युग में 'क्विक कॉमर्स' या 'ई-कॉमर्स' की सफलता को इससे बेहतर नहीं समझा जा सकता। आज 'ई-कॉमर्स' ने हमारे खरीदारी करने के तरीके में क्रांति ला दी है। अब कुछ 'ई-कॉमर्स' वाली कंपनियां एक कदम आगे छलांग लगाने जा रहीं हैं जिससे कई मौजूदा और स्थापित उद्योगों को भारी चोट पहुंच सकती है। ग्राहकों को लुभाने की दृष्टि से कुछ 'ई-कॉमर्स' कंपनियां अनुचित व्यापार के तरीकों से मौजूदा उद्योगों के ग्राहकों को छीनने का प्रयास करने जा रही है। इस क्रम में फिलहाल कुछ खाना डिलीवर करने वाली 'ई-कॉमर्स' कंपनियों की सूची है जो अपने मौजूदा रेस्टोरेंट मालिकों के साथ सीधी टक्कर लेने को तैयार है।

कल्पना कीजिए कि आप अपना मनचाहा स्वादिष्ट भोजन खाना चाहते हैं। अभी तक आप मौजूदा डिलीवरी ऐप्स के जरिए अपने पसंदीदा रेस्टोरेंट से वह भोजन मांगा लेते हैं। रेस्टोरेंट की व्यस्तता, आपके घर से उसकी दूरी और आपके द्वारा मंगाए गए भोजन की मात्रा के अनुसार आपको वह भोजन 20-25 मिनट या उससे अधिक में, घर बैठे ही मिल जाता है। इस व्यवस्था में आपको और आपके पसंदीदा रेस्टोरेंट, दोनों को ही फायदा रहता है। आपको आपका मनपसंद भोजन घर बैठे ही मिल जाता है और आपके पसंदीदा रेस्टोरेंट को उसके जमे-जमाए ग्राहकों से धंधा मिल जाता है। इसके लिए यदि आपको और रेस्टोरेंट मलिक को डिलीवरी वाली 'ई-कॉमर्स' कंपनी कुछ कमीशन भी देना पड़े तो वह चुभता नहीं। जब यह व्यवस्था नई-नई शुरू हुई थी तो ग्राहकों, डिलीवरी करने वाले साथियों और रेस्टोरेंट मालिकों को लुभाने की दृष्टि से, ये कंपनियां काफी अच्छे ऑफर्स देते थे। देखते ही देखते इन सभी की संख्या लाखों करोड़ों में पहुंच गई। इसके साथ ही इन डिलीवरी वाली 'ई-कॉमर्स' कंपनियों की क्मिशन भी बढ़ी। सभी एक दूसरे के फायदे का जरिया भी बने। कोरोना काल में तो ये 'ई-कॉमर्स' कंपनियां काफी मददगार भी साबित हुई। परंतु अब कुछ ऐसा सुनने में आया है जिससे कि अधिकतर रेस्टोरेंट मलिक इन डिलीवरी 'ई-कॉमर्स' कंपनियों के खिलाफ अदालत का रु ख भी करने को मजबूर हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि कुछ डिलीवरी 'ई-कॉमर्स' कंपनियों ने अपने ही ब्रांड के कुछ व्यंजनों को बाजार में उतारने की तैयारी कर ली है। इस नये प्रयोग के तहत जो भी मशहूर व स्वादिष्ट व्यंजन की मांग ग्राहकों से अधिक मिलती थी उन सबसे मिलते-जुलते व्यंजनों को ये कंपनियां अपने ही लेबल और ब्रांड का बता कर बाजार में उतारने जा रही है। ऐसे में अपने ब्रांड के व्यंजनों को ग्राहकों के बीच लोकप्रिय करने की दृष्टि से वह इन व्यंजनों को मात्र दस से पंद्रह मिनट में ही पहुंचाने का दावा करने जा रही है। ये सब व्यंजन 'रेडी-टू-ईट' की श्रेणी में पहले से ही इन कंपनियों के द्वारा इकट्ठा किए जाएंगे और जैसे ही किसी ग्राहक को इससे मिलते जुलते भोजन का ऑर्डर देना होगा तो ये कंपनियां ग्राहकों को मौजूदा रेस्टोरेंट से कम दाम और कम समय में डिलीवर करने की ऑफर देंगी। निश्चित रूप से ज्यादातर ग्राहक सस्ती और जल्दी के चक्कर में पड़ ही जाएंगे। सोचने वाली बात यह है कि यदि आप अपने मनपसंद पराठे खाना चाहें, लेकिन जितना समय आपको उसे बनाने में लगेगा उससे आधे समय में यदि गरमा-गरम पराठा आप तक पहुंच जाए तो आप अपनी जेब ढीली करने में देर नहीं लगाएंगे, परंतु जहां रेस्टोरेंट मलिक इन डिलीवरी 'ई-कॉमर्स' कंपनियों के मौजूदा व्यवस्था से खुश थे वहीं वे इन कंपनियों के नये अवतार में आने की खबर से काफी चिंतित हैं।

भारत की नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन (एनआरएआई) ने डिलीवरी ऐप्स की 'ई-कॉमर्स' कंपनियों के खिलाफ अदालत जाने की पूरी तैयारी कर ली है। वे इसे अनुचित व्यापार प्रथा मानते हैं। एनआरएआई के मुताबिक इन डिलीवरी ऐप्स की 'ई-कॉमर्स' कंपनियों के पास सभी ग्राहकों के विस्तृत जानकारी होती है। जैसे कि उनके नाम, पता, फोन नम्बर इत्यादि। इतना ही नहीं ग्राहकों द्वारा बारझबार या कबझकब कौन सा भोजन मंगाया जाता है इस सबकी भी जानकारी होती है जो वे रेस्टोरेंट से कभी साझा नहीं करते। एनआरएआई के मुताबिक चूंकि रेस्टोरेंट मालिकों के पास उसके डिलीवरी ऐप्स वाले ग्राहकों की सूची नहीं होती, इसलिए उनको यह नहीं पता चलता कि खाना किस ग्राहक ने मंगाया है। ऐसे में यदि ये डिलीवरी ऐप्स वाली 'ई-कॉमर्स' कंपनियां रेस्टोरेंट के ग्राहकों को तोड़ने का काम कर रही है तो

यह अनुचित व्यापार प्रथा है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि जब इन डिलीवरी वाली 'ई-कॉमर्स' कंपनियों को किसी अदालत या अन्य कानूनी पटल द्वारा लताड़ा न गया हो, लेकिन इस ताजा मामले में क्या होता है यह तो आने वाला समय ही बताएगा। अलबत्ता, एक बात तो तय है कि व्यापार चाहे रेस्टोरेंट का हो या रोजमर्रा के सामान की खरीदारी का, सभी को एक समान अवसर ही मिलना चाहिए। छल और कपट से किया गया व्यापार ज्यादा दिन तक नहीं चलता।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

The many ways America first hurts global trade

When he visits Washington tomorrow, Narendra Modi would need to bank on the excellent personal relationship he enjoys with Donald Trump to stave off possibilities of higher tariffs on more exports from India. Last week, Trump announced plans to impose 'reciprocal tariffs' on many countries, with indications that India could be in the crosshairs. This week, he imposed across-the-board tariffs on steel and aluminium imports that affect India too; but it's not targeted at India alone.

The announcements signal a major escalation of Trump's strategy to dismantle the existing trade order and reshape relationships in keeping with his 'America First' policy. It supports the unilateral use of trade policy instruments to protect the "American economy, the American worker, and national security interests". It disregards the principles of fair play that form the basis of the multilaterally agreed rules for the orderly conduct of global trade. The intent of the new US administration is hardly surprising, as Trump has underlined that "the most important element of [his] plan to make America extraordinarily wealthy again is reciprocity".The first set of tariffs was announced last month against three countries—Canada, Mexico and China. Though the implementation of a 25 percent tariff hike for the US's two neighbours was postponed by a month, the 10 percent hike on China is being levied.In several ways, the America First trade policy is not only an extension, but is a significantly more potent form of trade unilateralism that Trump had pursued during his first term in office. Even before he assumed charge this time, Trump had promised to rewrite trade agreements "to achieve or maintain the general level of reciprocal and mutually advantageous concessions". He had declared that his administration would impose "reciprocal tariffs" on India, arguing, "[I]f they tax us, we tax them the same amount. They tax us. We tax them. And they tax us. Almost in all cases, they're taxing us, and we haven't been taxing them". Trump has clearly been targeting India's relatively higher tariffs and has in the past labelled the country as the "tariff king".Trump's commerce secretary Howard Lutnick emphasised during his recent Senate confirmation hearings that reciprocity was "going to be a key topic for the Trump administration". He favoured the use of across-the-board import taxes to strong-arm trade partners into lowering their tariffs on US exports.

Trump's threat puts at serious risk the agreements on tariff liberalisation that the US entered into with WTO members while acceding to the multilateral trading system. These agreements took into consideration the ability and institutional capacities of countries to adopt lower tariffs, and allowed developing countries like India to maintain relatively higher tariffs to prevent disruption in sensitive sectors.

Thus, India imposes higher tariffs on major agriculture commodities, especially foodgrains, to ensure adequate availability at home, protect the livelihoods of small farmers and promote self-sufficiency. Now, in the name of reciprocity, India could face pressure to lower its high tariffs on farm products, to bring them down to the levels the US imposes. But India must argue that the US never used tariffs to protect its agricultural sector, since the sector has historically benefited from high subsidies that kept prices well below those in the international markets. This would be the foremost challenge of the Modi government.

India may also be targeted as the US president has directed his administration to investigate the causes of US's "large and persistent annual trade deficits in goods, as well as the economic and national security implications and risks resulting from such deficits, and recommend appropriate measures, such as a global supplemental tariff or other policies, to remedy such deficits". India maintains a trade surplus with the US, which has more than doubled during the past five years from $17 billion in 2019-20 to $35 billion in 2023-24.

The urgent need for a national skill census

India's demographic dividend is a fleeting opportunity that must be used in time. A few states have attempted a skill census, but the scale and complexity of a national one demand a concerted effort

India's demographic transition will see it emerge as the most populous nation in the working age group by 2030. However, while the overall unemployment rate is only 4.1 percent, youth unemployment remains a serious issue at above 12 percent. The situation is further enervated by the low share of 4.7 percent of the total workforce having been trained. A National Skill Census might help fill this gap.While caste-based census issues have taken most of the political discourse, Karnataka 2023, along with Haryana and Maharashtra 2024, have found their voters focusing more on jobs, development and safety. The MSME is rising to challenges with schemes like 'Approaches for MSME Development 2024' and a new executive development programme aimed at reducing the skill gap. The India Skills Report 2024 emphasises how skill will determine global competitiveness and inclusive growth, especially with AI steering the future of work in the MSME sector.As of 2020, the Uttar Pradesh government mapped skills within the migrant worker population of about 2.35 million, identifying a skills matrix to facilitate fit job placements for those returning home. The survey incorporated the mapping of 94 categories of labourers to match workers with MSME organisations. In such amicable terms with major industry bodies like the Indian Industry Association and the Confederation of Indian Industry, jobs were promised for about 11.5 lakh workers, with 2.5 lakh by the real estate sector and 7 lakh provided by other sectors.

In May 2021, the Migration and Mobility Partnership Agreement was signed by India and the UK to facilitate legal movement of students and professionals. By 2024, cooperation was focused on scaffolding skills. An important initiative was connecting India's National Career Service portal with the UK job platform.

India and the UAE launched a pilot project to align India's skill development programmes with UAE's job requirements. The NSDC partnered with the UAE's Ministry of Human Resources and Emiratisation to standardise qualifications.In October 2024, the Andhra Pradesh government initiated India's first-ever skill census, which began in the Mangalagiri constituency and Thullur mandal. The initiative was aimed at analysing skill sets across 1,63,421 families to promote employment opportunities and bridge gaps between industry and workforce skills. The data gathering efforts were led by some 675 enumerators with an app called Naipunyam, targeting individuals aged 18-40.

What hampered the pilot run of the app was data collection. To gather the information, the enumerators were supposed to make candidates login with authentication through OTP, but many candidates refused to cooperate and provide their OTPs to the enumerators, thereby slowing down the process. Ritwik Mehta

Looking at these cases, we have been able to identify some main issues we face:1. Existing skill mapping systems often rely on outdated or static data, limiting their ability to adapt to rapidly changing market demands.

2. Limited involvement of industries in designing skill training programmes results in a mismatch between training outcomes and market requirements.

3. States like Andhra Pradesh and Uttar Pradesh have made progress, but many regions lack adequate infrastructure for skilling programmes.4. Most initiatives fail to monitor the long-term impact of skilling efforts on employability and career progression.

5. Women, people with disabilities and other disadvantaged groups face barriers to accessing skill development programmes.

The scale and complexity of a national skill census demand a concerted effort involving key stakeholders. The Ministry of Skill Development and Entrepreneurship (MSDE), NITI Aayog and state skill development missions must spearhead this initiative, supported by industry associations. Educational institutions, vocational training centers, and international organisations like UNESCO and the World Bank can provide technical expertise and funding.

To ensure its success, the census must be executed over three years at an estimated cost of `3,000-5,000 crore.

A Skill India Commission must be established under the MSDE to oversee the census, which should be conducted biennially. A robust survey structure incorporating demographic data, skill categories, and employment trends is crucial.Develop a digital platform akin to Singapore's SkillsFuture portal, incorporating AI for real-time analytics, multilingual support, and offline accessibility to cater to rural populations. A phased rollout across states and Union Territories will ensure manageability and adaptability.Collaborate with industries to design skilling programmes that address market demands, taking cues from Australia's Job Outlook tool to match skills with labour market trends. Establish an independent monitoring body for real-time progress tracking and impact assessments.India's demographic dividend is not a perpetual boon—it is a fleeting opportunity. Without urgent and decisive action, the country risks squandering its potential, perpetuating cycles of unemployment and underemployment. A national skill census is not just a policy option, it is an economic and moral imperative.The time to act is now. Policymakers, industries, and civil society must rally together to ensure India's youth are not merely participants in the workforce but architects of a prosperous future.

Wilful violation: On the Tamil Nadu Governor's conduct

Cutting down on imports a big challenge

The Supreme Court of India's probing questions to the Tamil Nadu Governor, R.N. Ravi, have exposed a pattern of wilful violation of constitutional duty on his part. The questions related to the lawfulness of Mr. Ravi's act in referring to the President of India a set of Bills for which he had earlier "withheld assent", but was constitutionally bound to grant assent after their adoption for a second time by the State Assembly. The Bench was speaking on behalf of everyone when it asked whether Mr. Ravi had referred these Bills to the President only to avoid granting assent, as required by the first proviso to Article 200 of the Constitution. The earlier understanding that the withholding of assent puts an end to the life of a Bill was altered by the Court's judgment in 2023, holding that whenever Governors opt for that course of action, they should return the Bill to the legislature, as required in the proviso; and if passed again by the House, they were bound to grant assent. Faced with queries, the Attorney-General of India (A-G) raised the issue of possible repugnancy with central law. He argued that the Governor had rightly referred these Bills to the President due to an apparent conflict with UGC Regulations, as these Bills seek to change the manner in which university vice-chancellors are appointed.

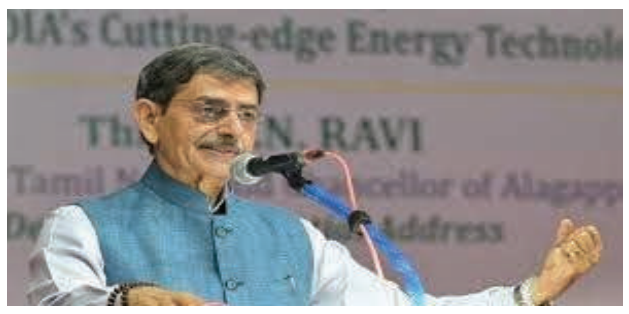

The A-G also maintained that when the Governor had earlier withheld assent, the Bills ceased to exist and the Assembly had presumed that these had been "returned" by the Governor and adopted them a second time. In a related contention, he has also argued that the requirement to return a Bill does not hold good if the issue of repugnancy is noted.These arguments may appear fascinating in determining the right course of action to be followed by Governors in dealing with Bills, and the Bench, which has reserved its judgment, may come up with answers. However, the fact that the Governor has been using his powers to scuttle legislation is quite obvious. He had not acted on some of these Bills for a year or two or expressed his reservations relating to the repugnancy aspect while withholding assent. Also, he ignored the fact that he was bound to grant assent when the Bills were presented to him a second time, but referred them to the President. Even in a 2023 hearing, the Court had questioned whether a Governor, having chosen to withhold assent, could exercise another option by referring the same Bill to the President. Mr. Ravi appears bent on scuttling any law that does not suit his world view. It is time the Union government took note of the challenge his continuance in office poses to constitutional governance in Tamil Nadu.

When the prime minister goes to Washington

Trump is yet to fill some key posts that have a bearing on India-US relations. For now, the two sides are talking at higher levels to reset the course

What do Indian prime ministers and US presidents talk about when they have summit meetings, which have become regular only in the last 25 of the 77 years since independence? Quite often, they lean on each other's shoulders to share experiences because it is quite lonely at the top for those holding high offices.

Barack Obama and Narendra Modi easily broke ice at their first meeting in the residential East Wing of the White House in September 2014, contrary to expectations among aides on both sides. They did this by effortlessly finding common ground as leaders of their respective countries who had stepped into high offices as rank outsiders in their capitals. Modi had never held any elected public office in New Delhi until he became prime minister. Obama was only a first-time senator who had not even completed his term when he was elected president.There was a time when American presidents were condescending and talked down to Indian prime ministers. When Indira Gandhi and Ronald Reagan met for the first time in Cancun in 1981, the president spent most of their 45-minute meeting lecturing the prime minister with a memorable closing line: "India must pull itself up by its bootstraps to survive." Janki Ganju, a family friend and the Indian embassy's one-man lobbyist in Washington for some 30 years, who was with Indira Gandhi, was surprised that she listened to Reagan in silence. When the president finished, her reply was just one crushing sentence: "Mr President, in order for us to pull ourselves up by bootstraps, first we must have boots." End of meeting.

A quarter century later, the roles had been completely reversed. When Manmohan Singh went to Washington on a farewell visit for George W Bush, the president was a deeply troubled man. The global economic meltdown in 2008 had blemished Bush's legacy. It had already been tainted by his ill-conceived war against Iraq and a disastrous attempt to recreate this cradle of civilisation in America's image. As was typical of him, Singh gave Bush a lesson in economics without being patronising. After the prime minister left the White House, their spokesperson said at an informal gaggle that Bush had told Singh he felt comforted and at peace after their conversation. Obama expressed similar feelings to Singh at their lunch in New Delhi in 2010.

It would be a mistake to be judgemental about Modi's ongoing meetings with Donald Trump solely based on the popular caricatures of the new White House occupant. Taranjit Singh Sandhu, who was the ambassador in Washington during Trump's visit to India in 2020, is on record that the incumbent president absorbs his talking points and retains the essence of briefings by his aides. When Sandhu presented his credentials to Trump and again called on him to discuss his visit to India, the ambassador found the president intimately aware of Modi's home state of Gujarat, even about the world's biggest cricket stadium named after the prime minister.The crucial difference between then and now is that today, there are few people in the White House and the state department who are capable or authorised to prepare Trump for dealing with India while Modi is in Washington.The senior director of the National Security Council (NSC) dealing with India and the assistant secretary of state for South and Central Asia normally brief the US president ahead of a visit like Modi's. The ambassador in New Delhi also reaches Washington in time for it. Trump has not nominated an ambassador to India after Eric Garcetti, a Democrat, left the post when Joe Biden failed to win a second term.Till the time of writing this, Trump has not appointed a new NSC director to deal with India. In the absence of a new assistant secretary of state, career diplomat Eric Meyer is the 'senior bureau official' for South Asia. This is his second job at the moment—the first being as chargé d'affaires ad interim at the US embassy in Norway, which is his priority. Meyer was rushed to Washington on 'temporary duty' by new Secretary of State Marco Rubio on January 20, probably because Rubio saw in Meyer's bio-data a stint many years ago as a senior adviser in the state department's South Asia bureau.Ahead of Modi's arrival in Washington, Meyer would have lacked institutional support within the state department. The critical post of deputy assistant secretary for India is vacant; so are the positions of several others who keep the bureau well-oiled and functioning.

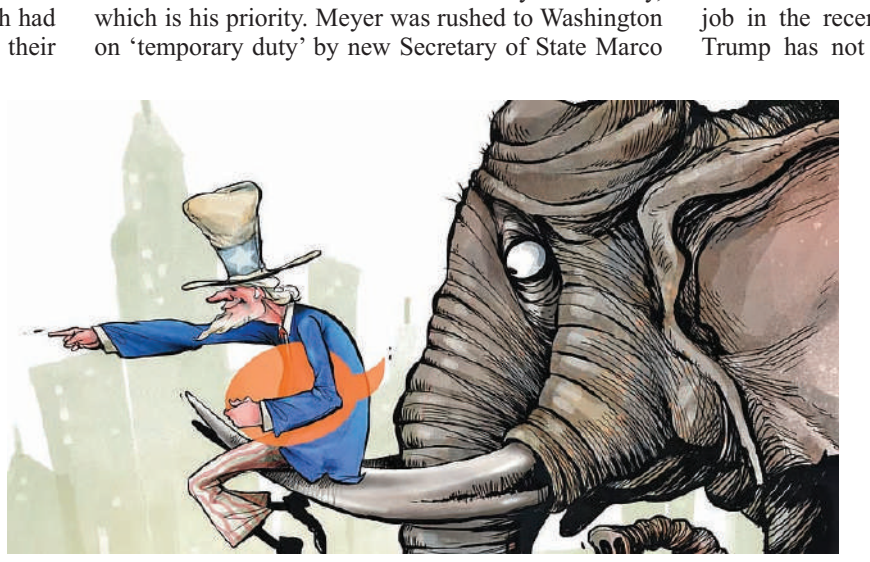

In the commerce department, which provides significant inputs on trade tariffs, not a single senior employee has been confirmed by the Senate. Operationally, the most important commerce post for India's interests would be the combined one of assistant secretary for global markets and director general of the US and Foreign Commercial Service; two successive appointees to the job in the recent past have been Indian Americans. Trump has not even found a nominee for assistant secretary for Indo-Pacific security in the department of defence.It is pertinent to ask if these mid-level officials have any relevance when External Affairs Minister S Jaishankar has been dealing with National Security Adviser Michael Waltz since December and has met Rubio twice. Defence Minister Rajnath Singh spoke to his Pentagon counterpart a few days ago. Vitally, they are the ones who chart the India policy that trickles up the political ladder; they can put up roadblocks, too. The political leadership often does not have the time or inclination to challenge them. And, typically, they are not sheep.In the coming days and weeks, both sides will window-dress the Modi-Trump meeting as the resurrection of their personal chemistry and the starting point of a great relationship for the next four years, concessions by New Delhi to incentivise Trump notwithstanding. Both sides will also repackage Biden's important bilateral initiatives to paint them in Trump's image. Setbacks, if any, will be given a softer face.

This is not to rule out better India-US relations; but the meat in the relationship will take time to cook. If only because, right now, Trump has bigger priorities than India, which cannot make America great or rich, as his favourite slogan demands from the rest of the world.

Sensex, Nifty gain as US-India trade talks show positive signs

New Delhi. Benchmark stock market indices opened higher on Friday as investors hoped for positive outcomes from Prime Minister Narendra Modi's meeting with US President Donald Trump.

The S&P BSE Sensex was up 86.75 points to 76,225.72, while the NSE Nifty50 added 12.50 points to 23,043.90 as of 9:46 AM.

Dr. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services said that early indications from the Modi-Trump talks are positive from the market perspective."The threatened reciprocal tariffs have been delayed leaving room for further negotiations and a possible deal. India's willingness to buy more oil & gas from the US can help reduce the trade deficit with the US. Even though Trump is unlikely to back down on reciprocal tariffs, India is treated as a friendly country and the bonhomie between the two leaders augurs well for India," he added.The oversold market can bounce back in the near-term but a sustained rally is unlikely since the FIIs continue to be on sell mode. Only a decline in dollar and US bond yields will turn the FIIs into buyers. So watch out for this space.The ongoing divergence in the market's preference in favour of largecaps over mid and small caps will continue. Some of the top holdings in small cap mutual funds now are mega caps.

Thomson Reuters wins AI copyright battle in US against Ross Intelligence

NEW DELHI. Thomson Reuters has secured an early legal victory in the ongoing debate over fair use in AI-related copyright cases. The media and technology company sued Ross Intelligence—a now-defunct legal research firm—in 2020, alleging that it unlawfully used content from its legal platform, Westlaw, to train an AI model without authorisation.

Judge Stephanos Bibas of the 3rd US Circuit Court of Appeals ruled a decision on Tuesday that Ross Intelligence was not entitled to use Thomson Reuters' content under US copyright law to develop a competing platform.According to the Associated Press, Bibas, in the summary judgment, concluded that "none of Ross's possible defenses holds water" and ruled in Reuters' favour regarding the "fair use" matter.Under US law, the "fair use" doctrine permits limited use of copyrighted materials for purposes such as teaching, research, or creating a transformative work.In an email to WIRED, Reuters' representative Jeffrey McCoy expressed satisfaction with the verdict, stating that: "We are pleased that the court granted summary judgment in our favor and concluded that Westlaw's editorial content created and maintained by our attorney editors, is protected by copyright and cannot be used without our consent," he wrote. "The copying of our content was not 'fair use.'"Reuters' victory emerges amidst an increasing number of legal challenges initiated by creators, artists and music companies against AI system developers over comparable concerns.The common thread in these legal disputes is the allegation that technology firms utilised vast collections of human-authored content to train their AI systems for generating text that mimics human writing, without seeking authorisation or offering payment to the original content creators.OpenAI and its commercial partner Microsoft are facing copyright infringement lawsuits from renowned authors, including John Grisham, Jodi Picoult, and "Game of Thrones" creator George R.R. Martin, as well as separate legal challenges from major media outlets such as The New York Times, the Chicago Tribune, and Mother Jones.

Adani Green pulls out of 2 Lanka power projects as new govt seeks tariff cuts

NEW DELHI. Adani Green Energy has pulled out of two proposed wind power projects and linked transmission lines, which would have seen a total investment of about $1 billion, in Sri Lanka after Colombo sought to trim the tariff.

The company wrote to Sri Lanka's Board of Investment on Wednesday to convey its decision.

"Adani Green Energy has conveyed its board's decision to withdraw from further engagement regarding these projects. However, we remain committed to Sri Lanka and are open to future collaboration if the govt (there) so desires," a company spokesperson said on Thursday.The agreement for the project was signed in May 2024 when an interim govt headed by President Ranil Wikremesinghe was in office. The project entailed building two wind farms with a total capacity of 484 MW in Mannar and Pooneryn regions along with transmission lines to evacuate power. These were to be completed by 2026.Adani Group finds revised tariff unviableIt came under scrutiny after Anura Kumara Dissanayake won the presidential election in Sept 2024 on anti-corruption plank and a promise to cancel the deal.In Jan, his govt revoked the power purchase agreement along with orders to review the project and renegotiate the tariff from $0.08 per unit to $0.06 or lower.Adani Group found the revised tariff economically unviable, but told the Board of Investments it respected the Sri Lankan govt's sovereign right to review the project.

Explained: Why Senco Gold shares crashed 20% after Q3 results

Senco Gold share price: In the third quarter, Senco Gold reported a nearly 70% drop in consolidated net profit to Rs 33 crore, compared to Rs 109 crore in the same period last year.

New Delhi. Shares of Senco Gold Ltd nosedived 20% in early trade on Friday, touching a nine-month low of Rs 357.60. The sharp decline in its share price came after the firm reported its Q3FY25 results.In the third quarter, Senco Gold reported a nearly 70% drop in consolidated net profit to Rs 33 crore, compared to Rs 109 crore in the same period last year. The sharp decline in net profit was due to the impact of a one-time customs duty reduction."High volatility was observed in gold prices during Q3, recording a 22% YoY increase and a 20% increase since April 2024. However, consumer demand for gold remained robust throughout Q3. The reduction in customs duties during Q2 rather acted as a tailwind for Q3 sales, especially during Dhanteras and Diwali," said Managing Director and CEO Suvankar Sen.Meanwhile, Senco Gold's revenue from operations rose 27% to Rs 2,103 crore. This marked the highest-ever quarterly revenue for the jewellery retailer.On the operational front, EBITDA fell to Rs 79.9 crore in the third quarter, and the adjusted EBITDA for the nine-month period stood at Rs 298 crore, with an adjusted margin of 6%.

The company also reported that its adjusted profit after tax (PAT) for Q3 stood at Rs 53.8 crore.Senco Gold also attributed the drop in profitability to multiple factors, including the impact of lab-grown diamonds, which affected the stud ratio and, in turn, diamond jewellery margins. In addition, higher export sales, which usually have lower margins compared to domestic sales, contributed to the pressure on earnings.Sanjay Banka (CFO), Senco Gold, said, "We remain confident that, given the long-term prospects of the Indian gems and jewellery industry, which is presently worth $85-$90 billion, we will achieve 7-8% EBITDA margins on an annualised basis, excluding any one-off events. The lower EBITDA and PAT margins in the current quarter were due to the customs duty impact, while the adjusted 9-month EBITDA margin stood at 6.0%.""We expect to achieve 7-8% EBITDA margins in Q4 and beyond, based on our brand positioning and operating leverage. Additionally, we aim to boost sales through innovative offerings and premium pricing as the second-most trusted brand in the jewellery domain," he added.Senco Gold currently operates 171 showrooms, including 70 franchise outlets. It has opened 12 new showrooms in the past nine months and plans to launch 8-10 more in Q4. The company is also expanding into the consumer lifestyle segment through its new subsidiary, Sennes Fashion Limited, which will offer premium leather accessories, lab-grown diamond jewellery, and perfumes.

RBI issues notice to halt all financial operations of New India Co-operative Bank

NEW DELHI. The Reserve Bank of India (RBI) has issued a notice to New India Co-operative Bank Limited, Mumbai, restricting it from issuing new loans, accepting fresh deposits, or allowing withdrawals for the next six months.The central bank said the decision was taken due to concerns over the bank's financial health and liquidity.

In its notice, the RBI said, "It is hereby notified for information of the public that... the Reserve Bank of India (RBI) ... has issued certain Directions to New India Co-operative Bank Limited, Mumbai ("the bank"), whereby, as from the close of business on February 13, 2025, the bank shall not, without prior approval of RBI in writing, grant or renew any loans and advances, make any investment, incur any liability including borrowal of funds and acceptance of fresh deposits, disburse or agree to disburse any payment whether in the discharge of its liabilities and obligations or otherwise, enter into any compromise or arrangement and sell, transfer or otherwise dispose of any of its properties or assets except as notified in the RBI Direction dated February 13."

The RBI's move comes after what it called "recent material developments" at the bank. Although the central bank did not provide specific details, it stated that these directions were issued to protect depositors' interests.

New India Co-operative Bank has been struggling with financial losses in recent years. According to its annual report, the bank recorded a loss of Rs 227.8 million in the financial year ending March 2024, following a loss of Rs 307.5 million in the previous year.

The bank's loan book shrank to Rs 11.75 billion as of March 31, 2024, down from Rs 13.30 billion a year earlier. However, deposits showed a slight increase, rising to Rs 24.36 billion from Rs 24.06 billion in the same period.Despite these restrictions, the RBI clarified that this does not mean the bank's licence has been cancelled. The central bank will continue to monitor its financial condition and take necessary actions based on developments.This is not the first time the RBI has taken strict action against a co-operative bank. In 2019, it imposed restrictions on Punjab and Maharashtra Co-operative Bank (PMC Bank) after uncovering financial irregularities, including under-reporting of bad loans. Later, Centrum Financial Services took over PMC Bank under RBI's supervision.

New income tax bill: All your questions answered

NEW DELHI. Finance Minister Nirmala Sitharaman presented the New Income Tax Bill in Parliament on Thursday, in order to simplify the country's six-decade old Income Tax Act, 1961. The new bill aims to simply and streamline the current bill for easier comprehension.

WHAT IS THE NEED FOR A NEW INCOME TAX BILL?

The Income Tax Act of 1961, has become voluminous and complex owing to frequent amendments over the years. It had grown to 47 chapters, 819 sections, 18 tables and 6 formulae and consisted of 512,535 words, making it complicated for taxpayers to follow.

On the other hand, the new bill, compared to the old structure, is nearly half the size, containing 259,676 words, 23 chapters, 536 sections, 57 tables and 46 formulae.Dinesh Kanabar, CEO, Dhruva Advisors said "The Income Tax Act of 1961 had evolved into an intricate web of amendments, making compliance a challenge. The Income Tax Bill of 2025 is a much-needed reform that simplifies this complex framework, making tax laws more accessible and transparent. By eliminating redundant provisions and restructuring the Act for clarity, the Bill paves the way for a more efficient and litigation-free tax regime.

WHAT IS THE AIM OF THE NEW BILL?

The new bill aims to remove complicated language which makes it difficult for taxpayers to comprehend. It aims to use simpler language for better understanding and enhanced readability.The new income tax bill removes duplication and cuts out redundant and unnecessary provisions and recognises sections logically for improved clarity and easier reference.CA (Dr.) Suresh Surana said, "The move to streamline the provisions of the Income Tax regulations was much awaited considering that it may not be easy for a layman to comprehend its provisions and there has been a long history of pending litigations at various appellate authorities. This also aligns with the government's efforts to ease the administrative aspects of doing business and the commitment of the tax department to "trust first, scrutinise later".

HOW WILL THE NEW BILL BENEFIT TAXPAYERS?Sitharaman while presenting the Union Budget 2025, said, "The new bill will be clear and direct in text with close to half of the present law, in terms of both chapters and words. It will be simple to understand for taxpayers and tax administration, leading to tax certainty and reduced litigation."The new bill reduces confusion as it makes use of simplified language and does away with repetitive provisions.It makes use of tables and formulae for enhanced readability, thus making the tax law more concise, clear, and reader-friendly.

JioCinema, Disney+ Hotstar merge to launch JioHotstar: What it means for you

New Delhi. JioCinema and Disney+ Hotstar have officially merged to create a new streaming platform, JioHotstar. The new service was launched on 14 February by JioStar, a joint venture between Reliance Industries and The Walt Disney Company.The merger brings together two of India's most popular streaming platforms, combining their content libraries, sports coverage, and technology to offer a wider range of entertainment.

India's OTT market has been growing rapidly. According to a report by Equentis Research, the market was valued at $200.5 billion in 2022 and is expected to reach $836.5 billion by 2032, growing at an annual rate of 17.2%. The increasing demand for digital content and competition among streaming platforms are driving this growth.Kiran Mani, CEO - Digital at JioStar, said the platform is designed to allow users to experience its content without the need for an immediate subscription."The idea is to allow every consumer to sample our content extensively," Mani said. "JioHotstar invites everyone to come and watch their favourite content without the need for a subscription. We want users to experience a full journey, whether it's a cricket match or a popular TV series."JioHotstar has introduced a new subscription model. Existing Disney+ Hotstar subscribers will continue with their current plans without any changes. The pricing for these plans is Rs 149 for mobile, Rs 299 for the Super plan, and Rs 349 for the Premium (Ad-Free) plan for three months.Meanwhile, JioCinema Premium users will be upgraded to JioHotstar Premium for the remaining duration of their subscription. Kevin Vaz, CEO - Entertainment at JioStar, confirmed that "our pricing remains familiar—for example, Rs 149 for mobile subscriptions for a quarter and Rs 499 a quarter for the ad-free experience."The new platform will offer a wide range of content, including Hollywood films and series from NBCUniversal Peacock, Warner Bros, Discovery, HBO, and Paramount.This makes JioHotstar the only platform in India to feature content from multiple global studios in one place. In addition to entertainment content, the platform will stream major cricket tournaments like the IPL, WPL, and ICC events, as well as international sporting events like the Premier League, Wimbledon, Pro Kabaddi, and ISL.JioHotstar has introduced several advanced features to improve the viewing experience. These include 4K streaming, AI-powered insights, real-time stats overlays, multi-angle viewing, and special interest feeds.

Nasdaq rises over 1% on inflation relief; Tesla soars 6%, Nvidia up 4%

New Delhi. The Nasdaq and other major US stock indices moved higher on Thursday, boosted by a strong rally in Tesla and Nvidia shares. Investors reacted positively to the latest inflation data, which showed a smaller-than-expected increase in producer prices, easing concerns about aggressive interest rate hikes by the US Federal Reserve.The Nasdaq Composite jumped 1.5%, the S&P 500 gained 1.04%, and the Dow Jones Industrial Average rose 0.77%.Tesla's stock surged 5.21%, while Nvidia climbed 3.29%, helping to lift the broader market. Apple also saw a 1.68% gain, contributing to the positive momentum.The Producer Price Index (PPI) for final demand rose 0.4% in January, following an upwardly revised 0.5% increase in December. This was slightly higher than economists' forecasts of 0.3%, but investors viewed the data as a sign that inflationary pressures may be stabilising.In the 12 months through January, the PPI rose 3.5%, compared to 3.3% in December. While the data showed inflation remains present, the revisions to previous months indicated that past inflation may have been higher than earlier estimated.

"The revisions indicated higher inflation in the past, which makes today's unexpectedly high inflation number look small in comparison," said Kim Forrest, Chief Investment Officer at Bokeh Capital Partners.Bond yields reacted to the inflation data, with the 10-year US Treasury yield falling to 4.55%. Lower bond yields often make stocks more attractive to investors.

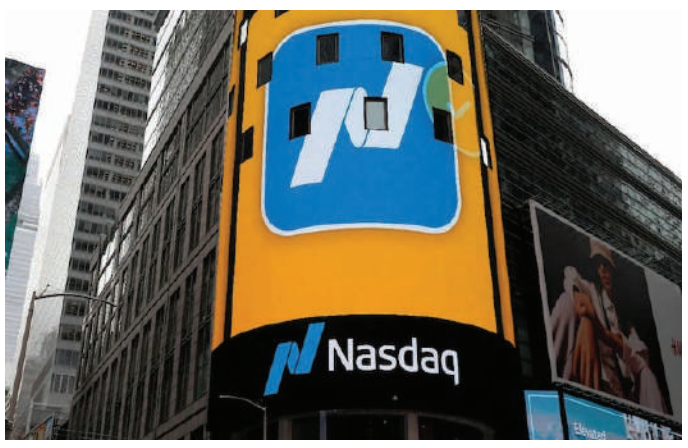

Before the inflation report, traders believed there was a nearly 60% chance that the US Federal Reserve would hold interest rates steady until July. After the data release, that probability dropped to 52%, showing some uncertainty about when the central bank may start cutting rates.Investors have been closely watching economic data to gauge the Fed's next moves. On Wednesday, the Consumer Price Index (CPI) report showed the highest increase in prices in nearly a year and a half, reinforcing the Fed's stance that it will not rush into rate cuts.The Personal Consumption Expenditures (PCE) Price Index, the Fed's preferred measure of inflation, also showed strong price growth in its last reading. Many analysts believe that if inflation remains high, the Fed may delay rate cuts longer than expected.

US LABOUR MARKET REMIANS STABLEIn a separate report, the number of Americans filing for unemployment benefits declined last week, suggesting that the job market remains strong. A healthy labour market supports consumer spending, which is a key driver of economic growth.Among individual stocks, Nvidia rose $4.32 to $135.46, Tesla gained $17.53 to $354.04, and Apple added $3.99 to $240.86.Seven out of the 11 major S&P 500 sectors ended higher, led by consumer discretionary and materials stocks.Meanwhile, some companies struggled despite the market rally:Trade Desk fell 31.4% after the ad tech company's revenue forecast for the first quarter missed analysts' expectations.Deere & Co. dropped 3.3% as the farm-equipment maker reported a 35% decline in quarterly revenue, missing Wall Street estimates.On the other hand, some companies reported strong results:

Cisco Systems gained 2.4% after raising its annual revenue forecast.Robinhood Markets jumped 11.9% as the online trading platform reported better-than-expected fourth-quarter profits.

Avancing stocks outnumbered declining ones by a 2.56-to-1 ratio on the New York Stock Exchange (NYSE) and by a 1.61-to-1 ratio on the Nasdaq.

BJP has no intention of fulfilling promises made to Delhiites: Atishi

Atishi said that the CAG had also admitted that Delhi is a Revenue Surplus State under the Kejriwal government.

NEW DELHI. Outgoing Chief Minister Atishi on Friday alleged that the BJP has no intention of fulfilling the promises made to the people of Delhi during the assembly elections. She accused the BJP of only wanting to loot by making the excuse of financial crisis.

She said that the AAP government has handed over a strong economy to the BJP in Delhi. "As the outgoing CM, today I want to present to the people of Delhi the economic growth that has taken place over the last 10 years so that during the BJP's tenure, they can't come up with excuses and must fulfill the promises made to the people," Atishi said.

"The AAP government was formed in 2015. At that time, Delhi's total budget was Rs 31,000 crore—whereas in 2009, the budget was Rs 25,000 crore, which in five years increased by Rs 6,000 crore to reach Rs 31,000 crore. After the AAP government came to power, the budget further rose from Rs 31,000 crore in 2014-15 to Rs 77,000 crore in 2024-25," Atishi added. In such a situation, it is now the

responsibility of the BJP government to fulfill its promises and especially to fulfill the promise of giving Rs 2500 rupees per month to women in the first cabinet meeting. So that by March 8, the first installment of Rs 2500 reaches the accounts of women as per their promise, the caretaker CM said. Atishi said that the CAG had also admitted that Delhi is a Revenue Surplus State under the Kejriwal government. Notably, the outgoing Chief Minister had on Thursday claimed that within 3 days of AAP being ousted from power in Delhi, more than 40 outages were reported from different areas of the city and people have now started buying inverters.

Delhi BJP President Virendra Sachdeva, however, said that there is no power outage anywhere in Delhi and the only issue is that the acting CM and the power discoms have colluded in a way that unnecessary delays are being caused in fixing breakdowns here and there.Atishi, in a press conference, had slammed the BJP for its mismanagement, stating that Delhi, which once had a stable power supply, is now witnessing a situation akin to Uttar Pradesh, where frequent and prolonged power outages are common.

She warned that if such blackouts are happening in February, the peak summer months could bring an even more severe electricity crisis.

Part of Telangana secretariat falls on car, ministers demand probe into collapse

A portion of the newly constructed Telangana Secretariat building collapsed, damaging a parked vehicle and raising concerns over the structural integrity of the Rs 1,000 crore complex. The incident occurred late on Wednesday night when a section of the railing from the fifth floor of the South Block fell onto the new car of Ramagundam Agriculture Market Committee Chairman. Fortunately, there were no injuries as no people were present near the spot.

The Telangana government has taken a serious view of the cracks that have developed in different parts of the Dr BR Ambedkar Telangana State Secretariat, which was inaugurated by the then chief minister K Chandrashekar Rao on April 30, 2023. Reports suggest that staff members have previously complained about leaking roofs and cracks forming on multiple floors of the building.

The Secretariat, initially estimated to cost Rs 212 crore, saw its budget escalate beyond Rs 1,000 crore under the previous Bharat Rashtra Samithi (BRS) regime. The then Roads and Buildings (R&B) department justified the increased expenditure, citing state-of-the-art facilities and a model administrative setup. However, recent lapses in construction quality have prompted strong reactions from government officials.

R&B Principal Secretary Vikas Raj expressed dissatisfaction over the lack of prompt reporting on the issue, instructing officials to submit a comprehensive report detailing construction deficiencies. Roads and Buildings Minister Komatireddy Venkat Reddy also criticised the developments and held the contracting agency, Shapoorji Pallonji, accountable for the situation.

In response, Shapoorji Pallonji and Company Pvt Ltd clarified that the collapse was not due to construction defects but resulted from drilling for cables and lighting, which damaged the Glass Reinforced Concrete (GRC) frame.

Two more US flights with illegal migrants to land in Punjab on February 15-16

New Delhi. Two more special flights from the United States carrying illegal Indian immigrants will land in Punjab's Amritsar over the weekend, according to a written communication sent by the Ministry of External Affairs to the Bureau of Civil Aviation. The development comes on a day Prime Minister Narendra Modi raised the issue with US President Donald Trump and underscored that India was fully prepared to take back "verified" citizens living in America illegally.

Jamia students detained amid protest over action on PhD scholars for anti-CAA stir anniversary event

NEW DELHI. Several students from Jamia Millia Islamia (JMI) were detained by Delhi Police on Thursday during a sit-in demonstration against the university's disciplinary action against two PhD scholars.

The protests, which began on Monday, was in response to the administration's action against two scholars accused of organising a demonstration last year to mark the anniversary of the 2019 anti-CAA protests. Students alleged that the disciplinary actions were unjust, prompting them to occupy the academic block in defiance.

In an official statement, JMI confirmed that the protesting students were removed from the campus with police assistance. The university accused them of disrupting academic activities, damaging property, and obstructing access to the Central Library and classrooms, especially with mid-semester exams approaching.

"A handful of students called for an unlawfully gathering in the academic block since the evening of February 10, 2025. They have not only disturbed peaceful conduct of classes in the academic block of the university but also prevented students from accessing the Central Library and attending classes at a time when mid semester exams are about to begin," JMI stated.

The administration further alleged that the demonstrators vandalised campus property, including the central canteen, and forcibly broke the gate of the security advisor's office. It claimed that students violated university regulations and were found carrying "objectionable contraband items."Meanwhile, protesting students claimed their families were being contacted by the police after the university filed a complaint.

Son, accomplice househelp held for father's murder over property dispute

NEW DELHI. A long-standing family dispute over property led to the murder of a 67-year-old man, allegedly planned by his son with the help of the family's servant, an official said on Thursday, adding that, the body was found in a gunny bag and in a decomposed state, officials said.

According to cops, Bharadwaj's son, Love Bharadwaj, was reportedly distressed over the possibility of being evicted from the family home due to his love marriage after his father sought legal intervention.

Fearful of losing his residence, Love conspired to kill his father. "Bharadwaj had left for Narela on his scooter on January 28 but never returned. During the investigation, it was found that he was last seen with his long-time servant, Jitender. A team interrogated multiple people and discovered that Bharadwaj had been visiting a rented flat where Jitender lived. Jitender and his son Vishal were found missing, and Vishal's phone was switched off," DCP (Outer North) Nidhin Valsan said.

Police traced a number linked to Vishal, which was active on social media. Using technical surveillance, Vishal was nabbed, and during questioning, he confessed to the crime. He revealed he, along with his father Jitender, had murdered Bharadwaj on January 28.

Will leave Bangladesh to PM Modi: Trump junks 'deep state' meddling rumours

Modi-Trump meet: The unrest in Bangladesh and the subsequent attacks on minority Hindus were among the topics discussed by Prime Minister Narendra Modi during his bilateral with Donald Trump.

New Delhi. US President Donald Trump on Friday put an end to rumours of the US "deep state" interfering in the affairs of Bangladesh while putting the ball in the court of India to deal with its neighbour amid souring ties. The unrest in Bangladesh and the subsequent attacks on minority Hindus were among the topics discussed by Prime Minister Narendra Modi during his bilateral with Trump.

Responding to questions from reporters on the crisis in Bangladesh, Trump said, "There was no role for our (US) deep state. This is something that the Prime Minister has been working on for a long time and has been working on for

hundreds of years. I will leave Bangladesh to the Prime Minister."

Trump's remark signals that the US won't intervene in the political landscape in Bangladesh, which has undergone several changes following violent student-led protests, leading to the fall of the Sheikh Hasina government.

The daily affairs are now being overseen by an interim government led by Muhammad Yunus, whose tenure has been marked by attacks on Hindus, imprisonment of monks, and vandalisation of hundreds of temples.Trump had also raised the issue after winning the presidential polls last November, calling the violence against Hindus and Christians "barbaric".

Hasina had last year accused the US of orchestrating her ouster for refusing to allow a US airbase on St Martin's Island, a strategic location in the Bay of Bengal.At a press briefing later, Foreign Secretary Vikram Misri delved into the subject, saying India hoped to "pursue relations in a constructive and stable way".

Trump nod to extradite 26/11 attack accused Tahawwur Rana. What comes next?

Government sources said all legal documents and warrants have been issued and shared with US authorities. Now that the US has given the green light, officials are finalising the date and time of Tahawwur Rana's transfer.

New Delhi. President Donald Trump said he'd given the go-ahead to extradite Tahawwur Rana, accused in the 26/11 Mumbai terror attacks, to India while hosting Prime Minister Narendra Modi at the White House on Thursday. Trump's decision follows a US Supreme Court ruling last month dismissing Rana's review petition, clearing the way for his extradition.

Addressing a joint press briefing with PM Modi, Trump said his administration had approved the extradition of one of the "very evil people" of the world.

"He is going to be going back to India to face justice," Trump said. "We're giving him back to India immediately," he added, noting that more such extraditions could follow as the US has "quite a few requests" from New Delhi.

Indian Foreign Secretary Vikram Misri confirmed that the government is working on the logistics of Rana's surrender and extradition from the US.

"This is an issue on which the US

authorities have taken very clear decisions," Misri said. "We are working on the logistics of his surrender and extradition to India. There are a few final steps to be completed. The two sides are in touch on this particular issue."

Government sources said all legal documents and warrants have been issued and shared with US authorities. Now that the US has given the green light, officials are finalising the date and time of Rana's transfer.

According to sources, the Ministry of External Affairs is coordinating with American counterparts, and a team from the National Investigation Agency (NIA) is expected to travel to the US once clearance is granted.

Indian officials are hopeful Rana will be brought back within weeks. Upon arrival, he will be produced before a special NIA court, where authorities plan to seek his custody for further questioning, sources said.

Meanwhile, Prime Minister Modi praised Trump's decision to extradite Rana, likening the Mumbai attacks to "genocide" and pledging that "appropriate action" would be taken against him in Indian courts.

The joint India-US statement issued following PM Modi's meeting with Trump also reaffirmed both nations' commitment to combating terrorism and eliminating terrorist safe havens worldwide."India and the US will stand strongly together in the fight against terrorism," PM Modi said.

Impact of US immigration raids on Indians: What visa applicants need to know

New Delhi. The United States government, under the Donald Trump administration, launched a massive crackdown on illegal immigrants, deporting thousands of undocumented immigrants back to their countries. A flight with 109 Indians without documents landed in Amritsar and two other flights are expected to land in the next two days. The deportation of immigrants has raised concerns among people, leaving thousands anxious.

Even as India has agreed to take back all verified, there are concerns among those who are in the US or are pursuing avenues for immigration. The US immigration system continues to be one of the most sought-after globally, and while there are challenges, opportunities for lawful immigration still exist. Varun Singh, Managing Director of XIPHIAS Immigration, one of India's leading global immigration consultancies, recognised that the current climate can be unsettling for many applicants, both inside and outside the US. However, he noted that "it's crucial to understand that they do not target those pursuing legitimate legal avenues for immigration."

"For applicants in the US, it is essential to ensure that your visa status and documentation are in full compliance with US immigration law. This includes making sure that your visa has not expired and that you are adhering to the specific terms of your stay. Non-compliance can lead to severe consequences, including deportation.

If you are uncertain about your status or your next steps, it is strongly recommended to consult with an immigration expert immediately to evaluate your situation," Varun Singh said while speaking .

People who are pursuing lawful immigration options have nothing to worry about as the US Citizenship and Immigration Services (USCIS) and other agencies are still processing legitimate applications. For such people, there are established legal pathways for those wishing to come to the US to work, study, or invest.

Given the change in administration in the US and the sweeping announcements that Trump administration continues to make, people are advised to stay updated any changes to immigration law or policy to avoid any complications.

BJP's 10 major challenges in Delhi after historic win

After a historic win in Delhi, BJP faces the challenge of fulfilling promises like cleaning the Yamuna, offering freebies, and improving infrastructure while balancing a tight budget.

New Delhi. After securing a historic victory in Delhi, the Bharatiya Janata Party (BJP) now faces its biggest challenge - fulfilling its ambitious electoral promises while balancing the state's financial health.

The party campaigned on issues like cleaning the Yamuna, tackling garbage piles, improving roads, water supply, and sanitation, while highlighting the unfulfilled promises of the Aam Aadmi Party (AAP). In its manifesto, the BJP promised to fulfil Arvind Kejriwal's incomplete pledges and offered several freebies. Now, with Delhi's voters ending the BJP's 27-year-long wait, the party faces the daunting task of delivering on these promises.

BJP's key promises include providing Rs 2,500 a month to poor women, Rs 21,000 one-time aid to pregnant women, LPG cylinders for the poor at Rs 500, and Rs 2,500 pension for senior citizens (Rs 3,000 for those over 70), and free education from kindergarten to postgraduate levels for children from poor families.

However, fulfilling these promises will be challenging given the limited budget and Delhi's financial situation, although BJP holding power at the Centre may ease the burden for BJP government in Delhi.

DELHI'S FINANCIAL SITUATION

According to Delhi government data, the projected tax revenue for the state in 2024-25 is Rs 58,750 crore, while the total budget is Rs 76,000 crore. The education budget is Rs 16,396 crore, accounting for 22% of the total. Other significant expenditures include housing, urban development, healthcare,

transportation, and welfare programs. However, two-thirds of the budget is already allocated for salaries, pensions, and administrative costs, raising concerns about a potential deficit. By the end of this financial year, the expected revenue from taxes and other sources is estimated to drop from Rs 64,142 crore to Rs 62,415 crore. Looking at the BJP's electoral promises, the scheme to provide Rs 2,500 financial aid per month to women is expected to cost around Rs 11,000 crore annually. Delhi has an estimated 24.4 lakh senior citizens, so, offering Rs 2,500 monthly (Rs 3,000 for those over 70) would require an additional Rs 4,100 crore per year.

YAMUNA: A COSTLY CHALLENGE

The cost of cleaning the Yamuna alone has exceeded Rs 8,000 crore in recent years, but the river remains in a deplorable state in Delhi. Upgrading Delhi's government hospitals would require an estimated Rs 10,200 crore. Additionally, completing the third phase of the Delhi Metro expansion and developing the fourth phase will cost Rs 2,700 crore.

NEWS BOX

Will asteroid 2024 YR4 hit earth in 2032? Experts reveal how they monitor its path

World. The threat of a newly discovered asteroid has risen slightly in the past few weeks, as the world's telescopes rush to track its course. But the chance of an impact is still quite slim.New calculations suggest there's a 2% chance the space rock 2024 YR4 will smack Earth in 2032. This also means there's a 98% chance it will safely pass our planet. The odds of a strike will almost certainly continue to go up and down as the asteroid's path around the sun is better understood, and astronomers said there's a good chance the risk likely will drop to zero.NASA and the European Space Agency's Webb Space Telescope will observe this near-Earth asteroid in March before the object disappears from view. Once that happens, scientists will have to wait until 2028 when it passes our way again.

What's an asteroid?

Asteroids are space rocks orbiting the sun that are considerably smaller than planets. Scientists believe they're the leftovers from the solar system's formation 4.6 billion years ago.There are so many asteroids orbiting between Mars and Jupiter — millions of them — that this region is known as the main asteroid belt. They sometimes get pushed out of the belt and can end up all over the place — like this one.

How do scientists track potentially dangerous asteroids?

A telescope in Chile discovered the asteroid 2024 YR4 in December. It's estimated to be 130 feet to 300 feet (40 meters to 90 meters) across. Observations by the Webb telescope should provide a more precise measurement, according to NASA.

NASA and the European Space Agency initially put the odds of a strike at just over 1%. By Thursday, it had risen to roughly 2%. NASA describes that as still "extremely low."Until scientists have a better understanding of the asteroid's path around the sun, they caution the odds will continue to fluctuate — and quite possibly fall to zero."You don't have to be worried about anything. It's a curiosity," said Larry Denneau, senior software engineer with the University of Hawaii's asteroid impact alert system that first spotted the asteroid. "Don't panic. Let the process play out, and we'll have a for-sure answer."

Chinese Cargo Ship Runs Aground Off Russia's Sakhalin, No Spill Reported

Moscow. The governor of Russia's Pacific island region of Sakhalin has declared an emergency after a Chinese cargo ship ran aground off its southwest coast.

There was no danger to the crew of the An Yang 2, which is carrying coal and heavy fuel oil, Gov. Valery Limarenko said in a post on Telegram on Sunday. Russia's emergencies ministry said 20 crew were aboard. Limarenko said that no fuel spillage was recorded, but local authorities had to be prepared for any scenario. Bad weather has prevented access by rescue teams to the bulk carrier, which is stranded in shallow waters off Sakhalin's Nevelsky district, he added.

TRENDING NOW

Regional authorities said they were preparing to pump fuel out of the damaged vessel, marooned some 200 meters (650 feet) offshore.

Earlier this year, hundreds of volunteers in southwestern Russia spent weeks trying to contain a massive fuel oil spill from two storm-stricken tankers in the Kerch Strait near Crimea. The Sakhalin region, which is located in Russia's Far East, comprises a large island of the same name and the four Kuril Islands, the subject of a decades-long territorial dispute between Russia and Japan that has prevented

Crypto Kingpin Alexander Vinnik Returns To Moscow In Russia-US Prisoner Swap

Washington, United States. The United States has released Russian cryptocurrency kingpin Alexander Vinnik, as part of an exchange deal that saw Moscow free US teacher Marc Fogel, a senior US official said Thursday.The official told AFP that Vinnik, who pleded guilty in May 2024 to conspiracy to commit money laundering, "was handed over to Russian officials."US President Donald Trump's government has hailed the prisoner exchange as a positive sign for diplomacy between the two countries and for possible negotiations over an end to the Ukraine war.

Trump's overtures to Putin in particular have caused alarm in Europe, which has viewed Russia as a major threat since the invasion of Ukraine.

Trump revealed Wednesday he expected to meet Putin in Saudi Arabia for Ukraine peace talks, in a sudden thaw in relations.Vinnik was extradited to the United States from Greece in August 2022, hours after he had been released from a French jail. He was the operator of BTC-e, one of the world's largest cryptocurrency exchanges that processed more than $9 billion in transactions, according to US court documents.The US Justice Department had previously called the exchange "one of the primary ways by which cyber criminals around the world transferred, laundered, and stored the criminal proceeds of their illegal activities."

Trump Begins Firing Probationary Staff In A Move To Shrink Federal Work Force

Washington, United States. US President Donald Trump's administration has reportedly begun laying of f probationary employees as it moves to the next stage of its plans to aggressively shrink the federal workforce. More than 200,000 recently hired federal workers are currently serving out their probationary period, according to the most recently available government data.The Trump administration directed agency heads to terminate most trial and probationary staff, who have fewer civil service protections, US media reported Thursday.An employee who was laid off from her job at the United States Office of Personnel Management (OPM) told AFP on condition of anonymity that she had been fired during a video call to which close to 100 employees had been invited.The employee, and several other participants, were still serving out their probationary periods. All were told they were being let go for performance purposes.Shortly after the call ended, the

employee received a letter from acting OPM director Charles Ezell confirming she had been fired. Her access was cut off less than an hour later.Spokespeople for OPM and the White House press offices did not immediately respond to a request for comment.Thursday's actions follow a White House push -- led by OPM -- to shrink the number of government workers by offering them eight months' pay to resign.The email with the resignation offer, titled "Fork in the Road," also noted that those who did not accept risked being let go in future culls.More than 65,000 federal employees accepted the buyout offer from OPM, the White House said.One employee at the US Department of Housing and Urban Development (HUD) who spoke with AFP, reported accepting the OPM's offer to resign out of concern of otherwise being fired."This was my dream job," said the employee, who was not on probation but who had been at HUD for less time -- and thus had less job security -- than many other colleagues."It just became very clear to me that the writing is on the wall," the employee said."I might as well take the best cushion I have to put myself in the best situation to take the time I need to find a new position."

US State Department halts plan to buy $400M worth of armored vehicles from Musk's Tesla

FORT LAUDERDALE. The US State Department had been in talks with Elon Musk's Tesla company to buy armored electric vehicles, but the plans have been put on hold by the Trump administration after reports emerged about a potential $400 million purchase.A State Department spokesperson said the electric car company owned by Musk, who has become President Donald Trump's billionaire adviser aiming to dismantle agencies and downsize the federal workforce, was the only one that expressed interest back in May 2024, when Joe Biden was president.While it was in its planning phases, the deal with Tesla was forecast to be the largest contract of the year. It shows how some of Musk's wealth has come and was still expected to come from taxpayers before the plans were put on hold.

His companies obtain hundreds of millions of dollars each year in contracts. SpaceX has secured nearly $20 billion in federal funds since 2008 to ferry astronauts and satellites into space. And Tesla had already received $41.9 million from the US government,

including payment for vehicles provided to some US embassies.

No government contract had been given to Tesla or any other manufacturer to produce armored electric vehicles for the Department of State, the agency said.The Biden administration had tasked the State Department to gather information from potential suppliers to buy these vehicles in September. An official request for bids was to be released in May, according to State Department data from December. But that solicitation is now on hold with no plans to issue it, the State Department said.After reports emerged about the plans to buy from Tesla, the State Department changed the data entry on its expected contracts forecast for fiscal year 2025 late Wednesday.The State Department said it should have been entered into the system as a generic "electric vehicle manufacturer," but there is at least another entry for a different purchase that continues to list a company—German car manufacturer BMW.

30 Injured As Car Rams Into Them In Germany, Afghan Asylum Seeker Arrested

Munich, Germany. Police arrested an Afghan asylum seeker at the scene of what German leaders labelled a car ramming "attack" Thursday that wounded 30 people, some seriously, in the southern city of Munich. The carnage came on the eve of an international security conference in the Bavarian city and amid a heated debate in Germany on immigration ahead of February 23 elections following similar attacks.The Mini Cooper car barrelled into a trade union demonstration, leaving victims and their belongings scattered. Shoes, glasses and an infant stroller were left in the street.Munich mayor Dieter Reiter said a number of people were being treated for severe injuries and were in a "life-threatening condition".

Media reported that children were among the victims.Police fired a shot at the battered car and detained the driver, a 24-year-old Afghan asylum seeker who was identified by German media as Farhad N.Chancellor Olaf Scholz condemned the "awful" attack and promised severe consequences. "From my point of view it is quite clear: this attacker cannot count on any mercy, he must be punished and he must leave the country," Scholz told reporters.

The latest injuries followed a deadly car rampage at a Christmas market in the eastern city of Magdeburg in December.Alexa Graef, a witness, said she saw the car drive into the crowd, "which looked deliberate"."I hope it's the last time I see anything like that," said Graef, whose office overlooks the junction where the car struck.Police inspected the cream-coloured car, leading sniffer dogs around the Mini and said the Afghan suspect, who lived in Munich, was arrested at the scene. The authorities have "indications of an extremist motive" and the investigation had been handed over to the regional prosecutor's office, police added.

News outlet Der Spiegel, citing security sources, reported that the man was believed to have posted Islamist content online before the attack.

The suspect was said to have arrived in Germany in 2016 at the height of the mass migrant influx to Europe.

His asylum request was rejected by German authorities but he found work and was able to remain legally in the country, according to officials. Bavaria state premier Markus Soeder told journalists that the incident was "just terrible"."This is not the first incident... we must show determination that something will change in Germany," said Soeder, whose CSU party is allied with the conservative CDU at the national level.

Inflamed debate

The CDU/CSU alliance, which polls suggest is on track to win this month's election, has called for tougher curbs on immigration after the recent attacks. Under pressure even before the election was called, Scholz's government had moved to make asylum rules stricter and speed up deportations, including to Afghanistan.Visiting Munich after the attack, Interior Minister Nancy Faeser vowed to do everything possible to ensure more deportations to Afghanistan while acknowledging it was a "very difficult country".In August the German government sent back the first Afghans to their home country since the Taliban government's return to power in 2021. It had faced pressure then following a deadly knife attack allegedly committed by a Syrian man.

Senate panel advances nomination of Kash Patel, Trump's pick to lead the FBI

WASHINGTON. The Senate Judiciary Committee voted along party lines on Thursday to advance the nomination of Kash Patel, Donald Trump's pick for FBI director, pushing past Democratic concerns that he would operate as a loyalist for the president and target perceived adversaries of the White House.

The committee voted 12-10 to send the nomination to the Republican-controlled Senate for full consideration.

A final confirmation vote is likely next week. So far even nominees once seen as having uncertain prospects — including new Defense Secretary Pete Hegseth, Tulsi Gabbard, the director of national intelligence, and Health and Human Services Secretary Robert F. Kennedy Jr. — have been able to marshal sufficient support from Republicans eager to fall in line with Trump's agenda.Patel has raised alarm for his lack of management experience compared to other FBI directors and because of a vast catalog of incendiary past statements, which include calling investigators who scrutinized Trump "government gangsters" and describing at least some defendants charged in the Jan. 6, 2021 riot at the U.S Capitol as "political prisoners."

At his confirmation hearing last month, Patel said Democrats were taking some of his comments out of context or misunderstanding the broader point that he was trying to make, such as when he proposed shutting down the FBI headquarters in Washington and turning it into a museum for the so-called "deep state." And Patel denied the idea that a list in his book of government officials who he said were part of a "deep state" amounted to an "enemies list," calling that a "total mischaracterization."Patel, who was selected by Trump in November to replace Christopher Wray as FBI director, would inherit an agency riven by turmoil amid the recent forced departures of a group of senior executives and by a highly unusual Justice Department demand for the names of all agents who participated in investigations related to Jan. 6.

A letter this week from Sen. Dick Durbin, the top Democrat on the committee, cited undisclosed sources in saying that Patel was covertly involved in that process despite telling the panel at his confirmation hearing that he was unaware of any plans to fire agents. A Patel spokeswoman called the allegations "second-hand gossip" aimed at pushing what she said was a "false narrative."Democrats on Thursday portrayed Patel as a dangerous and inexperienced loyalist who would abuse the FBI's law enforcement powers at a time when the country is facing an escalated threat including from China and international terrorism."This is a guy whose judgment is beyond questionable. It's appallingly bad," said Democratic Sen. Sheldon Whitehouse of Rhode Island. He added: "Mark my words: this Patel guy will come back to haunt you."Durbin told his colleagues "we are inviting a political disaster if we put Kash Patel into this job."Addressing Republicans on the committee, Durbin said, "I know you want to be loyal to your president. I know you want to vote for all his nominations.

Trump Offers To Help End India-China Border Dispute. Centre Says This

Washington. India has asserted that it would follow a bilateral approach to resolve its border disputes with China after President Donald Trump offered to mediate an end to the "border skirmishes". The President's offer came after he held bilateral talks with Prime Minister Narendra Modi at the White

During a joint news conference with PM Modi, President Trump noted that the skirmishes were quite violent - and that he would like to help."I look at India, I do see the skirmishes on the border, which are quite vicious, and I guess they continue to go on. If I could be of help, I'd love to help because that should be stopped. That's been going on for a long time and it's quite violent. It's quite violent," said the Republican leader who returned as President of the US last month.

Less than an hour later, the government turned down the offer saying India has always adopted a bilateral approach in such cases.Providing a round-up of the PM's US visit to the media, Foreign Secretary Vikram Misri said, "Whatever issues we have with any of our neighbours, we have always adopted a bilateral approach to dealing with these issues."Trump had

offered to mediate between India-China and even India-Pakistan in the past, but the government had turned down such offers.

The US leader has been trying to position himself as a global peacemaker as he seeks to play a role in quelling geopolitical conflicts across the globe with a focus on Russia-Ukraine and the Middle East.

The Foreign Secretary also responded to Trump's offer to provide India with fifth-generation F-35 stealth fighter jets, saying that this is still at the stage of proposal and formal talks haven't started.

In his press briefing, Mr Misri also spoke about tariffs - a key economic weapon used by Mr Trump to weed off trade inequalities. Hours before he met PM Modi, Trump unleashed reciprocal tariffs for all countries in a tit-for-tat trade policy.

Mr Misri said the issue came up several times during their discussion and the two leaders shared their perspectives."What's more remarkable is the fact that we have a way forward on this issue in terms of the undertaking to discuss or start discussions on a bilateral trading agreement, and this may actually be a very good opportunity to take forward something and conclude something which was actually foreseen in the first Trump administration," said the Foreign Secretary.Under the previous Trump regime, Indian and US officials had worked on a trade deal to be signed during PM Modi's 2020 US visit but were unable to finalise it. The talks for the bilateral trade agreement would be restarted with the deadline being the fall of 2025, according to the India-US joint statement released Thursday evening.

"So we are looking at the next seven to eight months to get this done, and today, in a sense, both teams have got the instructions or the indications from the highest levels to start engaging on this," said Mr Misri.

NEWS BOX

Kylian Mbappe returns to France squad for Nations League quarter-final: Deschamps

New Delhi. France head coach Didier Deschamps has confirmed that Real Madrid star forward Kylian Mbappe will return to the national team squad for their upcoming UEFA Nations League quarterfinal clash against Croatia in March. The French captain was left out of France's Nations League group-stage matches in November, but his recent resurgence in form at Real Madrid has earned him a recall.Mbappe's highly anticipated move to Real Madrid initially got off to a slow start, leading Deschamps to give him time to adjust before ultimately omitting him from France's matches against Italy and Israel. However, speaking at a recent press conference, Deschamps stated that the forward's return was fully justified given his improving performances."Of course, he (Mbappe) will be there. Why wouldn't he be?" Deschamps said.Yes, for very specific

reasons (leaving him out in November) But he will be there, if nothing happens to him between now and then. He is very attached to the French team, even if he has had a complicated personal period. He has found all his means and, inevitably, it shows in his game, and in his head too," he added.

With 48 goals in 86 international appearances, Mbappe remains France's most potent attacking option. Despite his initial struggles in Madrid, the 26-year-old has gradually regained form, scoring 23 goals in 35 matches across all competitions this season. His impact was further highlighted in Real Madrid's recent UEFA Champions League Round of 16 first-leg victory over Manchester City, where he netted a crucial goal.Mbappe's return to the France squad comes at a crucial time as Les Bleus aim to secure a place in the Nations League semifinals.

Calvin Kattar aiming to finish 'unfinished business' in UFC featherweight division

New Delhi. For Calvin Kattar, the last few years have been tough. Once a top contender in the UFC's featherweight division and having an incredibly close fight with Max Holloway, the Boston Finisher looked to continue his dream run in the weightclass. However, losses to Josh Emmett and Arnold Allen derailed his momentum. The Allen fight saw Kattar suffer an ACL injury, which put him out of action for 8 months.

Upon his return, the Boston Finisher faced Aljamain Sterling but faced defeat once again. Despite the various setbacks, Kattar remains confident that he can still make a comeback and be a contender once again for the title. But standing in front of him is the up

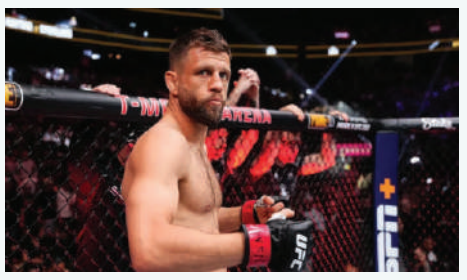

and coming Youssef Zalal, who is on a 3-fight winning streak in the division.Speaking to Indiatoday.in ahead of his fight at UFC Fight Night 251, Kattar opened up on his unfinished business in the featherweight division, overcoming adversities and what he is hoping to do in the Zalal fight.

Excerpts from interview with Calvin KattarIndia Today: Last year has been pretty tough for you with the ACL injury and your loss in the barn burner with Max Holloway. How were you able to keep yourself focused?Kattar: Setbacks only motivate me more, so it's just how I respond to things. The last few years have been a push, but I'm ready to go and get my hand raised come Saturday.India Today: Your opponent, Youssef, recently said he's not taking you lightly despite what's happened recently, because he knows how much you've done in this division. What's your take on that?

Kattar: That's smart because I'm not taking him lightly either. I don't take anyone lightly that steps across from me in the octagon. They've done enough to get to that point, and they deserve my respect. So I'm definitely not taking him lightly. It's going to make for a hell of a co-main event, and I'm excited to go out there and do what I need to do to get my hand raised.

IPL teams' involvement will not affect Pakistan players in Hundred: ECB chief executive

- Indian Premier League's involvement in the Hundred would not affect the participation of Pakistani players in the tournament, said ECB chief executive Richard Gould. 4 IPL teams recently bought stakes in the competition.

New Delhi. England and Wales Cricket Board chief executive Richard Gould said that there will be no impact on the participation of Pakistan players in the upcoming seasons of the Hundred now that Indian Premier League team owners have bought franchises in the tournament.Four IPL franchises won bids to buy stakes in 4 Hundred teams. Mumbai Indians, Lucknow SuperGiants, SunRisers Hyderabad, and Delhi Capitals placed the winning bids and bought Oval Invincibles, London Spirit, Northern Superchargers, and Southern Brave, respectively.With IPL teams buying four franchises in the tournament, it continued the trend of IPL expanding its reach across the world. IPL teams have stakes in the CPL, SA20, and even the MLC.

According to an ESPNcricinfo report, the exposure of Pakistan players to IPL-owned teams has been limited over the last few years. Asked about this ahead of the 5th edition of the tournament, ECB chief executive Gould stressed that, in the Hundred, the involvement of top Pakistan players will not decrease in the next few years.We're aware of that in other regions," Gould told ESPNcricinfo about Pakistan players' limited exposure in IPL-owned teams in other tournaments; "but that won't be happening here," he added.The ECB chief executive also said that while the league would like to have Indian players in the competition, they understood the BCCI's firm stand on not allowing contracted cricketers to play outside the country. Recently, players like Dinesh Karthik and Unmukt Chand have played in franchise leagues outside of India, but that came after they quit Indian cricket."In terms of availability of Indian players, that is not factored into our plans. The BCCI's position has been very clear. At some point, we'd love to see Indian players come and play in England. We currently see them, obviously, in bilaterals and actually quite a lot in county cricket. But that's not something that we have predetermined through this process," Gould said.

The Hundred's 5th season is set to start on August 5, with the final scheduled to be played on 31st of the same month. The tournament will start on the very next day after the conclusion of India's 5-match Test tour of England.

PAK vs NZ, final: Pakistan eye tri-series title in Champions Trophy opener rehearsal

New Delhi. Pakistan will look to assess their strength at home before the Champions Trophy, and they have a great opportunity to do so when they take on New Zealand in the ODI tri-series final at the National Stadium on Friday, February 14. The hosts appeared down and out after being hammered by the Black Caps in the series opener in Lahore. However, they secured a place in the final with a record-breaking chase of 353 against South Africa on Wednesday in Karachi.For both Pakistan and New Zealand, this final serves as the perfect dress rehearsal ahead of their high-stakes Champions Trophy opener. The two teams will meet at the same venue for their Group A clash on 19 February.

Pakistan must have breathed a sigh of relief after their emphatic victory over South Africa, as failing to reach the ODI tri-series final at home would have intensified scrutiny on the team. That win reinforced their status as serious contenders for the Champions Trophy. If they can overcome a well-drilled New Zealand side on Friday, they will head

into the eight-team tournament as one of the favourites.Pakistan appeared overly reliant on Fakhar Zaman at the top of the order after Saim Ayub was ruled out due to injury. Fakhar's 69-ball 84 was the lone bright spot in their unsuccessful chase of 331 against New Zealand, with the team limping to 250 after his dismissal.However, in their record chase against South Africa, Mohammad Rizwan and Salman Ali Agha stole the show. Both batters struck centuries, sharing a remarkable 260-run partnership that signalled the middle order's readiness for the challenges ahead.

CAN BABAR DELIVER A BIG KNOCK?

Pakistan will be hoping for a substantial contribution from former captain Babar Azam. While he has been consistently chipping in, the lack of a big score has been a point of concern.

Confirming that Babar will continue to open in Saim's absence, captain Rizwan backed his teammate to regain peak form soon. Pakistan will be hoping that the star batter rises to the occasion in the final.

"What's the issue with Babar Azam? He has achieved so much that people expect him to score a hundred in every match. He has built a big reputation. But if you look at him objectively, he is still making valuable contributions," Rizwan told the press in Karachi on Thursday, 13 February.Facing New Zealand's well-balanced bowling attack is the ideal test for Pakistan before the Champions Trophy. At the same time, Pakistan will want their bowlers, especially the pace spearheads -- Shaheen Afridi and Naseem Shah -- to strike form before the big tournament.

Maxwell, Head return as Australia makes major changes in final ODI before Champions Trophy

New Delhi. Australia brought in their heavy hitters for their final ODI match before the Champions Trophy. Playing the last ODI of the 2-match series against Sri Lanka, Australia made a total of 5 changes to their side that lost the first match of the series. The dangerous duo of Travis Head and Glenn Maxwell made their way into the side in place of Marnus Labuschagne and youngster Cooper Connolly.

Australia had imploded in the first match of the series, losing the ODI by 49 runs while chasing a modest target of 215 runs. Apart from Alex Carey's 41 and Aaron Hardie's 32, none of the specialist Australian batters were able to score many runs in the opener.The Australian side bolstered their batting unit with the aggressive Head and dynamic Maxwell, and also provided some game time to Josh Inglis. Inglis replaced Carey in the line-up.Australia XI vs SL in 2nd ODI

Matthew Short, Travis Head, Jake Fraser-McGurk, Steve Smith (c), Josh Inglis (wk), Aaron Hardie, Glenn Maxwell, Sean Abbott, Ben Dwarshuis, Adam Zampa, Tanveer Sangha.Steve Smith, who will captain

Australia in the Champions Trophy 2025, also made two changes in the bowling line-up. Left-arm pacer Ben Dwarshuis and young leg-spinner Tanveer Sangha were named for their second and third ODI appearances, respectively.The bowling pair replaced fast bowlers Spencer Johnson and Nathan Ellis in the second game, with the visitors expecting spin to take over in the final match of the series. It meant that Hardie, Sean Abbott, and swing-bowler Dwarshuis were the only pace options in the side, while Australia brought in a host of full-time and part-time spinners in Adam Zampa, Tanveer Sangha, Matthew Short, Travis Head, and Glenn Maxwell.Australia is grouped with England, Afghanistan, and South Africa in the Champions Trophy. Barring England, who only have Adil Rashid as a full-time spinner in their line-up, Australia will face well-recognized spinners in the rest of their matches.

Diego Schwartzman fights tears as home crowd bids emotional farewell

New Delhi. Argentine tennis star Diego Schwartzman could not hold back his tears as he received an emotional farewell from his home crowd in Buenos Aires. The stadium erupted with chants of his name ahead of the final point of his career before he was knocked out in the second round of the Argentina Open. Schwartzman, a former Top 10 player, bowed out with a straight-sets defeat to Spain's Pedro Martinez, 2-6, 2-6, but the moment was about much more than the match itself—it was a heartfelt goodbye to a beloved national icon.The 32-year-old had announced in May last year that he would retire from professional tennis in Buenos Aires, making his final appearance at the Argentina Open all the more special. The home crowd showered him with immense support, creating an unforgettable atmosphere in the stands. Argentine tennis greats Gabriela Sabatini and Guillermo Coria were present to witness Schwartzman's farewell match, further

highlighting his impact on the country's tennis history."Something a lot of people spoke about was my height, 170 centimetres. I didn't like that during my career, because many times when I was playing good tournaments, everyone was asking me how I did it and how I was going to win the next match," Schwartzman said."I had to work so hard off the court so that my opponents did not feel I had less power or my movements were shorter or anything. For sure, I know that height is a very important thing when playing tennis. But more than 50 per cent of the way you win matches comes from what you do away from the court," he added.Spanish legend Rafael Nadal also sent a heartfelt message to Schwartzman, congratulating him on a remarkable career and acknowledging his contributions to the sport. Throughout his time on the ATP Tour, Schwartzman gained admiration not just for his skill but also for his determination and resilience."Congratulations Diego Schwartzman on your great race! You have been a great example of struggle and overcoming and I am glad that we have shared so many moments on the circuit. Enjoy your next stage!" Nadal said.Standing at just 5'7", Schwartzman defied the odds in a sport often dominated by taller players. His peak came in 2020 when he reached a career-high world ranking of No. 8, proving himself as one of the most consistent and .

Rachin Ravindra few more steps away from being fit: New Zealand coach Gary Stead

- New Zealand head coach Gary Stead confirmed that Rachin Ravindra is still recovering from his facial injury, raising concerns over his availability for the Champions Trophy opener against Pakistan on February 19.

New Delhi. New Zealand head coach Gary Stead has revealed that star batter Rachin Ravindra is yet to regain full fitness after sustaining an injury during the first match against Pakistan in the ongoing Tri-Nation Series. While Ravindra recently took part in a brief net session, Stead emphasised that his recovery remains a slow and cautious process.Speaking to the BlackCaps' social media page ahead of their Tri-Series final against Pakistan on February 14, Stead provided a fresh update on Ravindra's condition. He mentioned that the young all-rounder is still dealing with headaches but is gradually improving. The team management is closely monitoring his progress, especially with the Champions Trophy approaching, where New Zealand will face co-hosts Pakistan in the tournament opener on February 19.

"Rachin obviously got that nasty blow in Lahore to the forehead. The pleasing thing is he's progressing well. So, we are following HIA protocols at the moment. He's had a headache for a few days, but that's subsiding, which is really good news. He hit a few balls tonight for the first time, which is good. But there's still a few more steps for him to go through before he will be considered fit for play," Stead said.

Rachin Ravindra's horror injury

Ravindra suffered the injury in a freak incident

during the 38th over of Pakistan's innings. Positioned at deep square leg, he misjudged a high sweep shot from Khushdil Shah and was struck directly on the face. The impact caused profuse bleeding near his eye, and he was immediately taken off the field, with the team's physio covering his face with a towel to stop the heavy bleeding.

Apart from Ravindra, Stead also provided an update on experienced pacer Lockie Ferguson, who injured his hamstring during the ILT20. Unlike Ravindra, Ferguson is making steady progress and has been actively participating in net sessions, increasing his chances of featuring in the Champions Trophy."And Lockie has been out there. He has had a couple of bowls since he has been here, so the intensity was up a little bit more tonight. Pleased with how he's tracking and celtainly will look to have him playing in one of the next two games," Stead added.efore beginning their Champions Trophy campaign, New Zealand will play a warm-up match against Afghanistan on February 16 at the National Stadium in Karachi. The team will be hoping for positive updates on Ravindra's fitness as they prepare for the marquee tournament.

Yami Gautam

Yami Gautam discusses her powerful monologue on women's struggles in Netflix's Dhoom Dhaam.

REACTS To Her Viral Monologue From Dhoom Dhaam: 'As A Woman, You'll Resonate With It'

Yami Gautam, in an exclusive conversation with News18 Showsha, opened up about the powerful, viral monologue on women's empowerment featured in her upcoming Netflix film Dhoom Dhaam. In a stirring address, Yami's character Koyel talks about about the daily struggles women face — ranging from relentless harassment and catcalling to the pressure of marriage and the expectation to bear children. She touched upon the harsh reality that if a girl child is born, women are often pressured even further to have more children.The monologue also highlights how societal norms force women to face discomfort by dressing in heavy, concealing clothing despite soaring temperatures. Her character does not even shy away from discussing even more disturbing issues, such as the unsolicited explicit images sent by some men.

Speaking of the scene that Yami delivered in one take, she explained, "In my head, it's never choreographed like there are going to be any multiple takes or multiple shots. It has to be delivered right in the first go and preferably, in first take, I think your first is always your best. Some actors warm up and eventually they get the right emotion. But, that's absolutely to each his own. I feel my best comes in the first two takes, preferably the first take, especially when something is really coming from your heart, something which you're really feeling it. So you, and you can't fake it. Being a woman, somewhere, some of us resonate with it – may not be the entire monologue, but two lines from it. You will resonate with it. You connect with it. It's an amalgamation of trying to keep all those emotions balanced and to hear as many perspectives as you can and roll into one."

Yami also spoke about how Pratik Gandhi's natural reaction to the monologue led to a small improvisation. She added, "The way he's reacted, there's a very small improvisation. And that happened because of his reaction. That line was not there. 'Idhar udhar kya dekh rahe ho'?"Dhoom Dhaam will drop on Netflix on February 14.

Mrunal Thakur

Makes An Impression In A Bold Printed Midi Dress

Bollywood actress Mrunal Thakur never fails to impress with her impeccable fashion sense, and her latest Instagram post is proof of that. The actress shared a series of mesmerizing pictures from Mumbai, showcasing her effortlessly chic style in a stunning printed dress by designer Saaksha & Kinni.The outfit, a white midi dress adorned with bold, artistic prints in blue, yellow, and red hues, exudes a perfect blend of contemporary aesthetics and artistic expression. With a structured bodice and a flared silhouette, the dress highlights Mrunal's graceful figure while adding a playful touch to her overall look. She completed her ensemble with elegant accessories from Lusso Jewels and was styled by Sheefa Gilani.

Mrunal kept her makeup minimal, letting her natural glow shine through. Her hair was styled in a sleek updo, adding an air of sophistication to her outfit. The post, captioned "glowy ⚡," truly encapsulated her radiant aura.Fans quickly flooded the comment section with praise, admiring her effortless elegance and timeless beauty. One of them wrote, "How can a person be so cute andattractive?? You should pay TAX for thiS attractiveness." Another one commented, "Looking so elegant." Someone else said, "Gorgeous!" A fan also stated,"Fabulous!"

Talking about her professional commitments, Mrunal will next be seen in Pooja Meri Jaan, directed by Navjot Gulati. The film is backed by Dinesh Vijan and Amar Kaushik under the Maddock Films banner. Initially planned for a November 2024 release, the film was later pushed to early 2025. Pooja Meri Jaan also stars Huma Qureshi in a key role.

Apart from this, Mrunal will explore comedy in Hai Jawani Toh Ishq Hona Hai. The film pairs her with Varun Dhawan and is directed by David Dhawan. This marks the fourth collaboration between Varun and his father.

Another much-anticipated film in Mrunal's lineup is Dacoit where she will make her debut in the action genre. She will star opposite Adivi Sesh. Directed by Shaneil Deo, the action drama follows the journey of an angry convict, who meticulously plots revenge against his former girlfriend after being betrayed by her. The film is being produced by Supriya Yarlagadda and co-produced by Suniel Narang.

Samay Raina CANCELS Gujarat Shows Amid Ranveer Allahbadia's 'Parents Sex' Comment Controversy

Amid the controversy regarding Ranveer Allahbadia's recent comments on India's Got Latent, the maker of the show, comedian Samay Raina, has reportedly cancelled his Gujarat shows. The Vishva Hindu Parishad (VHP) on Wednesday claimed that the stand-up comedian is no longer scheduled to perform in the state and his show tickets have been taken down from the platform BookMyShow.

VHP spokesperson Hitendrasinh Rajput claimed that Raina had planned four shows in the state. Reportedly, he was supposed to perform in Surat on April 17, in Vadodara on April 18 and in Ahmedabad on April 19 and 20.

"It appears all these four shows have been cancelled due to public outrage against him in Gujarat. Though tickets for these shows were available till morning (of Wednesday) on BookMyShow, it seems they have been now taken down from the portal," Rajput claimed, as quoted by Hindustan Times.

In another statement, VHP regional secretary Ashvin Patel also claimed that the organisers decided to cancel Raina's shows due to the recent

controversy. "In view of the anger among people, it appears organisers have cancelled Samay Raina's upcoming shows in Gujarat. We are thankful to the people of Gujarat for showing such alertness. I also ask organisers to refrain from organising events of such people in Gujarat," he said.

This comes at a time when Samay Raina has been facing backlash for Ranveer Allahbadia's recent comments on India's Got Latent. Allahbadia, also known as BeerBiceps, during a recent episode of the show, allegedly asked a contestant an inappropriate question involving body parts and proposed an indecent act in exchange for Rs 2 crore.

Simone Ashley Seeks Wedding Date In Prime Video's 'Picture This' Trailer

Amazon MGM Studios has unveiled the trailer for Picture This, starring Simone Ashley and Hero Fiennes Tiffin. The romantic comedy, directed by Prarthana Mohan, premieres on Prime Video on March 6.

The film follows Pia (Ashley), a struggling photographer who is told she'll find love within her next five dates. Her family enthusiastically takes on the role of matchmaker—just as her ex, Charlie (Fiennes Tiffin), unexpectedly reappears in her life.

The trailer teases emotional moments between the leads. "I thought being independent meant being alone," Ashley's character says. "But taking photos made me realize the kind of life that I wanted to have." In another scene, Fiennes Tiffin's Charlie confesses, "I still think about you, Pia." When she doesn't respond, he presses, "You just drew that out of me. You're not going to respond to it?" Watch the trailer, here.

The cast also includes Sindhu Vee, Luke Fetherston, Nikesh Patel, Adil Ray, Anoushka Chadha, and Phil Dunster. Picture This is based on the 2024 Australian rom-com Five Blind Dates, with a script by Nikita Lalwani. Ben Pugh and Erica Steinberg serve as producers.

Ashley, known for her roles in Bridgerton and Sex Education, will also appear in the upcoming racing film F1, starring Brad Pitt and Damson Idris. The film's teaser debuted during the Super Bowl pre-game show.

Fiennes Tiffin, recognised for the After film series, has also starred in Harry Potter and the Half-Blood Prince and Guy Ritchie's The Ministry of Ungentlemanly Warfare (2024).